युद्धविराम को लेकर संशय सेंसेक्स 931 अंक लुढ़का निफ्टी भी गिरा - 12

अमेरिका के साथ रक्षा उद्योग प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला संबंध गहरा करने के प्रयास - 13

ईरान युद्ध के कारण वैश्विक खाद्य कीमतों में वृद्धि का खतरा - 13

आरसीबी रॉयल्स मैच में नजरें शीर्षक्रम के बल्लेबाजों परा - 14

आज का मौसम

29.0⁰ अधिकतम तापमान

19.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.53

सूर्यास्त 06.35

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष अष्टमी 11:15 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 135, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ईरान ने होर्मुज में बिछाईं बारूदी सुरंगें

संकट में युद्धविराम...तेहरान की अर्ध-सरकारी न्यूज एजेंसियों ने जारी किया होर्मुज का नक्शा

- ईरान ने कहा- यूरेनियम संवर्धन हमारा अधिकार, बिना इसके कोई बात नहीं करेंगे

दुबई/इस्लामाबाद, एजेंसी

ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर कालिबाफ ने गुरुवार को चेतावनी दी कि यदि लेबनान में हिजबुल्ला पर इजराइल के हमले जारी रहे तो इसके स्पष्ट नतीजे सामने आएंगे और कड़ा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने अन्य ईरानी अधिकारियों की तरह इस बात पर जोर दिया कि दो सप्ताह का युद्धविराम लेबनान में भी लागू होता है, जिसे इजराइल और अमेरिका दोनों ने नकार दिया है। कालिबाफ के नाम पर संभावित वार्ताकार के रूप में चर्चा हो रही है, जो इस्लामाबाद में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मुलाकात कर सकते हैं।

वहीं, ईरान की अर्धसरकारी समाचार एजेंसियों ने एक चार्ट प्रकाशित किया जिससे संकेत मिला कि देश के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने युद्ध के दौरान होर्मुज में समुद्री सुरंगें बिछाई हैं। यह चार्ट ऐसे समय में प्रकाशित हुआ है जब अमेरिका और इजराइल के साथ हुए दो सप्ताह के युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। पाकिस्तान शुक्रवार को अमेरिका और ईरान के बीच उच्च-स्तरीय वार्ता की मेजबानी करेगा। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मोघादम ने तेहरान के प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी की पुष्टि करते हुए इस बात पर जोर दिया कि इजराइल द्वारा युद्धविराम के उल्लंघन के कारण उनके देश में शांति वार्ता को लेकर संदेह बना हुआ है। सूत्रों के हवाले से खबर में कहा गया है 30 सदस्यीय अमेरिकी टीम के बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस्लामाबाद पहुंच चुके हैं। वहीं, होर्मुज में समुद्री सुरंगें बिछाने का चार्ट आईएसएनए और तस्नीम समाचार एजेंसी ने जारी किया है जिसे रिवोल्यूशनरी गार्ड का करीबी माना जाता है। चार्ट में पोतों द्वारा उपयोग किए जाने वाले मार्ग ट्रैफिक सेपरेशन स्कीम पर फारसी भाषा में खतरे का क्षेत्र अंकित करते हुए एक घेरा दिखाया गया है। जहां ईरान ने बारूदी सुरंगें बिछाई गईं।

ईरान की परमाणु एजेंसी के प्रमुख मोहम्मद इस्लामी ने कहा कि यूरेनियम संवर्धन के तेहरान के अधिकार की रक्षा करना अमेरिका से किसी भी युद्धविराम वार्ता के लिए आवश्यक है।

लेबनान के बेरूत शहर में बचाव अभियान के दौरान महिला को बचाते दमकलकर्मी।

लेबनान से सीधी बातचीत को इजराइल तैयार

वाशिंगटन। इजराइल और लेबनान के बीच संघर्ष-विराम को लेकर बातचीत अगले हफ्ते वाशिंगटन में विदेश विभाग के कार्यालय में शुरू होने की उम्मीद है। योजना से वाकिफ एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बातचीत में अमेरिकी पक्ष का प्रतिनिधित्व लेबनान में अमेरिकी राजदूत मिशेल इस्सा एवं इजराइली पक्ष का प्रतिनिधित्व अमेरिका में इजराइल के राजदूत येचिएल लीटर करेंगे।

लेबनान युद्ध-विराम समझौते में शामिल नहीं : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हिजबुल्ला की वजह से लेबनान को युद्ध-विराम समझौते में शामिल नहीं किया गया गया है। उन्होंने लेबनान पर इजराइल के हालिया हमलों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह एक अलग लड़ाई है। इस बीच, ईरान ने लेबनान पर हमलों को युद्धविराम का उल्लंघन बताया है। उसने इजराइल द्वारा लेबनान में हमले तेज किए जाने के जवाब में होर्मुज को फिर बंद कर दिया जिससे हाल में हुआ युद्धविराम खतरे में पड़ गया है।

ईरान होर्मुज में वसूलेगा 1 डालर प्रति बैरल टोल

ईरान ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी टैंकरों पर 1 डॉलर प्रति बैरल का टोल लगाने की योजना है। वह यह टोल क्रिप्टोकरेंसी में तय करेगा और निरीक्षण पूरा होने के कुछ ही सेकंड के भीतर बिटक्वाइन में भुगतान की मांग करेगा। फाइनेंशियल टाइम्स ने ईरान के तेल, गैस और पेट्रोकेमिकल उत्पाद निर्यातकों के संघ के आधिकारिक प्रवक्ता हामिद होसैनी के हवाले से बताया कि ईरान तेल टैंकरों को प्रति बैरल एक डॉलर के शुल्क पर होर्मुज से गुजरने की अनुमति देने के लिए तैयार है।

बुनकरों के हित में तैयार करें क्लस्टर आधारित नई कार्य योजना : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने बुनकरों के लिए परिणामोन्मुख क्लस्टर आधारित नई कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बुनकर केवल परंपरा के संवाहक नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सशक्त आधार हैं। ऐसे में उनकी आय, सम्मान और आजीविका की स्थिरता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है।

योगी ने गुरुवार को हथकरघा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करते हुए कहा कि वर्तमान में बुनकरों के सामने कच्चे माल की बढ़ती लागत, डिजाइन और आधुनिक तकनीक का अभाव तथा सीमित बाजार पहुंच जैसी चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल योजनागत सहायता से नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ एवं समन्वित तंत्र विकसित कर ही संभव है। बैठक में क्लस्टर चयन, बेसलाइन सर्वे, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने, प्रभावी क्रियान्वयन तथा सतत अनुश्रवण जैसे पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक क्लस्टर में सीमित संख्या में बुनकरों को संगठित कर पंजीकृत इकाइयों के रूप में विकसित किया जाए, जिससे सामूहिक उत्पादन और विपणन को बढ़ावा मिले। साथ ही, इन क्लस्टरों को आधुनिक तकनीक, उन्नत उपकरणों और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जाए, ताकि उत्पादों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार हो। डिजाइन और विपणन को सुदृढ़ बनाने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्पाद की सफलता बाजार की मांग के अनुरूप होने पर ही संभव है। उन्होंने 'डिजाइनर-कम-मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव' तथा 'डिजाइन हाउस/सोर्सिंग-बाइंग एजेंसी/एक्सपोर्ट हाउस' जैसे संस्थागत तंत्र को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए। इससे उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार, बड़े बाजारों तक पहुंच और बुनकरों की आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स और ब्रांडिंग के विस्तार पर विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि बुनकरों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ा जा सके।

एमएसएमई मंत्री और उच्चाधिकारियों संग बैठक करते सीएम।

- उच्चस्तरीय समीक्षा में तय हुई बुनकरों की आय, सम्मान और स्थायित्व को लेकर प्राथमिकताएं
- क्लस्टर आधारित विकास के जरिए बुनकरों को बाजार डिजाइन, तकनीक से जोड़ने का निर्देश

बिजली बिल में राहत की तैयारी

पॉवरलूम बुनकरों के विद्युत बिल में कमी लाने के लिए हथकरघा विभाग और पावर कॉर्पोरेशन संयुक्त कार्य योजना तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि इससे बुनकरों की लागत घटेगी और उन्हें दीर्घकालिक राहत मिलेगी।

वैल्यू चेन मॉडल पर होगा विकास

सरकार हथकरघा क्षेत्र को वैल्यू चेन मॉडल पर विकसित करेगी। क्लस्टर केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहेंगे। बल्कि डिजाइन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार तक पहुंच को एकीकृत कर बुनकरों को बेहतर मूल्य और स्थायी बाजार उपलब्ध कराया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज

निवेश के नाम 74 लाख रुपये की ठगी के दो मामलों में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने निवेश पर मोटे मुनाफे का झांसा देकर 74 लाख रुपये की ठगी करने के दो अलग अलग मामलों में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पहले मामले में, ग्रेटर नोएडा निवासी राहुल त्यागी नामक व्यक्ति को 27.82 लाख रुपये की धोखाधड़ी में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता को एक सोशल मीडिया ग्रुप में जोड़ा गया और उसे शेयर बाजार और आईपीओ मंचों में निवेश करने का लालच दिया गया। एक अन्य मामले में, पुलिस ने ग्रेटर नोएडा निवासी रिंकू (36) को 47 लाख रुपये की निवेश धोखाधड़ी में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया।

नीतीश कुमार शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। उनके राज्यसभा जाने के साथ बिहार में नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त होगा। कुमार गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे और हवाई अड्डे पर जद(यू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा सहित पार्टी के नेताओं ने उनका स्वागत किया। कुमार ने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, मैं यहां शपथ लेने आया हूं। उन्हें राज्यसभा सभापति सी पी राधाकृष्णन के कक्ष में उच्च सदन के सदस्य के रूप में शपथ दिलाई जाएगी।

बाल तस्करी के मामलों को गंभीरता से लें राज्य, समन्वित कार्रवाई करें

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बाल तस्करी के बढ़ते मामलों पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि ऐसा करने वाले गिरोह देशभर में सक्रिय हैं और यदि राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों ने तत्काल कदम नहीं उठाए तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाएगी। कोर्ट ने कहा कि इस संबंध में केवल राज्य सरकार और उसका गृह विभाग ही सतर्कता के साथ कार्रवाई कर सकता है।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने बुधवार को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, एक न्यायालय के रूप में हम निगरानी कर सकते हैं, लेकिन कार्रवाई अंततः राज्य सरकार, पुलिस और अन्य एजेंसियों को ही करनी है इसलिए यह हमारा विनम्र अनुरोध है। पीठ ने संगठित तस्करी गिरोह को ध्वस्त करने के उद्देश्य से 2025 में सुनाए गए एक फैसले को लागू करने के मामले में कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ढुलमुल रवैये पर नाराजगी जताई।

न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा कि कुछ मामलों में बच्चों को बरामद किया जाना इस बात का प्रमाण है कि इस समस्या से निपटा जा सकता है लेकिन इसके लिए जिस स्तर की राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति चाहिए उसका फिलहाल अभाव है। पिछले साल 15 अप्रैल को दिए गए फैसले में कई संस्थागत सुधारों का निर्देश दिया गया था। इनमें तस्करी के मामलों में मुकदमों का निपटारा रोजाना सुनवाई के आधार पर छह महीने के भीतर पूरा करने का निर्देश भी शामिल था।

- सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई, कहा- गिरोह देशभर में सक्रिय
- कहा- तत्काल कदम नहीं उठाए तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाएगी

कई राज्यों ने निर्धारित प्रारूप में नहीं भेजी रिपोर्ट

पीठ ने बुधवार को कहा कि मध्य प्रदेश, गोवा, हरियाणा, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा और पंजाब ने अब भी निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट दाखिल नहीं की। जब मध्य प्रदेश के गृह सचिव ने इस चूक के लिए माफी मांगी तो पीठ ने 'अंतिम अवसर' दिया और चेतावनी भी दी कि बार-बार विफल रहने पर राज्यों को आधिकारिक रूप से 'आदेश का पालन नहीं करने वाला' घोषित कर दिया जाएगा। पीठ ने कहा कि कम से कम 15 राज्य ऐसे हैं जिन्होंने मानव तस्करी की आशंका वाले क्षेत्रों की पहचान और निगरानी के लिए अनिवार्य समीक्षा समितियों का गठन अभी तक नहीं किया है। इस मामले में आगे की सुनवाई 29 अप्रैल को होगी।

जांच के मानकों में सुधार करने का भी निर्देश

फैसले में मानव तस्करी निरोधक इकाइयों (एएचटीयू) को मजबूत करने और जांच के मानकों में सुधार करने का भी निर्देश दिया गया था। इससे पहले पीठ ने कुछ राज्यों की ओर से दाखिल अनुपालन रिपोर्ट को महज आंखों में धूल झोंकना करार दिया था।

असम ने रचा इतिहास, केरलम-पुडुचेरी में रिकॉर्ड मतदान

गुवाहाटी/ तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी, एजेंसी

देश के दो राज्यों असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में गुरुवार को विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले गए। चुनाव आयोग के अनुसार रात 8 बजे तक असम में 85.38% मतदान हुआ।

असम के इतिहास में यह सबसे ज्यादा वोटिंग का आंकड़ा है। वहीं, केरलम में पिछले 49 सालों में दूसरी सबसे ज्यादा वोटिंग हुई, यहां 78.01% वोट डाले गए। 1977 में रिकॉर्ड 79.2% मतदान हुआ था। वहीं पुडुचेरी में 50 साल बाद 89.81% मतदान हुआ। असम में चुनाव संबंधी हिंसा में करीब 30 लोग घायल हो गए और सात लोगों को गिरफ्तार किया गया।

श्रीभूमि जिले के पथारकंडी में कांग्रेस और भाजपा समर्थकों की इस झड़प में करीब 25 लोग घायल हो गए, दो की हालत गंभीर है। असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उम्मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। यहां 140 सीटें हैं। पुडुचेरी में 30 सीटों के लिए वोटिंग हुई।

- **85.38%** वोटिंग असम के इतिहास में सबसे ज्यादा
- **89.81%** मत पड़े पुडुचेरी में 50 साल बाद
- **78.01%** केरलम में 49 साल में दूसरी बार बना रिकॉर्ड

केरलम में विधानसभा चुनाव के दौरान कतार में खड़ी महिलाएं।

अमेरिका-ईरान जंग ने ले ली बरेली के होनहार की जान

बरेली। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की विभीषिका में अरब देशों में काम करने वाले भारतीय भी झुलस रहे हैं। बरेली के रहने वाले जीशान अजहरी भी जंग की भेंट चढ़ गए। दुबई में ईरान के मिसाइल हमले में खाई बनी सड़क में कार गिरने से उनके साथ पाकिस्तानी ड्राइवर की भी जान चली गई। 16 दिन बाद दुबई से शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया।

विदेश में जान गंवाने वाले जीशान (29) बरेली के बिहारीपुर निवासी बिस्कुट व्यापारी जान मोहम्मद उर्फ लल्ला के तीन पुत्रों में सबसे छोटे थे। वह 2020 से दुबई में नौकरी कर रहा था। जीशान अपने क्लाइंट से मिलकर लौट रहे थे। रास्ते में मिसाइट अटैक की वजह से हुए पानी से भरे गढ्ढे में कार गिर गई ओर उनकी मौत हो गई।

जीशान (फाइल)

- मिसाइल हमले से सड़क पर हुए गड्ढे में कार गिरने से जीशान अजहरी की हुई मौत

महिला आरक्षण : प्रस्तावित संशोधन करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि महिला आरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह देश भर की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। मोदी ने सभी सांसदों से इस संशोधन का समर्थन करने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया।

मोदी ने अपनी वेबसाइट 'नरेन्द्र मोदी डॉट इन' पर प्रकाशित एक लेख में यह भी कहा कि यह पहल उस सिद्धांत की पुष्टि है जिसने लंबे समय से भारत के इस सभ्यतागत लोकाचार का मार्गदर्शन किया है कि समाज तभी प्रगति करता है जब महिलाएं प्रगति करती हैं। अब जरूरत है 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले राज्यों के विस चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं।

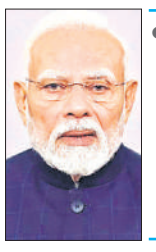

- सभी सांसदों से इस महत्वपूर्ण संशोधन का समर्थन करने के लिए एकजुट होने का किया आग्रह

ब्लॉक परिसर में राजनीतिक बैठक कराने पर बीडीओ को किया निलंबित

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : ब्लॉक परिसर में राजनीतिक बैठक कराने और चाय नाश्ता कराने के मामले में घिरे विकास क्षेत्र इस्लामनगर के पूर्व बीडीओ को शासन से निलंबित कर दिया गया है। मामला सामने आने के बाद उन्हें मनरेगा सेल से संबद्ध किया गया था। भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने जिला कोर कमेटी की बैठक में भी यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया था।

विकास क्षेत्र इस्लामनगर परिसर में 16 फरवरी को पूर्व मंत्री डीपी यादव की बैठक कराई गई थी। आरोप है कि बैठक में चाय नाश्ता का भी इंतजाम कराया गया था। इसके बाद से खंड विकास अधिकारी मुनव्वर खां की शिकायत जिला स्तरीय अधिकारियों से लेकर शासन तक पहुंची थी।

पिछले दिनों हुई जिला कोर कमेटी की बैठक में मुद्दा उठा था। मुनव्वर खां को मनरेगा सेल से संबद्ध करते हुए नितिन कुमार को इस्लामनगर के बीडीओ का अतिरिक्त चार्ज दिया गया था। डीडीओ से मामले की जांच कराई गई थी। बताया जा रहा है कि जांच में प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर डीएम ने भी कार्रवाई की संस्तुति की थी।

विकासखंड परिसर में राजनीतिक बैठक कराने पर दायित्वों के निवर्हन में लापरवाही करने पर अब शासन से मुनव्वर खां को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन काल में मुनव्वर खां लखनऊ के ग्राम्य विकास आयुक्त कार्यालय मे संबद्ध रहेंगे। जिला विकास अधिकारी अखिलेश चौबे ने बताया कि इस्लामनगर के बीडीओ रहे मुनव्वर खां को निलंबित किया गया है। यह कार्रवाई शासन स्तर से की गई है।

- 16 फरवरी को आयोजित की गई थी पूर्व मंत्री डीपी यादव की राजनीतिक बैठक
- बैठक की शिकायत के बाद बीडीओ पद से हटाकर मनरेगा सेल से कर दिए गए थे संबद्ध

उपलब्धि उप्र ने की 22,337 करोड़ की खरीद, केंद्र सरकार ने सराहा, 3606 करोड़ की खरीद से नगर विकास विभाग सबसे आगे

जेम पोर्टल पर यूपी प्रथम, बना देश का रोल मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने सरकारी खरीद में पारदर्शिता का नया मानक स्थापित किया है। वित्त वर्ष 2025-26 में जेम के माध्यम से 22,337 करोड़ रुपये की खरीद कर यूपी देश में शीर्ष स्थान पर रहा है। भारत सरकार ने भी यूपी की इस पारदर्शी खरीद प्रणाली की सराहना करते हुए इसे अन्य राज्यों के लिए रोल मॉडल बताया है।

खास बात यह है कि प्रदेश के अधिकांश विभागों ने अपनी खरीद जेम पोर्टल के जरिए सुनिश्चित की, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बनी। प्रदेश में नगर विकास विभाग ने सबसे अधिक 3606 करोड़ रुपये की खरीद कर शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद चिकित्सा शिक्षा (2973 करोड़), चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (2498 करोड़) और गृह विभाग (1852 करोड़) प्रमुख रहे। राष्ट्रीय स्तर पर भी यूपी ने गुजरात (14,009 करोड़), महाराष्ट्र (6113 करोड़), दिल्ली (4278 करोड़) और छत्तीसगढ़ (3935 करोड़) जैसे राज्यों को पीछे छोड़ दिया। जेम पोर्टल के माध्यम से खरीद ने केवल पारदर्शिता ही नहीं बढ़ाई, बल्कि छोटे उद्यमियों, स्टार्टअप और वंचित वर्गों को भी बाजार से जोड़ने का काम किया है। महिला उद्यमियों से खरीद 467 करोड़ (2020-21) से बढ़कर 4755 करोड़ (वर्ष 2025-26) तक पहुंच गई। वहीं एससी/एसटी उद्यमियों से खरीद 54 करोड़ से बढ़कर 752 करोड़ हो गई। स्टार्टअप से खरीद भी 261 करोड़ से बढ़कर 3203 करोड़ तक पहुंची, जबकि एमएसएमई से खरीद 3978 करोड़ से बढ़कर 27,235 करोड़ रुपये हो गई। इससे प्रदेश में स्थानीय उद्यमों को बड़ा प्रोत्साहन मिला है।

जेम खरीद में टॉप-10 राज्य

● उत्तर प्रदेश – 22,337 करोड़ ● गुजरात – 14,009 करोड़ ● महाराष्ट्र – 6113 करोड़ ● दिल्ली – 4278 करोड़ ● छत्तीसगढ़ – 3935 करोड़ ● बिहार – 3611 करोड़ ● मध्य प्रदेश – 2900 करोड़ ● जम्मू-कश्मीर – 2653 करोड़ ● झारखंड – 2647 करोड़ ● असम – 2494 करोड़

विक्रेताओं के कारोबार में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी

जेम पोर्टल के जरिए यूपी के विक्रेताओं का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2020-21 में 5770 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में यह 42,654 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रति बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेम, कृष्ण मुरारी के अनुसार, मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप सभी विभागों को जेम पोर्टल से खरीद के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

शिविर में पहुंचे किसान कराई फार्मर रजिस्ट्री

मझोला, अमृत विचार : फार्मर रजिस्ट्री को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान गुरुवार को नगर पंचायत गुलड़िया भिंडारा में शिविर आयोजित किया गया। इसमें आसपास के ग्रामीण पहुंचे और फार्मर रजिस्ट्री कराई। इसके फायदे भी बताए गए। ये किसान सम्मान निधि, किसान बीमा, फसल की एमएसपी पर सरकारी खरीद आदि योजनाओं के लिए आवश्यक है। इस मौके पर लेखपाल शुभम् गुप्ता, कृषि सहायक विजय कुमार मौर्य, अब्दुल रसीद, अब्दुल वशीर, रफीक खां, लखविंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

युवती को फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र की एक विवाहिता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि सात अप्रैल को रात करीब दस बजे उसकी 18 वर्षीय पुत्री को थाना गजरौला के गांव नौगवां बिहारीपुर निवासी अनमोल वर्मा फुसलाकर ले गया। काफी खोजबीन करने के बाद भी उसकी पुत्री का कुछ पता नहीं चल सका। पुत्री के साथ अप्रिय घटना की आशंका जताई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

सड़क हादसे की एफआईआर दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव अलियापुर रहने वाले सुरेंद्र कुमार वर्मा पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 27 मार्च को उसका भाई प्रतिदिन दिन की तरह राजा ब्रिक्स फील्ड स्थित ग्राम पौटाकलां से मजदूरी करके घर जा रहा था। शाम करीब सात बजे जिरौनिया में सिगनी नदी गौशाला के पास पीछे से एक ट्रैक्टर ट्राली का चालक का चालक व लापरवाही से चलाते हुए टक्कर मार दी, जिससे उसका भाई घायल हो गया। एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खेत में खड़े शीशम के पेड़ काटे, रिपोर्ट दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली में दी तहरीर में ग्राम ईटारोड़ा निवासी ओमप्रकाश ने बताया कि वह वर्तमान में आर्मी ऑर्डिनेंस कोर में सूबेदार पद पर कार्यरत हैं। उसकी संपत्ति की देखभाल उसका भाई राजेंद्र कुमार करता है। उसकी व उसके भाई की अनुपस्थिति में उसके खेत की मेड़ पर लगे पांच शीशम के पेड़ गांव के सुमेरमल ने काट लिए। इसमें प्रेमशंकर शर्मा ने मदद की। सुमेरलाल को तलाशा लेकिन नहीं मिला। इसके बाद लकड़ी देने से मना कर दिया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

भ्रमणकर निकल गए जिम्मेदार, दोपहर में सड़कों पर हर तरफ जाम

शहर की मुख्य सड़कों पर फैली अव्यवस्था नहीं हो पा रही दूर, अतिक्रमण, बेतरतीब पार्किंग और नो एंट्री का पालन न होना बना वजह

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : शहर की सड़कों पर अतिक्रमण, बेतरतीब पार्किंग और नो एंट्री में वाहनों के प्रवेश को लेकर फैली अव्यवस्था गुरुवार को सड़कों पर राहगीरों के लिए मुसीबत बढ़ा गई।

शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों पर जाम के हालात बने रहे। इसमें फंसकर राहगीर परेशान होते रहे और आपस में वाहन चालकों की कहासुनी होती रही। जाम खुलवाने के लिए कोई जिम्मेदार नहीं दिखा।

बता दें कि अभी तीन दिन पहले ही सड़कों पर लगने वाले जाम की समस्या को लेकर अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने डीएम को ज्ञापन सौंपा था। उस वक्त समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई थी।

अधिकारियों की ओर से आश्वस्त तो कर दिया गया, लेकिन निचले स्तर पर कोई देखने वाला नहीं था। खास बात ये भी है कि सुबह के वक्त ई-रिक्शा के बाजार में प्रवेश को रोकने और निर्धारित रूट पर उनके आवागमन को लेकर रूपरेखा तय करने के लिए टीएसआई संग यातायात पुलिस ने व्यापारी नेताओं के साथ ही मुख्य मार्गों पर भ्रमण किया, लेकिन दोपहर में जब जाम लगा तो कोई नहीं दिखा। फिलहाल जाम की समस्या शहरवासियों के लिए मुसीबत बन चुकी है। शहर की मुख्य सड़कों पर कुछ इस तरह से बदतर हालात बने दिखाई दिए।

जेपी रोड पर दुकानों के आगे अतिक्रमण और ई-रिक्शा से लगा जाम। ● अमृत विचार

जाटो चौराहा

बरेली गेट चौराहा से लकड़ी मंडी को जाने वाले मार्ग पर स्थित जाटो चौराहा पर भी दिन में कई बार जाम लगा। दोपहर के वक्त आमने-सामने चार पहिया वाहन आने के बाद हालात ऐसे बिगड़े कि अन्य राहगीरों की मुसीबत बन गई। कुछ ही देर में लंबी कतार वाहनों की लग गई। यहां पर भी अतिक्रमण के साथ ही बेतरतीब तरीके से वाहनों की पार्किंग व आवाजाही जाम की वजह बनी रही।

जेपी रोड

शहर के मुख्य जेपी रोड पर दिन में कई बार जाम लगा। एक तरफ यातायात पुलिस जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए सुबह भ्रमण कर चुकी थी। वहीं, दूसरी तरफ इस मार्ग पर नो एंट्री के बावजूद ई-रिक्शा का प्रवेश जारी रहा। दुकानों के बाहर सामान फुटपाथ पर सजा था। बेतरतीब बाइकें खड़ी हुई थी और जाम लगने पर हालात बदतर होते रहे।

● अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने डीएम को सौंपा था ज्ञापन, नहीं हुआ समाधान

सुनगढ़ी थाना गेट

रेलवे स्टेशन रोडपर सुनगढ़ी थाना गेट पर शायद ही ऐसा कोई दिन हो जब दोपहर के वक्त कई बार भीषण जाम न लगे। यहां पर होटल व अन्य प्रतिष्ठानों के बाहर चार पहिया वाहन फुटपाथ और सड़क घेरकर खड़े कर दिए जाते हैं। अव्यवस्था के चलते गुरुवार को भी कई बार जाम लगा और स्कूली बच्चे, कामकाज को निकले राहगीर फंस गए। पुलिस की गाड़ी फंसी तो कुछसिपाहियों ने जरुर उतरकर मशक्कत की लेकिन विभागीय गाड़ी निकलने के बाद वह भी निकल गए।

गांधी स्टेडियम रोड

गांधी स्टेडियम रोड का हाल तो और बदतर बन चुका है। बीते कुछ साल में इस मार्ग को नो पार्किंग जोन घोषित कर दिया गया था। यहांपर निजी अस्पताल बैंक समेत अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठान हैं। खास बात है कि अधिकांश के पास पार्किंग के लिए कोई जगह नहीं है। सड़क पर अतिक्रमण के बीच बेतरतीब वाहनों की पार्किंग समस्या बनी रहती है। गुरुवार को यहां पर भी कई बार जाम लगा, लेकिन इसे खुलवाने के लिए कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं दिखा। राहगीरों का बस इतना ही कहना था कि रोज का जाम हो चुका है, कोई सुनने वाला नहीं है।

निजी स्कूल में चल रही कमीशनबाजी भाकियू ने की कार्रवाई करने की मांग

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन की पंचायत गुरुवार को ब्लॉक परिसर में हुई। जिसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर विचार विमर्श कर ज्ञापन सौंपा गया। जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्यारेलाल वर्मा ने कहा कि बेमौसम बारिश के कारण किसानों का गेहूं बर्बाद हुआ।

इसका सर्वे कराकर जल्द नुकसान का मुआवजा दिलाया जाए। प्राइवेट स्कूलों में यूनिफॉर्म, किताबों पर बड़ी संख्या में कमीशनबाजी चल रही है। जिससे अभिभावको पर बोझ पड़ रहा है। इसकी जांच कराकर कार्रवाई की मांग की गई।

मंडल उपाध्यक्ष नरेश मिश्रा ने कहा कि छुट्टा पशु किसानों की फसलों को क्षति पहुंचा रहे हैं। उन्हें पकड़वाकर गोशाला भिजवाया जाए। ब्लॉक अध्यक्ष पूरनलाल वर्मा ने कहा कि पूरे ब्लॉक क्षेत्र में सफाईकर्मी मनमानी कर रहे हैं। इसकी जांच कराई जाए। महिला विंग ब्लॉक अध्यक्ष जयश्री देवी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पूरे ब्लॉक क्षेत्र में पोषाहार नहीं बांटा जा रहा है।

सीधे कालाबाजारी की जा रही है। केंद्रो की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर प्रसादी लाल, त्रिलोक, राजपाल आदि मौजूद रहे।

ब्लॉक परिसर में पंचायत करते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

● अन्य कई बिंदुओं पर भी किसान नेताओं ने पंचायत कर सौंपा ज्ञापन

बास्केटबॉल संघ की बैठक संपन्न

पीलीभीत, अमृत विचार : जिला बास्केटबॉल संघ की वार्षिक सामान्य बैठक गुरुवार को बेन-हर पब्लिक स्कूल में हुई। इसकी अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष डॉ. परविंदर सिंह सैहमी ने की।

बैठक में आगामी उत्तर प्रदेश यूथ स्टेट अंडर-16 बास्केटबॉल प्रतियोगिता को पीलीभीत में आयोजित कराने पर विस्तृत चर्चा की गई। यह प्रतियोगिता जून 2026 के पहले सप्ताह में आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेश के सभी 75 जिलों की बालक एवं बालिका टीमों के बीच मुकाबला होगा। नए सदस्यों को संघ में शामिल किया गया। जिसमें जयदीप सिंह, रमनदीप सिंह और जगजीत सिंह रहे। मनोज भास्कर एवं राजेंद्र मौर्य को संयुक्त सचिव, कमल खोलिया को टेक्निकल कमिटी का चेयरमैन नियुक्त किया गया। इस मौके पर देव सिंह, गुरसेवक सिंह, जसदीप कौर, अमन सिंह, नरेंद्र कुमार मौर्य आदि मौजूद रहे।

टांडा विजैसी गांव के किसानों ने बताई क्रॉसिंग बंद होने से उत्पन्न हो रही समस्या

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : ग्राम टांडा विजैसी के किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को मझोला पहुंचकर राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल से मुलकाात कर समस्याओं से जुड़ा मांग पत्र सौंपा।

इस दौरान बताया कि गांव के पास रेलवे क्रॉसिंग के बंद होने से दूसरी ओर गुजर बसर कर रही बड़ी संख्या में आबादी के समक्ष समस्या खड़ी हो गई है। मुख्यमार्ग से मात्र 50 मीटर दूर बैठे लोगों को मुख्य मार्ग तक आने के लिए दो किमी घूमकर आना पड़ रहा है। बच्चों को स्कूल जाने और मरीजों को अस्पताल ले जाने में दिक्कत हो रही है।

आग्रह किया कि इस रेलवे क्रॉसिंग पर अंडर पास बनाकर समस्या का हल कराया जा सकता। यह मार्ग पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत भरतपुर, गुलड़िया, न्यूरिया कॉलोनी आदि समेत दर्जनों ग्रामों तक भी जाता है। जिला प्रतिनिधि ने बताया कि प्रकरण रेलवे से जुड़ा होने के चलते केंद्रीय मंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद को अवगत कराकर समाधान कराने का आग्रह किया जा चुका है। उनके द्वारा आश्वासन भी दिया गया है। इस मौके पर बलविंदर सिंह, अनमोल सिंह, राजेंद्र पाल सिंह, हुजूर सिंह, प्रतिपाल सिंह, रिंकू सिंह आदि थे।

राज्यमंत्री के प्रतिनिधि को ज्ञापन देते किसान। ● अमृत विचार

● राज्यमंत्री के जिला प्रतिनिधि से की मुलकाात, सौंपा ज्ञापन

आंगनबाड़ी सहायिकाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

नियुक्ति पत्र सौंपते विधायक विवेक वर्मा। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचार : ब्लॉक स्थित अटल सभागार में गुरुवार को नवनियुक्त आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। बीसलपुर विधायक ने 76 सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि बाल विकास योजना के अंतर्गत महिलाओं की नियुक्ति कर सरकार रोजगार प्रदान कर रही है। बाल हित में चलाई जा रही योजनाओं के बारे में कार्यक्रम में मौजूद आंगनबाड़ी कार्यकत्री को विस्तार से बताया गया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि महिप सिंह, डीपीओ युगल किशोर सांगुड़ी, बीडीओ अमित शुक्ला, सीडीपीओ सुरभि सक्सेना आदि मौजूद रहे।

युवक से मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : गाली गलौज का विरोध करने पर युवक के साथ मारपीट की गई। बीच बचाव कराने आए उसके भाई को भी पीट दिया। भीड़ एकत्र होता देखकर आरोपी भाग गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम बारनवादा निवासी इंद्रपाल पुत्र राम भरोसे ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि सात अप्रैल को रात 10 बजे गांव के अनिल, रामबाबू, सोबरन सिंह और सूरजपाल ने उसके साथ गाली गलौज करना शुरू कर दी। विरोध किया तो आरोपियों ने उसकी पिटाई कर दी। जिससे वह घायल हो गया। बचाने आए उसके भाई के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। शोर शराबा होने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। जिस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने घायल का मेडिकल कराकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

शिक्षा का महत्व बताया और पुस्तकें वितरित कीं

जागरूकता रैली को रवाना करातीं बीएसए रोशनी सिंह। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार : उच्च प्राथमिक विद्यालय सिरसा सरदाह में स्कूल चलो अभियान के तहत दो प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय का संयुक्त रूप से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करना और शिक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना रहा।

मुख्य अतिथि बीएसए रोशनी सिंह और विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान बेलावती, क्षेत्र पंचायत सदस्य अजय कुमार रहे। बीईओ सुनील कुमार सिंह ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ की गई। विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तक वितरण किया गया। विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चे सम्मानित किए गए। बीएसए ने अन्य अतिथियों व स्टाफ संग पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक शोभना रानी, अरविंद कुमार, अर्चना शुक्ला, धर्मपाल, पूरनलाल आदि मौजूद रहे।

ट्रैक्टर चालक के खिलाफ एफआईआर

बरखेड़ा, अमृत विचार : कस्बा बीसलपुर के मोहल्ला दुर्गा प्रसाद निवासी सुरेश कुमार ने बरखेड़ा पुलिस को तहरीर देकर बताया कि तीन अप्रैल की सुबह करीब सात बजे जहानाबाद से रिश्तेदारी से उनका दामाद वीरपाल, पुत्र अतुल कुमार बाइक से बीसलपुर आ रहे थे।

दामाद वीरपाल बाइक चला रहे थे और पुत्र अतुल कुमार पीछे बैठा था। पीलीभीत बीसलपुर मार्ग पर गांव गाजीपुर मुगल के पास दामाद बाइक खड़ी करके लघुशंका करने लगे। जबकि पुत्र बाइक के पास ही खड़ा था। इस बीच ट्रैक्टर की टक्कर से अतुल घायल हो गया। एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। टैक्टर की की टक्कर से युवक घायल हो गया। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

छात्राओं ने कलेक्ट्रेट में किया शैक्षिक भ्रमण

छात्राओं से संवाद करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार : ललौरीखेड़ा ब्लॉक क्षेत्र के कंपोजिट स्कूल बरहा की छात्राओं ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर शैक्षिक भ्रमण किया। शिक्षक संतोष खरे के साथ छात्राएं पहुंची। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह से भी छात्राएं उनके कार्यालय में मिलीं।

छात्रा संजना ने डीएम से सवाल किया कि हम कलेक्टर बनना चाहते हैं तो कैसे बनें। छात्रा सोनाली ने डीएम से उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी की। छात्राओं के सवालो का जवाब सहजतापूर्ण तरीके से देते हुए डीएम ने छात्राओं की जिज्ञासा को दूर किया। डीएम ने उन्हें चॉकलेट और मिठाई खिलाई। शिक्षक ने डीएम से आग्रह किया कि स्कूल में छात्र-छात्राओं की संख्या अधिक है। स्कूल परिसर के पीछे खाली पड़ी भूमि को स्कूल के नाम करा दिया जाए तो बच्चों के बैठने और शिक्षा के लिए उपयुक्त होगा। इस पर डीएम ने आश्वासन दिया।

विवाहिता को पीटकर घर से निकाला एफआईआर दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचारः क्षेत्र के गांव पंडरी खमरिया निवासी शीतल देवी पुत्री राकेश कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 28 नवंबर 2024 को खटीमा उत्तराखंड के ग्राम अनकट निवासी राहुल पुत्र राधेरमण से हुई थी।

कुछ समस बाद ही पति राहुल, सास राम बेटी, जेठ कपिल, जेठानी पिंकी, ननद रेनू उर्फ अननू, ननदोई आकाश, ननद राखी अतिरिक्त दहेज में दस लाख रुपये, कार की मांग करने लगे। इसके पूरा न होने पर प्रताड़ित किया। 29 मार्च को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

खेती किसानी

अधिकारियों ने अवैध भंडारण रोकने के लिए पांच तहसीलों में उड़नदस्तों का किया गठन

गेहूं खरीद में लापरवाही करने पर नपेंगे अफसर, 1.15 लाख मीट्रिक टन लक्ष्य

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जनपद में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत गेहूं खरीद को पारदर्शी बनाने और किसानों को बिचौलियों के चंगुल से बचाने के लिए डीएम ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। गेहूं खरीद को लेकर छह क्रय एजेंसियों को 1,15,500 मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वहीं राइस मिलों में गेहूं के अवैध भंडारण और डिस्ट्रेस सेल को रोकने के लिए पांचों तहसीलों में विशेष जांच टीमों का गठन कर दिया गया है।

शासन के निर्देशानुसार जनपद में बीते 30 मार्च से 125 क्रय केंद्रों के माध्यम से गेहूं खरीद शुरू की गई है। जनपद में गेहूं खरीद का 1,15500 मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें खाद्य विभाग को 30 केंद्रों पर 30000 मीट्रिक टन का सर्वाधिक लक्ष्य दिया गया है। इसके अलावा पीसीएफ को 20000, यूपीएसएस एवं पीसीयू को 25000-25000, भारतीय खाद्य निगम को 7000 और नैफेड को 8500 मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य दिया गया है। इधर गेहूं खरीद को पारदर्शी बनाने और किसानों को बिचौलियों के चंगुल से बचाने के लिए प्रशासन ने तैयारी पूरी कर ली है। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने जनपद की प्रमुख मंडियों के लिए तीन नोडल अधिकारियों की तैनाती के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के तहत सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर को पीलीभी मंडी समिति की शहर स्थित मंडी समिति में पहुंचकर गेहूं खरीद का जायजा लिया। मंडी समिति में विभिन्न क्रय एजेंसियों के 26 क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट को एक क्रय केंद्र पर खरीद होते मिली। इस दौरान उन्होंने किसान से भी वार्ता की और क्रय केंद्रों पर मिलने वाली सुविधाओं के बाबत जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने अन्य क्रय केंद्रों का भी जायजा लिया। निरीक्षण के बाद उन्होंने बताया कि गेहूं खरीद तेजी से शुरू हो चुकी है। सभी क्रय केंद्रों पर पर्याप्त व्यवस्थाएं हैं। कुछ केंद्रों पर बारदाने की समस्या मिलने पर संबंधितों को जल्द बारदाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

अभिलेख की जांच करते सिटी मजिस्ट्रेट।

राइस मिलों पर पैनी नजर, तहसीलवार गठित हुईं टीमें

किसानों का गेहूं औने-पौने दाम पर राइस मिलर्स न खरीद सकें, इसको लेकर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने तहसील सदर, अमरिया, पूरनपुर, कलीनगर एवं तहसील बीसलपुर में विशेष टीमों का गठन किया है। इन टीमों में नायब तहसीलदार, मंडी सचिव, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी और राज्यकर अधिकारियों को शामिल किया गया है। गठित टीमें राइस मिलों और भंडारण स्थलों पर औचक छापेमारी करेंगी। इन टीमों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि यदि कहीं अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए डीएम को अवगत कराएं।

नीलामी की कराई जाएगी वीडियोग्राफी

मंडी समिति में चल रही गेहूं खरीद में पारदर्शिता लाने के लिए कड़े आदेश दिए गए हैं। इसके तहत मंडी समितियों में गेहूं की नीलामी पूर्वान्ह 11 बजे से दोपहर 02 बजे के बीच दो बार खुली बोली के माध्यम से होगी। इस पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाएगी ताकि व्यापारियों और क्रय केंद्र प्रभारियों के बीच किसी भी प्रकार के गठजोड़ की गुंजाइश न रहे।

> शासन की मंशा के अनुरूप किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाना हमारी प्राथमिकता है। गेहूं खरीद के लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति के निर्देश दिए गए हैं। यदि किसी राइस मिल में अवैध भंडारण पाया गया या किसान को कम दाम पर फसल बेचने को मजबूर किया गया, तो संबंधित के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पूरी खरीद प्रक्रिया पर पैनी नजर रखी जा रही है। – **ज्ञानेंद्र सिंह**, जिलाधिकारी

शहर में आज

- शाही जामा मस्जिद में जुमे की नमाज दोपहर 1.30 बजे
- जिलेभर में दस्तक अभियान की शुरुआत सुबह 10 बजे।
- मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरुकता कार्यक्रम सुबह 09 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

बीसलपुर मार्ग पर पिकअप ने कारों को मारी टक्कर

बरखेड़ा, अमृत विचार : पीलीभीत बीसलपुर मार्ग पर बरखेड़ा कस्बे में एक पिकअप ने मकान के बाहर खड़ी गाड़ियों को टक्कर मार दी। पिकअप में स्टील के एंगिल लदे हुए थे। हादसा बुधवार देर रात चालक को झपकी आने की वजह से हुआ। जिसमें करीब तीन कारें क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर लगने की आवाज पर लोग जाग गए। इसके बाद पिकअप चालक को पकड़ लिया और पुलिस के सुपुर्द कर दिया। गुरुवार को दोनों पक्षों के बीच सुलह की वार्ता चलती रही। इस दौरान सुलह की चर्चाएं चलती रही।

बरात देखने गई युवती को ले गया युवक एफआईआर दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 20 वर्षीय बहन पांच अप्रैल को घर से निकलकर मोहल्ले में आई बरात को देखने गई थी। उसे कोई फुसला कर ले गया। अनहोनी की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पकड़िया ताल्लुके उमरिया गांव में खेत पर गई महिला पर हमला

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव पकड़िया ताल्लुके उमरिया निवासी मनोरमा पत्नी बलराम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि आठ अप्रैल को खेत पर गेहूं की कटाई कर रही थी। तभी गांव के इंद्र प्रकाश, गुड्डी देवी ने लाठी डंडों से हमला कर दिया जिससे उसके खुली व गुम चोटें आई है। किसी तरह पास के खेत में काम कर रही लक्ष्मी देवी ने आकर उसे बचाया। इसके बाद हमलावर शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये। पुलिस ने हमलावरों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

छुट्टा पशुओं से लोग परेशान

पीलीभीत, अमृत विचार : शहर से लेकर देहात तक छुट्टा पशुओं से लोग परेशान है। लोगों ने इन पशुओं को गोशाला भिजवाने की मांग की है।

होटल में गैस कंपनी के इंजीनियर की मौत, जहर खाने का अंदेशा

सुनगढ़ी में छतरी चौराहा के पास हुई घटना, बरेली के हाफिजगंज का था दीपांशु

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : संदिग्ध परिस्थितियों में गैस कंपनी के इंजीनियर की मौत हो गई। वह तीन दिन से सुनगढ़ी क्षेत्र स्थित एक होटल में ठहरे थे। जहरीला पदार्थ खाकर खुदकुशी करने की आशंका जताई जा रही है। इसके पीछे प्रेम प्रसंग को वजह माना जा रहा है। सुनगढ़ी पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की।

बरेली के थाना हाफिजगंज क्षेत्र के ग्राम योसलपुर निवासी 27 वर्षीय दीपांशु पुत्र चंद्रप्रकाश दिल्ली में एक गैस कंपनी में इंजीनियर थे। तीन दिन से वह थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के छतरी चौराहा स्थित कुमार होटल में रुके हुए थे। बुधवार रात दीपांशु की संदिग्ध परिस्थितियों में हालत बिगड़ गई। बताते हैं कि होटल के कमरे में उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया। इसके बाद शहर के बल्लभनगर कॉलोनी निवासी अपने एक परिचित को कॉल करके इसकी जानकारी भी दी थी। इसके बाद परिचित होटल पहुंचा और होटल कर्मचारियों को जानकारी दी। आनन फानन में होटल के कमरे से निकालकर दीपांशु को जिला अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सक ने भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया। इलाज के दौरान रात करीब 11 बजे उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर थाना सुनगढ़ी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। परिवार वाले भी आ गए। पुलिस देर रात ही होटल पहुंची और वहां पर स्टाफ से पूरे मामले की जानकारी की। कैमरे आदि भी चेक किए गए। प्रारंभिक जांच में प्रेम प्रसंग से जुड़ते हुए मामला खुदकुशी की ओर इशारा करता रहा। पहले परिवार वाले पोस्टमार्टम कराने के लिए राजी नहीं हो रहे थे। हालांकि पुलिस ने वार्ता की और फिर परिजन मान गए। इसके बाद गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। सुनगढ़ी इंस्पेक्टर नरेश त्यागी ने बताया कि परिजनों की ओर से तहरीर मिलेगी तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक जांच में प्रेम प्रसंग के चलते जहर खाकर खुदकुशी की बात प्रकाश में आई है।

होटल में जानकारी करती सुनगढ़ी पुलिस। ● अमृत विचार

मृतक दीपांशु।

- पुलिस ने होटल पहुंचकर की पड़ताल प्रेम प्रसंग में खुदकुशी की आशंका

शहर की युवती से चल रहा था प्रेम प्रसंग

मृतक के पिता चंद्रप्रकाश ने बताया कि दीपांशु ने इंजीनीयरिंग की पढ़ाई की थी। इसके बाद उसकी एक सरकारी कंपनी में नौकरी भी लग गई थी, लेकिन उसने ज्वॉइन नहीं किया था। दीपांशु का पीलीभीत की एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। वह पिछले तीन दिनों से पीलीभीत में रुका हुआ था। कॉल करने पर उसने परिजनों को काम से पीलीभीत होने की जानकारी दी थी। मगर बुधवार रात को पुलिस से बेटे की मौत होने की जानकारी मिली। इस पर पीलीभीत आ गए। वहीं, ये भी बताते हैं कि मृतक के प्रेम प्रसंग के बारे में परिवार को पूरी जानकारी थी।

विवाहिता को जिंदा जलाने की कोशिश पर एफआईआर

पीलीभीत, अमृत विचार : संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता के झुलसने के मामले में पुलिस ने पीड़िता के पिता की तहरीर पर देवर देवरानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इधर, झुलसी हुई विवाहिता का बरेली में इलाज चल रहा है।

- पिता ने दी थी जहानाबाद पुलिस को तहरीर, बरेली में चल रहा इलाज

थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के ग्राम चिड़ियादाह निवासी इदरीश अंसारी ने थाना जहानाबाद में तहरीर देकर बताया कि उसने अपनी पुत्री सीमा अंसारी की शादी करीब 10 साल पहले जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम बिसेन निवासी आसिफ से की थी। आरोप है कि शादी के बाद से ससुराल पक्ष के देवर और देवरानी उससे रंजिश रखते हैं। बुधवार सुबह सीमा का पति आसिफ ट्रैक्टर लेकर खेत पर काम करने गया था। घर में सीमा अकेली थी। इस दौरान देवर अफरोज उर्फ आजम और देवरानी दरकश ने सीमा के ऊपर डीजल डालकर आग लगा दी। उसे गंभीर हालत में बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराया है। इंस्पेक्टर जहानाबाद प्रदीप कुमार बिश्नोई ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

निरीक्षण में कमियां, 7 सफाई कर्मचारियों का रोका वेतन

निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन का निरीक्षण करते डीपीआरओ रोहित भारती।

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डीपीआरओ ने ललौरीखेड़ा की तीन ग्राम पंचायतों का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

अमृत विचार : डीपीआरओ को ललौरी ब्लाक की तीन ग्राम पंचायतों के निरीक्षण के दौरान तमाम कमियां मिली। पंचायतों में बेहतर साफ सफाई न मिलने पर उन्होंने संबंधित सचिवों व सफाईकर्मियों से कड़ी नाराजगी जताते हुए सात सफाई कर्मियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं।

जनपद में संचारी रोगों पर लगाम कसने के लिए संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है। गांवों में विशेष सफाई अभियान चलाते हुए साफ-सफाई के साथ फॉगिंग एवं एंटी लार्वा का छिड़काव कराने के निर्देश दिए गए हैं। इधर गुरुवार को डीपीआरओ रोहित भारती ने ललौरीखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत खमरिया पुल, ऐमी एवं डंडिया भिसौडी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गांवों में नालियों की सफाई व्यवस्था लचर पाई गई। कई स्थानों पर गंदगी के ढेर मिले। जिस पर डीपीआरओ ने सचिवों प सफाई कर्मियों से खासी नाराजगी जताई। उन्होंने मौके पर मौजूद ग्राम प्रधानों, सचिवों और सफाई कर्मचारियों को अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाने के निर्देश दिए। सफाई कार्य में लापरवाही और उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने पर डीपीआरओ ने बीसलपुर ब्लॉक के सफाई कर्मी अजय राठौर, मरौरी के राम किशोर, सुदीप धमन, प्रेम शंकर, आकांक्षा वर्मा व बरखेड़ा ब्लॉक के मनोज का अप्रैल माह का वेतन अग्रिम आदेशों तक रोकने के निर्देश दिए।

कुछ घंटे बाद ही खुल गए सील अल्ट्रासाउंड सेंटर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- रेडियोलॉजिस्ट के बिना संचालन पर दो सेंटर किए गए थे सील

अमृत विचार : पूरनपुर में अधोमानक मिले दो अल्ट्रासाउंड सेंटरों को सील कर दिया गया था। आरोप था कि दोनों सेंटर बिना रेडियोलॉजिस्ट के संचालित हो रहे थे। मगर अचानक गुरुवार को दोनों सेंटरों की सील खोल दी गई। ऐसे में अब कार्रवाई पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

बता दें कि पूरनपुर नगर क्षेत्र में मंगलवार को सीएचसी अधीक्षक डॉ. मनीष राज शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग की टीम और नायब तहसीलदार ऋषिकांत दीक्षित के साथ नगर के अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर छापेमारी की थी। जांच के दौरान बालाजी अल्ट्रासाउंड सेंटर और उत्तम अल्ट्रासाउंड सेंटर पर कोई अधिकृत रेडियोलॉजिस्ट मौजूद नहीं मिला। वहां टेक्नीशियन ही मरीजों का अल्ट्रासाउंड करते पाए गए। मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ और पीसीपीएनडीटी एक्ट के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने दोनों सेंटरों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया था।

साथ ही संचालकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था। कार्रवाई के बाद यह माना जा रहा था कि आगे सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे। लेकिन गुरुवार सुबह सीएचसी अधीक्षक डॉ. मनीष राज शर्मा ने दोनों सेंटरों की सील खोल दी गई है। बताया जा रहा है कि दोनों सेंटरों को खोलने के लिए सीएमओ ने आदेश दिए थे। मगर सीएमओ का तर्क है कि वह दो दिन से जिले में नहीं थे। इसलिए जांच कर रहे हैं। सीएमओ डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि सेंटरों की सील खोलने के कारणों की विस्तृत जांच कराई जाएगी।

व्यापारी के मकान में लगी आग सामान जला

पीलीभीत, अमृत विचार: व्यापारी के मकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। हादसे में काफी सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने आग पर काबू किया। हादसे में भारी नुकसान की बात कहीं जा रही है। टीम इसका आंकलन कर रही है। हादसा शहर के सुरभि कालोनी के रहने वाले व्यापारी अमनदीप सिंह जॉली के घर हुआ। उनकी चावला चौराहा के पास इलेक्ट्रानिक की दुकान है। वह व्यापार मंडल युवा विंग के जिलाध्यक्ष भी रहे है। बताते है कि गुरुवार देर शाम वह बाहर थे। पीछे की तरफ किरायेदार रहते है। अन्य परिजन भी घर पर नहीं थे।इसी बीच शॉर्ट शर्किट से घर में आग लग गई, जोकि कुछ ही देर में भीषण हो गई। सूचना मिलने पर दमकल टीम पहुंची और बमुश्किल आग पर काबू किया। आग से हुए नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

संदिग्ध हालात में बुजुर्ग की मौत, बिसरा सुरक्षित

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार : संदिग्ध परिस्थितियों में मारपीट में घायल हुए वृद्ध की मौत हो गई। परिवार वालों ने पूर्व में हुई मारपीट के दौरान आई चोटों से मौत होने की बात कही। बीसलपुर कोतवाली पुलिस शव पोस्टमार्टम को भेज जांच कर रही है।

घटना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भदारी की है। बुधवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के ही 80 वर्षीय जगन्नाथ पुत्र मिढ़ई लाल की मौत हो गई। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। इस दौरान मृतक के भतीजे वीरपाल पुत्र रामचन्द्र ने बताया कि 7 अप्रैल को वह अपने खेत पर यूकेलिप्टिस के पेड़ कटवाने गए थे। वहां पर गांव के ही रिश्तेदार महेन्द्र पाल पुत्र नन्दलाल, सेठपाल पुत्र महेन्द्र, अरुण पुत्र रामबहादुर और आदेश पुत्र रामबहादुर ने मारपीट की। इस दौरान उनके चाचा जगन्नाथ की भी पिटाई की इर्ग थी। जिसमें उनको चोटें आई थी। परिवार ने इसी दौरान आई चोटों को मौत की वजह बताया। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि मारपीट के बाद दी गई तहरीर पर चारों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। जिसकी विवेचना दरोगा जयपाल सिंह के द्वारा की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। जिसमें मृत्यु की वजह चोट से होने नहीं आया है। जहर की आशंका जताते हुए बिसरा सुरक्षित किया गया है। मामले की जांच कराई जा रही है। परिजन ने गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार दिया है।

सूचना मिलने पर जानकारी करती पुलिस। ● अमृत विचार

- परिवार ने मारपीट में आई चोटों को वजह बताकर की कार्रवाई करने की मांग
- कोतवाली बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम भदारी में हुई घटना, पुलिस कर रही जांच

ये बताई गई विवाद की वजह

मृतक जगन्नाथ तीन भाई थे। उनके दो भाई नंदलाल और रामचंद्र की पूर्व में मौत हो चुकी है। नन्दलाल का पुत्र महेन्द्र है और रामचन्द्र के दो पुत्र रामबहादुर व वीरपाल है। जगन्नाथ के कोई संतान नहीं है। तीनो भाईयों पर 18-18 बीघा जमीन थी। जगन्नाथ की जमीन को पूर्व में जगन्नाथ बटाई पर जोतते थे। करीब तीन साल पूर्व सुनीता देवी पत्नी वीरपाल ने जगन्नाथ की पूरी जमीन का अपने नाम बैनामा करा लिया था। उक्त भूमि के खेत की मेड़ पर ही यूकेलिप्टिस के पेड़ लगे हुये थे, जिन्हे वीरपाल बुधवार को कटवाने गए थे। इसी का विरोध महेन्द्र और वीरपाल के सगे भाई रामबहादुर ने किया था। जांच में जगन्नाथ के साइकिल से गिरने का भी पता चला। जिस पर वीरपाल ने अपनी पत्नी की तरफ से तहरीर दी थी, उसी आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन आज, घटे वोट

मतदाता सूचियों को वाहन में रखकर ले जाते कर्मचारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जनपद में अब कुल 13,50918 मतदाता, 85 हजार नए नाम जुड़े

अमृत विचार : विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के बाद जनपद की नई और अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन शुक्रवार को होने जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा फाइनल प्रकाशन किए जाने के साथ ही मतदाता सूची को सभी मतदान केंद्रों और बूथों पर चस्पा कर दिया जाएगा।

जनपद में एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले 14,67,988 मतदाता थे। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जनपद में चले विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के दौरान जांच और शुद्धिकरण के बाद अब अंतिम एवं फाइनल मतदाता सूची में 13,50,918 मतदाता रह गए हैं। अभियान के दौरान जनपद से करीब 1.17 लाख मतदाता कम हो गए हैं।

> विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराई गई है। शुद्धिकरण के बाद अब अंतिम मतदाता सूची का शुक्रवार को विधिवत प्रकाशन किया जाएगा। सभी बूथों पर मतदाता सूचियां भेज दी गई हैं। – **ज्ञानेंद्र सिंह**, डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारी

इस पूरी प्रक्रिया में कुल 2,05,893 लोगों के नाम अपात्रता या अन्य कारणों से सूची से हटाए गए हैं, जबकि 85298 नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं। इधर शुक्रवार को अंतिम एवं फाइनल मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। निर्वाचन कार्यालय से गुरुवार को सभी तहसीलों में मतदाता सूचियां भेज दी गई है।

विधानसभा वार स्थिति, सदर में सबसे ज्यादा कैंची चली

एसआईआर के बाद जारी आंकड़ों पर गौर करें तो सबसे ज्यादा नामों की कटौती सदर विधानसभा क्षेत्र में हुई है। जारी रिपोर्ट के अनुसार सदर विधानसभा में सर्वाधिक 66078 नाम काटे गए, जबकि 29296 नए मतदाताओं के नाम बढ़ाए गए। वहीं बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र में 32751 नाम सूची से बाहर हुए और 16426 नए मतदाता जोड़े गए हैं। पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र में 53541 नाम कटे और 19963 नए मतदाताओं का पंजीकरण हुआ। वहीं बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र में 53523 नाम हटाए गए और 19613 नाम बढ़ाए गए।

बारिश से प्रभावित फसलों का लिया जायजा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : जनपद में हुई बेमौसम बारिश और तेज हवा ने गेहूं फसलों को खासा नुकसान हुआ है। गुरुवार को डीएम ने न्यूरिया क्षेत्र में पहुंचकर बारिश से प्रभावित हुई गेहूं फसलों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कृषि फसलों के हुए नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए हैं।

जनपद में बीते कुछ दिनों से मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। बीते बुधवार सुबह भी तेज हवाओं के बीच बारिश हुई। इससे खेतों में खड़ी गेहूं की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है।

इससे तीन पहले भी जनपद में करीब 05 एमएम बारिश हुई है। लगातार बेमौसम बारिश व तेज हवा चलने से जनपद के कई हिस्सों में गेहूं की फसलों को नुकसान हुआ है। इधर, गुरुवार को डीएम ज्ञानेंद्र सिंह बेमौसम बारिश से तबाह हुई गेहूं फसलों को देखने के लिए निकले। इस दौरान उन्होंने न्यूरिया क्षेत्र में पहुंचकर बारिश से प्रभावित गेहूं फसल का स्थलीय निरीक्षण कर नुकसान का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि तेज हवा और जलभराव के कारण गेहूं की तैयार फसल जमीन पर बिछ गई है। इससे गेहूं उत्पादन और गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका है। डीएम ने फसलों का जायजा लेने के साथ किसानों से वार्ताकर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित लेखपालों को गेहूं फसल में हुए नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को फसल में हुए नुकसान का मुआवजा दिलाया जा सके। निरीक्षण के दौरान एसपी सुकीर्ति माधव, एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह समेत संबंधित लेखपाल आदि मौजूद रहे।

न्यूरिया क्षेत्र में गेहूं फसल को जायजा लेने के दौरान जानकारी लेते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह व एसपी सुकीर्ति माधव। ● अमृत विचार

- डीएम ने संबंधित अधिकारियों को फसल नुकसान का आकलन करने के दिए निर्देश

नाली के विवाद में दो पक्ष भिड़े, क्रॉस रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पानी के निकास को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हो गई। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच जमकर मारपीट हो गई। जिसमें दोनों के लोग मामूली रुप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने इस मामले में क्रास रिपोर्ट दर्ज की है।

थाना अमरिया क्षेत्र के ग्राम गायबोझ निवासी मीना पत्नी नमेचंद्र ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि आठ अप्रैल को सुबह 11 बजे गांव की दयावती पत्नी दुर्गाप्रसाद,विपिन पुत्र दुर्गाप्रसाद,काजल पुत्री दुर्गाप्रसाद,प्रेमपाल ने नाली की सफाई को लेकर उसके साथ गाली गलौज की। विरोध करने पर आरोपियों ने घर में घुसकर उसकी पिटाई कर दी। जान से मारने की धमकी देकर आरोपी फरार हो गए। वहीं दूसरे पक्ष की दयावत पत्नी दुर्गाप्रसाद ने भी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि पड़ोसी मीना और उसके पति नेमचंद्र ने उसे और उसकी बहू के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। जिससे वह लोग घायल हो गए। एसओ अमरिया अमित सिंह ने बताया कि बरसात में नाली के पानी के निकास को लेकर विवाद हुआ है। क्रॉस रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

बस के इंजन में लगी आग, मची खलबली

इसी स्थान पर लगी थी आग। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार : नौगवां चौराहे पर खड़ी बदायूं डिपो की रोडवेज बस के इंजन में अचानक आग लग गई। शार्ट सर्किट से आग लगने की बात कही जा रही है। इस दौरान अफरा-तफरी मची रही। हादसा गुरुवार सुबह का है। बरेली से सवारियां लेकर बस पूरनपुर गई थी। इसके बाद वापसी में बस नौगवां चौराहे पर खड़ी थी। उसमें बीस यात्री सवार थे। अचानक इंजन में शार्ट सर्किट के बाद आग लग गई। चालक और परिचालक ने यात्रियों को नीचे उतारा। फायर सिलेंडर का उपयोग कर आग पर काबू किया गया। सूचना मिलनेपर एआरएम विपुल पाराशरी ने यात्रियों को दूसरी बस से रवाना कराया।

नेपाल में बर्ड फ्लू की दस्तक से पीटीआर में अलर्ट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : पड़ोसी देश नेपाल में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद जनपद में अलर्ट किया गया है। इधर, अब बर्ड फ्लू के दृष्टिगत पीलीभीत टाइगर रिजर्व में भी अलर्ट जारी किया गया है। सीमावर्ती रेंज समेत स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों की कड़ी निगरानी शुरू की गई है। इस बाबत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर ने सभी रेंजों के क्षेत्रीय वनाधिकारियों को दिशा निर्दश जारी किए हैं।

बीते माह भारत-नेपाल सीमा से सटे नेपाल क्षेत्र में बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) की पुष्टि हुई थी। नेपाल का यह इलाका देश के सीमावर्ती जनपद महाराजगंज के समीप पड़ता है। ऐसे में नेपाल से सटे होने के कारण पीलीभीत जनपद में भी बर्ड फ्लू संक्रमण का खतरा अधिक बना हुआ है। शासन के निर्देश पर जिले में भी अलर्ट किया गया है। बर्ड फ्लू की निगरानी को लेकर16 रैपिड रिस्पांस टीमें (आरआरटी) गठित की गई है। सभी टीमें संबंधित क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मों समेत पोल्ट्री उत्पाद के आवक आदि पर पैनी नजर रखे हुए हैं। वहीं पशु चिकित्साधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मों का निरीक्षण कर रहे हैं और मुर्गे-मुर्गियों के स्वास्थ्य की जांच कर रहे हैं। इसके साथ ही विभिन्न पोल्ट्री फार्मों से टीमें सैंपल एकत्र कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजकर जांच करवा रही है। फिलहाल अभी तक जनपद में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। इधर अब बर्ड फ्लू के दृष्टिगत पीलीभीत टाइगर रिजर्व में भी अलर्ट जारी किया गया है। इसके तहत पीलीभीत टाइगर रिजर्व के उन वन क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है, जो नेपाल सीमा से सटे हुए हैं। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने सभी रेंजों के क्षेत्रीय वनाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे जल स्रोतों पर आने वाले प्रवासी और स्थानीय पक्षियों की कड़ाई से निगरानी करें। दरअसल बीते अप्रैल को डीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद टाइगर रिजर्व प्रशासन ने कमर कस ली है। आशंका जताई जा रही है कि नेपाल में फैला संक्रमण सीमावर्ती जल स्रोतों के माध्यम से यहां भी फैल सकता है। इसके लिए माला, महोफ, बराही, हरीपुर और दियोरिया रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं।

ये जारी किए गए दिशा निर्देश

- प्रवासी व स्थानीय पक्षियों वाले जल स्रोतों को चिन्हित कर निगरानी की जाए।
- प्रवासी और स्थानीय पक्षियों की आवाजाही और संदिग्ध मौत का आंकड़ा जुटाया जाए।
- यदि कोई मृत पक्षी मिलता है, तो उसे तत्काल ट्रैप कर सूचना मुख्यालय को दी जाए।
- मृत पक्षियों का पोस्टमार्टम नजदीकी पशु चिकित्साधिकारी से कराकर सूचित किया जाए

- सीमावर्ती रेंजों में स्थानीय और प्रवासी पक्षियों की निगरानी करने के दिए निर्देश

> नेपाल में बर्ड फ्लू के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए पीटीआर में अलर्ट जारी किया गया है। सभी रेंज अधिकारियों को जल स्रोतों की निगरानी और पक्षियों की संदिग्ध मृत्यु पर तत्काल रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। हम एहतियात के तौर पर पूरी सावधानी बरत रहे हैं ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। – **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री के आने की भनक पर तैयारी तेज

पीलीभीत, अमृत विचार : मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को लेकर जनपद में तैयारियां तेज कर दी गई है। लखीमपुर में 11 अप्रैल को मुख्यमंत्री का कार्यक्रम तय है। इसी दिन पीलीभीत आयेंगे या किसी और दिन.. इसे लेकर अभी सरकारी कार्यक्रम नहीं आया है। मगर, युद्धस्तर पर काम चल रहा है। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने आदेश जारी क्या है जिसमें बताया है कि सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम न्यूरिया कालोनी में भ्रमण प्रस्तावित है। इसको लेकर सभास्थल, हेलीपैड, पार्किंग स्थल का चिन्हांकन किया जाना है। एडीएम वित्त, सीओ सदर, एसडीएम सदर, पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड, एआरटीओ, बीडीओ मरोरी को निर्देश दिए है कि संयुक्त रूप से भ्रमण कर व्यवस्था सुनिश्चित करें। इसके बाद अवगत भी कराएं।

लूट के दो आरोपियों को ले गई एसओजी

खुटार, अमृत विचार : गुरुवार शाम सात बजे के करीब खुटार के गांव रजमना में रहने वाले लोग कामकाज में व्यस्त थे। तभी दो युवक खुटार की ओर से दौड़ते हुए गांव में स्थित सरकारी स्कूल में आकर घुस गए। दोनों के पीछे चार-पांच लग्जरी गाड़ियां भी फर्राटे भरती हुई पहुंच गई। गांव के लोग कुछ समझ पाते इससे पहले ही गाड़ियों से उतरे असलहाधारी लोगों ने स्कूल को चारों ओर से घेर लिया और उसमें घुसे दोनों युवकों को पकड़कर गाड़ी में बैठा लिया। पता चला कि गाड़ियों से आए असलहाधारी पीलीभीत जिले की एसओजी टीम के सदस्य हैं और पकड़े गए दोनों युवक लुटेरे हैं। टीम पकड़े गए दोनों युवकों को गाड़ी में बिठाकर ले गई है।

आवास दिलाने का झांसा देकर की ठगी

जैतपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के बझेड़ा भगवानपुर गांव निवासी सुनील कुमार ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि आलमपुर का एक सफाईकर्मी उनके गांव में तैनात है, जिससे करीब एक वर्ष पहले ब्लॉक में पहचान होने का दावा कर उनसे पैसे लिए थे, लेकिन आवास सूची में नाम नहीं आया और निर्माण भी नहीं हुआ। पैसे मांगने पर आरोपी बहाने बनाने लगा और देने से इंकार कर दिया। आरोप है कि रुपये मांगने पर गाली-गलौज और धमकी दी गई। थाना प्रभारी प्रिंस शर्मा ने बताया कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

...तो अच्छे लग रहे मातहतों पर लगे संगीन आरोपों के दाग, इसीलिए तो नहीं अधर में जांच

एंटी करप्शन की टीम के द्वारा रिश्वत लेते रंगेहाथ धरा गया था न्यूनतम वेतनकर्मी संजीव कुमार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : रिश्वतखोरी से जुड़े आरोप हो या फिर आधी अधूरी तैयारी से शिकारियों को पकड़ने के लिए दी गई दबिश, या फिर अन्य कोई मामला। वन विभाग के अधिकारियों की ओर से जांच के लिए टीमें तो गठित कर दी गई, लेकिन संगीन आरोपों में घिरे मातहतों पर लंबे समय बाद भी एक्शन नहीं लिया जा सका है। मानों जिम्मेदारों को मातहतों के दामन पर लगे दाग अच्छे लग रहे हो। आलम ये है कि एक मामले में तो पुलिस की विवेचना पूरी होकर चार्जशीट भी दाखिल हो गई। मगर, विभागीय स्तर पर शुरू कराई गई जांच गुम है।

बता दें कि ग्राम पिपरिया संतोष के रहने वाले फैयाज मलिक पुत्र नियामतुल्ला ने 21 फरवरी को भ्रष्टाचार निवारण संगठन बरेली में शिकायत की थी। इसमें बताया था कि उसकी 12 टायरा गाड़ी है। टनकपुर से पूरनपुर तक मोरिंग गिट्टी उसी से लाई जाती है। एक माह में गाड़ी 25 चक्कर लगाती है। आरोप था कि वन दरोगा सुरेंद्र गौतम के कहने पर प्रति चक्कर पीटीआर के चूका चेक पोस्ट पर मौजूद स्टाफ 600 रुपये के हिसाब से वसूली करता है। 26 फरवरी को बरेली से पहुंची एंटी करप्शन की टीम ने पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते न्यूनतम वेतनकर्मी संजीव कुमार को पकड़कर जेल भेज दिया था। माधोटांडा थाने में एंटी करप्शन के ट्रैप टीम के प्रभारी निरीक्षक प्रवीण सान्याल की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसकी विवेचना एंटी करप्शन द्वारा की जा रही है। इस प्रकरण से विभाग की छवि धूमिल हुई। ऐसे में वन दरोगा पर लगे गंभीर आरोपों के बाद सख्ती के दावे किए गए। संबंधित वन दरोगा को चेक पोस्ट से हटाने के साथ ही पूरे प्रकरण की जांच को टीम बनाई गई। उप प्रभागीय वनाधिकारी माला रेंज रुद्र प्रताप सिंह के निर्देशन में तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया था। जिसमें क्षेत्रीय वनाधिकारी माला रॉबिन कुमार सिंह, क्षेत्रीय वनाधिकारी अरुण मोहन श्रीवास्तव को भी शामिल किया था। तीन दिन के भीतर संयुक्त जांच रिपोर्ट मांगी गई थी। मगर, 42 दिन बाद भी रिश्वतखोरी से जुड़े गंभीर मामले में कोई एक्शन नहीं हो सका है। इतना ही नहीं अभी तक जांच भी पूरी नहीं हो सकी है। इससे पहले भी वाहनों से कथित वसूली से जुड़ता एक मामला उजागर हुआ था। बीते साल 18 दिसंबर को बराही रेंज के सिमरा वन चौकी क्षेत्र में पशुओं से लदी एक गाड़ी को वनरक्षक ने रोका और आरोप लगे थे कि वन दरोगा ने पकड़े गए वाहन को भगा दिया। इसकी सूचना वन रक्षक ने अधिकारियों को दी थी और फिर वन दरोगा ने खुदकुशी की कोशिश तक की थी। उस मामले में भी जांच के निर्देश दिए गए थे।

पीटीआर की चूका चेक पोस्ट पर टीम ने की थी कार्रवाई

> एंटी करप्शन टीम द्वारा वन विभाग की चेक पोस्ट पर एक कर्मी को रिश्वत लेते पकड़े जाने के बाद मुकदमा दर्ज कराया था। उसकी विवेचना एंटी करप्शन टीम को ही स्थानांतरित हो गई थी। वह मामला अभी विचाराधीन है। पूर्व में वन दरोगा की ओर से टीम पर हमला करने की दर्ज कराई गई रिपोर्ट में चार्जशीट तीन आरोपियों के खिलाफ पूर्व में ही दाखिल की जा चुकी है। – **अशोक पाल, इंस्पेक्टर माधोटांडा**

> वसूली के मामले में वन दरोगा के खिलाफ जांच अभी पूरी नहीं हो सकी है। घटना के बाद से पहले वन दरोगा गायब रहा और फिर उसके द्वारा मेडिकल भेज दिया गया है। जिसकी वजह से जांच पूरी नहीं हो सकी है। – **मनीष सिंह, डिप्टी डायरेक्टर, पीटीआर**

पुलिस लगा चुकी चार्जशीट, विभाग की जांच गुम

बता दें कि कलीनगर तहसील क्षेत्र के नगरिया कट इलाके में पीलीभीत टाइगर रिजर्व की बराही रेंज के अंतर्गत कट बुझिया के जंगल से निकला एक तेंदुआ 26 सितंबर को शिकारियों के लगाए गए फंदे में फंस गया था। उसे ट्रैंक्यूलाइज कर रेस्क्यू किया गया था। उसी दिन तेंदुए की मौत हो गई थी। पहले विभागीय जिम्मेदार शिकारियों की दस्तक से इनकार कर रहे थे। दूसरे दिन 27 सितंबर को वन विभाग ने केस काटा था। जिसमें गभिया सहराई गांव निवासी भीम हलधर, प्रभास मंडल, तारक राय, दुलाल मंडल, नगरिया खुर्द गांव निवासी गोपाल बाला और हरिश्चंद्र गार्डन को आरोपी बनाया गया था। बताते हैं कि इसी केस में आरोपी भीम हलधर को पकड़ने के लिए वन दरोगा शिवम कुमार की अगुआई में टीम ने दबिश दी थी और जमा हुई भीड़ ने वनकर्मियों की बंधक बनाकर पिटाई कर दी थी। इस दबिश में लापरवाही के आरोप लगे। कुछ आरोपियों को शातिर शिकारी बताया गया था, लेकिन जब दबिश दी गई तो न तो अधिकारियों को सूचित किया था न ही कोई पुख्ता तैयारी रही। वन दरोगा की ओर से एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी। जिसमें 16 नामजद और 15 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इसकी विवेचना पुलिस पूरी कर चुकी है और तीन तीन आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई। बकाया की नामजदगी के साक्ष्य नहीं मिल सके। इस मामले में भी विभागीय स्तर पर लापरवाही को लेकर जांच के निर्देश दिए गए थे, लेकिन उसमें भी कोई ठोस एक्शन नहीं हो सका।

कार्रवाई : लापरवाही पर 97 सचिवों का वेतन रोका

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- फैमिली आईडी बनवाने में लापरवाही करने पर सीडीओ ने की कार्रवाई
- लक्ष्य के सापेक्ष महज 75 फीसदी लोगों की ही बन सकी फैमिली आईडी

अमृत विचार : सरकारी योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने के लिए सरकार की प्राथमिकता वाली फैमिली आईडी योजना में लापरवाही बरतना सचिवों को भारी पड़ गया। जनपद में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति खराब मिलने परसीडीओ ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने जनपद के सात ब्लॉकों में तैनात सभी 97 पंचायत सचिवों का वेतन अग्रिम आदेशों तक रोक दिया है।

जिन लाभार्थियों के पास राशन कार्ड नहीं है, लेकिन वे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा, दिव्यांग पेंशन या अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं, उनके लिए फैमिली आईडी पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। इसको लेकर जिले को 1.07 लाख लोगों को फैमिली आईडी से जोड़ने का लक्ष्य मिला था। इस कार्य की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत स्तर पर सचिवों को सौंपी गई थी। हाल ही में हुई विभागीय समीक्षा में सामने आया कि जनपद में अब तक लक्ष्य के सापेक्ष केवल 75.12 प्रतिशत लोगों को ही फैमिली आईडी से जोड़ा जा सका है। सचिवों की इस लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास ने तत्काल प्रभाव से जनपद के सभी सात ब्लाकों के सभी 97 सचिवों के वेतन अग्रिम आदेशों तक रोकने के निर्देश दिए।

> फैमिली आईडी शासन की महत्वपूर्ण योजना है, ताकि पात्रों को योजनाओं का लाभ सुलभता से मिल सके। समीक्षा में सचिवों की लापरवाही सामने आई है, जिसके चलते सभी सचिवों का वेतन रोक दिया गया है। सभी को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि जल्द से जल्द शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करें, अन्यथा आगे और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। – **राजेंद्र कुमार श्रीवास**, सीडीओ

खेत की रखवाली कर रहे वृद्ध को पीटा

कलान, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम मोहनपुर कलुआपुर निवासी अमर सिंह यादव(80) ने बताया कि बुधवार रात वह खेत पर फसल की रखवाली कर रहे थे। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल वृद्ध के अनुसार मंगलवार शाम करीब 7 :30 बजे एक नाली में लघुशंका करने को लेकर आरोपी उनसे रंजिश मानने लगे थे और उसी के चलते हमला किया गया। पुलिस ने उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा है।

स्कूलों के बच्चों को मिलेंगे थाली- गिलास

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- पहले चरण में थालियों की खरीद दूसरे चरण में दिए जाएंगे गिलास
- निजी व खराब बर्तनों के इस्तेमाल पर जिम्मेदारी तय करने के निर्देश

अमृत विचार : अब परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को मिड-डे मील के लिए घर से बर्तन लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। शासन के निर्देश पर स्कूलों में ही थाली और गिलास उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे बच्चों को साफ-सुथरे बर्तनों में भोजन मिल सके।

जिले के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के लिए राहत भरी खबर है। अब बच्चों को मिड-डे मील का भोजन करने के लिए घर से बर्तन लाने की आवश्यकता नहीं होगी। बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने स्कूलों में थाली और गिलास उपलब्ध कराने के निर्देश जारी कर दिए हैं।अभी तक पीएम पोषण योजना के तहत भोजन वितरण के समय बच्चों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता था। अधिकतर बच्चे घर से बर्तन लाते थे, जबकि कई स्कूलों में उपलब्ध बर्तन जर्जर हालत में थे। हाल ही में हुए निरीक्षणों में यह स्थिति सामने आने पर उच्चाधिकारियों ने नाराजगी जताई थी। इसी के चलते अब व्यवस्था में सुधार के लिए दो चरणों में काम किया जाएगा। पहले चरण में स्कूलों को मिलने वाली कंपोजिट ग्रांट की धनराशि से थालियों की खरीद की जाएगी। इसके बाद दूसरे चरण में बच्चों के लिए गिलास खरीदे जाएंगे। बीएसए ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने विकास खंड के विद्यालयों में बर्तनों की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि किसी भी स्कूल में बच्चा निजी या खराब बर्तनों का उपयोग करता पाया गया, तो इसके लिए संबंधित प्रधानाध्यापक, इंचार्ज अध्यापक और खंड शिक्षा अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

बिलसंडा में भी पंचायत कर सौंपा गया ज्ञापन

बिलसंडा, अमृत विचार : ब्लॉक परिसर में भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने पंचायत की। इसमें गांव की समस्याओं के बारे चर्चा की गई।

बीडीओ अमित शुक्ला को तीन सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें कहा कि पात्र होने के बावजूद भी ग्रामीणों को शौचालय आवंटित नहीं हुए हैं। उनका नाम पात्रता सूची में डालकर शौचालय मुहैया कराए जाएं। सफाईकर्मचारियों के नियमित न पहुंचने का आरोप लगाया।

शक्की पति ने दांतों से चबाई पत्नी की नाक

संवाददाता, दियोरियाकलां

- दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र की घटना, घायल लखनऊ रेफर

अमृत विचार : पति की शक और नशे की आदत के चलते आए दिन होने वाले झगड़े इतना बढ़ गए कि पति ने गुस्साकर पत्नी की नाक ही दांतों से चबा डाली। बताते हैं कि नाक के आगे का हिस्सा कटकर अलग हो गया। महिला को गंभीर हालत में जिला अस्पताल से हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है। इधर, पुलिस मामला संज्ञान में आने पर आरोपी पति की तलाश में दबिश दे रही है।

घटना दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के गांव महेशापुर की है। बताते हैं कि यहां के रहने वाले अमन कुमार का अपनी पत्नी पूजा देवी से आए दिन विवाद होता रहता है। आरोप है कि अमन न सिर्फ नशा अधिक करता है, बल्कि बात-बात पर पत्नी पर शक किया करता है। इसके चलते कई बार विवाद हो चुके हैं। अभी करीब छह माह पूर्व भी उसने विवाहिता की जान लेने की कोशिश की थी। बुधवार को शराब के लिए पति ने रुपये मांगे और फिर इसी के चलते विवाद बढ़ता चला गया। आरोपी पति ने गुस्साकर पूजा के चेहरे को पकड़ लिया और फिर नाक को दांतों से चबा डाला। जिससे आगे का हिस्सा भी कटकर अगल हो गया।

विवाहिता की चीख पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। लहूलुहान हालत में विवाहिता तड़पती मिली। इसे आनन-फानन में पहले सीएचसी ले जाया गया। यहां से रेफर किए जाने पर परिजन जिला अस्पताल लाए। पुलिस भी जानकारी मिलने पर पहुंच गई। जिला अस्पताल में इलाज के बाद उसे रेफर कर दिया गया। इस पर परिजन उसे हायर सेंटर लखनऊ के लिए ले गए। एसओ दियोरियाकलां गौतम सिंह ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है।

राम केवट संवाद का प्रसंग सुन भावविभोर हुए भक्त

बिलसंडा, अमृत विचार : नगर के देवी स्थान मंदिर में आयोजित श्रीराम कथा में गुरुवार को कथा व्यास प्रेममूर्ति पंकज मिश्रा ने राम केवट संवाद का भावपूर्ण प्रसंग सुनाया।

उन्होंने कहा कि जब प्रभु श्रीराम अयोध्या के बाहर पहुंचते हैं। तब सरयू नदी पार करने को केवट प्रभु से नाव में बिठाने से पहले उनके चरण धुलने की जिद करता है।केवट कहता है कि उनकी चरण रज से जब एक पत्थर की शिला नारी बन गई, तो उसकी नाव की तो केवल लकड़ी की है। कहीं ये भी नारी रूप में आ गई तो उसकी आजीविका कैसे चलेगी। भगवान राम केवट की शर्त को मान लेते हैं और केवट अपनी पत्नी के साथ मिलके प्रभु के चरण पखारते हैं। राम केवट संवाद के प्रसंग को सुनकर भक्त भावविभोर हो उठे।

अमृत विचार
MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
NABH PRE ACCREDITED
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
8077344353 समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

शैक्षक भ्रमण पर विद्यार्थी गए नैनीताल, देखीं झीलें

पीलीभीत, अमृत विचार : स्प्रिंगडेल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के बीबीए, बीसीए के समस्त छात्र-छात्राओं ने नैनीताल का शैक्षिक भ्रमण किया। इसका उद्देश्य प्राकृतिक वातावरण में सीखने के साथ-साथ मनोरंजन और आपसी समन्वय का अवसर प्रदान करना रहा। कार्यकारी निदेशक डॉ. हेमन्त जगोता ने रवाना कराया। प्राचार्य डॉ. इलयास अहमद ने शैक्षिक भ्रमण से होने वाले लाभ बताए। प्रसिद्ध नैनी झील, भीमताल झील, नौकुचियाताल, सातताल झील की मनोहारी प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लिया। संचालन समन्वयक राजपाल ने किया। इस मौके पर अनन्या सक्सेना, अतीबा आरिफ, आदि ने सहभागिता की।

रेसिपी और प्रश्नोत्तरी का किया आयोजन

कार्यक्रम में मौजूद छात्राएं और प्रवक्ता। ● अमृत विचार

बिलसंडा, अमृत विचार : हेमपुर स्थित राजकीय महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग की ओर से प्रश्नोत्तरी और रेसिपी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. नरेंद्र कुमार बत्रा ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित करके शुरुआत कराई।

संचालन विभाग की अध्यक्ष अनुजा अग्रवाल ने किया। रेसिपी प्रतियोगिता में अत्री, हर्षिता, अनु और अनामिका प्रथम रहीं जबकि प्रश्नोत्तरी में उमा,गिरिजा और नैंसी राठौर ने बाजी मारी। इस मौके पर डॉ. सतेंद्र कुमार, डॉ. वेदप्रकाश, डॉ. दिनेश कुमार, सुरेंद्र प्रताप सिंह, अर्जुन कुमार, राजीव कुमार, अमरजीत आदि मौजूद रहे।

बिना फार्मर रजिस्ट्री अब खाद मिलेगी न बीज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जनपद में 3.14 लाख किसानों की अभी तैयार होनी है फार्मर आईडी
- 1 मई से सरकारी योजनाओं के लाभ को आईडी अनिवार्य

अमृत विचार : किसानों के बेहद जरूरी खबर है। अब बीज, उर्वरक से लेकर पीएम किसान सम्मान निधि तक का लाभ केवल उन्हीं किसानों को मिलेगा, जिनके पास फार्मर रजिस्ट्री होगी। विभागीय अफसरों के मुताबिक जनपद में अभी भी करीब 20 प्रतिशत किसान ऐसे हैं, जिन्होंने फार्मर रजिस्ट्री नहीं बनवाई हैं। ऐसे किसानों को अब विभाग ने अल्टीमेटम जारी कर दिया है।

शासन द्वारा एग्रीस्टैक योजना के तहत जनपद में फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जनपद के 3,14,397 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसके सापेक्ष अब तक करीब 80 फीसदी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनाई जा चुकी है। अभी भी करीब 20 फीसदी किसान ऐसे हैं, जिन्होंने फार्मर रजिस्ट्री तैयार नहीं कराई हैं। अब फार्मर रजिस्ट्री तैयार न कराने वाले किसानों को मुश्किलें का सामना करना पड़ सकता है। इन सभी शेष बचे किसानों को 30 अप्रैल तक का समय दिया गया है। जिला प्रशासन की ओर से फार्मर रजिस्ट्री को लेकर खासी सख्ती बरती जा रही है। इधर अब इसको लेकर कृषि और राजस्व विभाग की टीमों द्वारा अभियान चलाकर गांव-गांव जाकर किसानों की फार्मर रजिस्ट्री बनवाने में जुटी हैं। विभागीय अफसरों के मुताबिक यह विशेष कैंप अभियान 15 अप्रैल तक जारी रहेगा। वंचित किसान अपने नजदीकी कैंप में जाकर या जनसेवा केंद्रों के माध्यम से अपनी फार्मर रजिस्ट्री करा सकते हैं।

केसीसी हो या फिर क्लेम, हर जगह फार्मर आईडी जरूरी

खास बात यह है कि 01 मई के बाद बिना फार्मर रजिस्ट्री के न तो सरकारी केंद्रों पर गेहूं-धान की तौल होगी और न ही सब्सिडी पर कृषि यंत्र या कीटनाशक मिल सकेगी। अधिकारियों के मुताबिक अब उद्यान, सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य और सहकारिता विभाग की योजनाओं को भी इसी फार्मर रजिस्ट्री से लिंक कर दिया गया है। यानी किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना हो या फसल बीमा का क्लेम लेना हो, हर जगह फार्मर फार्मर की जरुरत होगी। जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार 01 मई से सभी लाभार्थीपरक योजनाओं के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य कर दी गई है। जिन किसानों ने अभी तक फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई है, वे 30 अप्रैल तक हर हाल में फार्मर रजिस्ट्री बनवा लें। इसके लिए गांवों में विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं। बिना फार्मर आईडी सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना संभव नहीं होगा।

न्यूज डायरी

विकास कार्यों में निभाएं सक्रिय भागीदारी

पीलीभीत, अमृत विचार : पूरनपुर ब्लॉक सभागार में क्षेत्र पंचायत सदस्यों और ग्राम प्रधानों की बैठक आयोजित की गई। गुरुवार दोपहर दो बजे हुई बैठक की शुरुआत ब्लॉक प्रमुख मानसी सिंह ने फीता काटकर कराई। उन्होंने विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। ग्राम पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों, स्वच्छता अभियान, पेयजल व्यवस्था, सड़क निर्माण और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए सभी जनप्रतिनिधियों का सहयोग जरूरी है। उन्होंने निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंचाया जाए।

विद्यार्थियों ने पेटिंग और नुक्कड़ नाटक से दिया स्वच्छता का संदेश

मझोला, अमृत विचार : नेहरू इंटर कॉलेज में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वच्छता का महत्व बताते हुए खुद के साथ ही दूसरों को भी जागरूक करने पर जोर दिया गया। अभिनेश कुमार ने छात्रों को पेटिंग, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया। इस मौके पर प्रधानाचार्य शोभा वर्मा, सुरेंद्र सिंह यादव, फिरोज खान समेत अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

ब्लॉक क्षेत्र के ईंटगांव में वीरांगना प्रेरणा संकुल स्तरीय बैठक संपन्न

बिलसंडा, अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र के ईंटगांव में वीरांगना प्रेरणा संकुल स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें सीएलएफ के पदाधिकारी, समूह सखी, आजीविका सखी शामिल हुए। डीएमएम प्रदीप कुमार गौतम ने सखियों को राशन कार्ड धारकों को समूह में जोड़ना, खाता खुलवाना, रिवॉल्विंग फंड, ग्राम संगठन कार्यालय समूह कार्यालय में बनाए जाने को कहा। इसके अलावा सीएलएफ के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान बीएमएम इम्तियाज अहमद भी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

मुंडन के कार्ड बांट रहे मां-बेटे को पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना खमरिया के गांव बेलवा मोती निवासी नीलू ने बताया कि उसके घर में बच्चे का मुंडन कार्यक्रम था। जिसके लिए वह गांव में कार्ड बांट रहा था। इसी दौरान गांव के ही सकटू, संतराम और प्रसादी ने पुरानी रंजिश के चलते उसे रोक लिया और गाली-गलौज कर मारपीट करने लगे। शोर सुनकर बचाने आई उसकी मां पूनम को भी आरोपियों ने नहीं छोड़ा और उसके साथ भी मारपीट की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई राम शेष यादव को सौंपी है।

पड़ोसियों ने युवक को बेरहमी से पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : कोतवाली मोहम्मदी क्षेत्र के ग्राम सरैया विलियम निवासी करमजीत सिंह ने बताया कि बुधवार की शाम करीब 6 बजे पड़ोसी मैनेजर सिंह शराब के नशे में उसे गालियां दे रहा था। जब विरोध किया, तो मामला बढ़ गया। आरोप है कि इसके बाद मैनेजर सिंह, अंग्रेज सिंह और नवजोत सिंह ने मिलकर उसकी लाठी-डंडों और लात-घूंसों से पिटाई कर दी। उसकी दाढ़ी के बाल तक उखाड़ लिए और उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घायल का मेडिकल परीक्षण कराया है।

गाली-गलौज, युवक पर ईंट-पत्थरों से हमला

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना व कस्बा भीरा के वार्ड नंबर 9 निवासी त्रिलोक सिंह ने बताया कि शाम करीब 7 बजे विपक्षी वर्मा पुत्र डल्ली ने उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि आरोपी ने घर के बाहर आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और अचानक ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। इस दौरान एक ईंट पीड़ित के पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया। पीड़ित के अनुसार, इस हमले में उसके सिर और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली।

थनिया काटने के विरोध में हुई मारपीट

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव बेहटा निवासी कुसुम देवी पत्नी राजेश कुमार ने पुलिस में दी तहरीर में कहा है कि नौ अप्रैल गुरुवार की दोपहर 12 बजे गोला नगर की लक्ष्मीनगर कॉलोनी निवासी राकेश कुमार पुत्र रामासरे, बिजेन्द्र कुमार, महेंद्र कुमार, अमन कुमार पुत्र राकेश कुमार ने उनके खेत में लगी हुई बांस की थनिया काटना चाह रहे हैं, जिसका विरोध करने पर उन लोगों ने एक राय होकर उसके पति और पुत्र अभिषेक कुमार को लात, घूसों, लाठी, डंडे से बुरी तरह मारा पीटा, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि विपक्षी अमन अवस्थी खुद को वकील होने का रौब दिखा रहा है। उन्होंने तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज किए जाने की मांग की है।

संदिग्ध हालात में चारपाई पर मिला दिव्यांग युवती का शव

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी/फूलबेहड़

- शरीर पर चोट के निशान से हत्या की आशंका

अमृत विचार: सदर कोतवाली क्षेत्र के महेवागंज चौकी के गांव सफीपुर गांव में गुरुवार सुबह दिव्यांग युवती का शव घर में चारपाई पर संदिग्ध हालत में मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

युवती छोटे भाई रंजीत के साथ रहती थी, जबकि बड़ा भाई विनोद कुमार पास में ही परिवार के साथ अलग रहता है। रंजीत के अनुसार सुबह करीब आठ बजे जब वह सोकर उठा तो उसने बहन को चारपाई पर मृत अवस्था में पाया। उसने बड़े भाई को सूचना दी। ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। युवती के शरीर पर चोट के निशान और खून के धब्बे मिलने से हत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि परिजनों ने किसी भी प्रकार की रंजिश से इंकार किया है। ग्रामीणों के मुताबिक युवती मूक-बधिर थी और दोनों पैरों से दिव्यांग थी। माता-पिता का निधन हो चुका है। हत्या की सूचना पर सीओ सिटी विवेक तिवारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और परिवार वालों व आसपास के लोगों से घटना के बारे में जानकारी ली। चौकी प्रभारी महेवागंज ने आदित्य कुमार मौर्य ने बताया कि प्रथम दृष्टया युवती के हाथों पर खरोंच के निशान मिले हैं। मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है।

निजी स्कूलों की मनमानी से महंगी हुई पढ़ाई, अभिभावक आर्थिक बोझ से परेशान

महंगी फीस और कोर्स बदलाव से बढ़ीं मुश्किलें

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: नए शैक्षिक सत्र की शुरुआत के साथ ही स्कूलों में प्रवेश प्रक्रिया तेज हो गई है। इस बीच निजी स्कूलों द्वारा बेहतर शिक्षा का दावा कर अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ाने के आरोप सामने आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि कई स्कूलों ने फीस में 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी कर दी है, वहीं कोर्स में बदलाव के नाम पर नई किताबें भी अनिवार्य कर दी गई हैं।

इस दोहरी मार से अभिभावकों की परेशानी बढ़ गई है। बावजूद इसके, बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अधिकांश अभिभावक खुलकर विरोध नहीं कर पा रहे हैं। निजी स्कूलों में हर साल की तरह इस बार भी फीस वृद्धि के साथ प्राइवेट पब्लिकेशन की महंगी किताबें लागू की गई हैं। इसके अलावा दो से तीन सेट ड्रेस अनिवार्य किए जाने से खर्च और बढ़ गया है। स्थिति यह है कि निजी स्कूलों की इस मनमानी से अभिभावक ही नहीं, बल्कि संबंधित अधिकारी भी अवगत हैं। हालांकि, अब तक न तो प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई हुई है और न ही अभिभावकों की ओर से संगठित विरोध सामने आया है।

जेब पर डाका डाल रहे निजी स्कूल : राजगढ़ निवासी रोशनी देवी ने बताया कि निजी स्कूलों में बच्चों को पढ़ाना बेहद मुश्किल है। हर साल पुस्तकें और ड्रेस से लेकर फीस को लेकर मनमानी करते हैं। निजी स्कूल अभिभावकों की मजबूरी का फायदा उठाकर जेब पर डाका डाल रहे हैं।

हर विद्यालय की अपनी दुकान

अभिभावक बताते हैं कि हर स्कूल की दुकान निर्धारित है। वहीं पर विद्यालय का कोर्स ही नहीं, ड्रेस से लेकर टाई और बेल्ट मिलती है। अन्य किसी दुकान पर न तो कोर्स मिलेगा और न ही ड्रेस आदि। बात बच्चों के कॅरिअर की होती है। इसलिए स्कूल के खिलाफ अकेले आवाज उठाना भी मुमकिन नहीं है।

सातवीं क्लास के कोर्स की कीमत 6600 से 7500 रुपये

नए शैक्षिक सत्र में स्कूलों ने फिर से कोर्स बदल दिया है। शहर दो नामी स्कूलों में कक्षा सात के कोर्स का मूल्य अलग अलग है। सातवीं कक्षा का कोर्स एक विद्यालय का जहां 7490 रुपये का है तो दूसरे विद्यालय का कोर्स 6645 का है। इनमें एक शामिल द ट्रेल-7 किताब की पुस्तक जहां 620 रुपये ही है तो वहीं रुट्स विंग इंग्लिश पुस्तक का मूल्य 599 रुपये है। एक अभिभावक ने बताया कि एलआरपी स्थित एक नामचीन विद्यालय के कोर्स में दो किताबें ही हैं, जिनका मूल्य 219 और 250 रुपये है। जबकि अन्य सभी चार से छह सौ रुपये तक हैं। इसी तरह खीरी रोड स्थित नामचीन विद्यालय के कोर्स में 190 रुपये की सिर्फ एक किताब है, दो किताबें तीन सौ के अंदर की और अन्य सभी 400 से 450 रुपये की हैं।

योजनाबद्ध लूट

अभिभावक संघ के पूर्व सदस्य दीपक पुरी कहते हैं कि निजी स्कूल लंबे समय से दुकानदारों और निजी प्रकाशकों के साथ मिलकर योजनबद्ध तरीके से अभिभावकों को लूट रहे हैं। इसी वजह से शहर की सिर्फ एक दुकान पर पुस्तकें मिल रही हैं। शिक्षा को व्यापार बनाए इन सभी स्कूलों और इनसे जुड़े हित धारकों का जिला प्रशासन को संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए।

एक की निश्चित दुकान पर कोर्स और ड्रेस का मिलना नियम विरुद्ध है। इस संबंध में यदि अभिभावक शिकायत करते हैं तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी। अभिभावकों का शोषण किसी भी दशा में नहीं होने दिया जाएगा। – **डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह**, डीआईओएस

जहरीले चावल खाकर मरे कुत्ते फिर गिद्ध

खेत में मिले जहरीले चावल के दाने, बिसरा सुरक्षित, जांच करने के लिए आरवीआरआई बरेली भेजा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- 25 गिद्धों की मौत का मामला, वन दरोगा की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज
- क्षेत्र में वन्यजीव सुरक्षा पर खड़े हुए सवाल

पोस्टमार्टम के दौरान पशु चिकित्सकों से बातचीत करती उपनिदेशक कीर्ति चौधरी।

अमृत विचार : थाना भीरा क्षेत्र के गांव सेमरिया में गिद्धों की सामूहिक मौत का मामला अब और गंभीर होता जा रहा है। शुरुआती जांच में जो आशंका जताई गई थी, अब वह मजबूत होती नजर आ रही है। वन विभाग की पड़ताल में यह संकेत मिले हैं कि जहरीले चावल के सेवन से पहले कुत्तों की मौत हुई और बाद में उन्हीं कुत्तों के शवों को खाने से 25 गिद्धों की जान चली गई। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। वन्यजीव सुरक्षा पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। वन विभाग ने पोस्टमार्टम के बाद सुरक्षित किए गए बिसरे को जांच के लिए आरवीआरआई बरेली भेजा है। उधर, वन दरोगा ने अज्ञात के खिलाफ वन्य जीव अधिनियम के तहत थाना भीरा में रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई तेज कर दी है।

मंगलवार को दोपहर करीब 2 बजे वन विभाग को सूचना मिली कि सेमरिया गांव निवासी भारत पुत्र गयादीन के खेत में बड़ी संख्या में गिद्ध मृत अवस्था में पड़े हैं। सूचना मिलते ही वन दरोगा राजदीप सिंह चौहान अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां 25 गिद्ध मृत मिले, जबकि 5 गिद्ध तड़पते हुए पाए गए। मौके पर दो कुत्तों के शव भी मिले, जिनमें एक पूरी तरह मृत और दूसरा आंशिक रूप से खाया हुआ था। घायल गिद्धों को उपचार के लिए बिजुआ पशु चिकित्सालय भेजा गया। यहां प्राथमिक इलाज के बाद वे उड़ गए। वन विभाग ने सौना गांव के पास सर्च ऑपरेशन चलाया, जिसमें एक खेत से संदिग्ध जहरीले चावल बरामद किए गए। इन्हें जांच के लिए आईवीआरआई बरेली भेजा गया है। पास ही एक और कुत्ता मृत मिला, जो आंशिक रूप से खाया हुआ था। वन विभाग के अनुसार प्रथम दृष्टया यह मामला जहरीले चावल खाने से कुत्तों की मौत और फिर उनके शव खाने से गिद्धों के मरने का प्रतीत हो रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वन दरोगा की तहरीर पर थाना भीरा में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9/51(1) के तहत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

> मेरे द्वारा घटनास्थलों का निरीक्षण किया गया है। प्रकरण की जांच गहराई से चल रही है। जो भी इसके लिए दोषी होगा जांच पूरी होने पर उसके खिलाफ कड़ी विधिक कार्रवाई की जाएगी। – **कीर्ति चौधरी**, उपनिदेशक बफरजोन दुधवा टाइगर रिजर्व

उपनिदेशक ने किया घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण

भानपुर, अमृत विचार : खेत के पास विषैले चावल मिलने से वन विभाग हरकत में आ गया है। गुरुवार को दुधवा टाइगर रिजर्व बफरजोन की उपनिदेशक कीर्ति चौधरी घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने पहले जिस खेत में गिद्धों के सामूहिक शव पड़े मिले थे। उस जगह की सघनता से जांच की। इसके बाद वह उस खेत में पहुंची, जहां जांच के दौरान वन विभाग को विषैले चावलों के दाने मिले थे। उन्होंने दोनों स्थलों का बारीकी से निरीक्षण किया। इसके बाद मातहत अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

तीन डॉक्टरों के पैनल ने किया पोस्टमार्टम

मृत गिद्धों के शवों का पोस्टमार्टम बुधवार को तीन डॉक्टरों के पैनल से किया गया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार सचान के अनुसार टीम में डॉ. अंकुर वर्मा, डॉ. राजेंद्र सिंह और डॉ. दयाशंकर शामिल रहे। प्रारंभिक जांच में कुत्तों के शवों में विषाक्त पदार्थ होने के संकेत मिले हैं। गिद्धों का विसरा और गिद्धों के दो शव विस्तृत जांच के लिए आईवीआरआई बरेली भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

डीएफओ ने दिए जांच तेज करने के निर्देश

भानपुर, अमृत विचार : सामूहिक गिद्धों की मौतों ने सूबे में खलबली मचा दी है। शासन भी प्रकृति के सफाई कर्मी माने जाने वाले गिद्धों को लेकर गंभीर हो गया है। बताते हैं कि वन राज्यमंत्री अरुण सक्सेना गुरुवार के गुरुवार को घटनास्थल आने की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, हालांकि बाद में उनका दौरा रद्द कर दिया गया। इससे पहले डीएफओ कीर्ति चौधरी ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और जांच तेज करने के निर्देश दिए। फिलहाल पुलिस और वन विभाग की टीम मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और दोषियों की तलाश जारी है। यह घटना वन्यजीव सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने देखा घटनास्थल

संवाददाता, भानपुर

अमृत विचार : सिमरिया गांव में गिद्धों की मौत को लेकर गुरुवार को आए अपर मुख्य वन संरक्षक रामकुमार ने मातहत अधिकारियों के साथ शाम को घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया। साथ ही घटना को लेकर अफसरों से भी सवाल-जवाब किए। अब तक इस मामले में उन्होंने की गई कार्रवाई की प्रगति भी जानी।

उन्होंने बताया कि मृत गिद्ध दो अलग-अलग प्रजातियों के हैं। देश में कुल नौ प्रजातियों के गिद्ध पाए जाते हैं, जिनमें से आठ प्रजातियां इस जिले में मौजूद हैं। प्रारंभिक जांच में जहरीले पदार्थ से मौत की आशंका जताई जा रही है। बताया गया कि जिस स्थान पर गिद्ध मृत मिले, वहां एक कुत्ते का शव पड़ा था, जिसे खाने के बाद गिद्धों की मौत हुई। इसी जहरीले प्रभाव से चार कुत्तों की भी मौत होने की बात सामने आई है, जिनके शव अलग-अलग स्थानों पर पाए गए।

उन्होंने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल बिसरा जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। उन्होंने यह भी कहा कि वन विभाग अब गिद्धों के संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान चलाएगा, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

उधर, कुछ लोगों का कहना है कि गिद्धों के मरने की सूचना समय से वन विभाग को मिल गई थी। बावजूद वन विभाग की टीम को महज 12 किलोमीटर की दूरी तय करने में करीब पांच घंटे लग गए। यदि टीम समय पर पहुंच जाती, तो शायद कई गिद्धों की जान बचाई जा सकती थी।

आवारा कुत्तों से त्रस्त था गांव

ग्रामीणों के मुताबिक पिछले कई महीनों से गांव में आवारा कुत्तों का आतंक बना हुआ था। ये कुत्ते हिंसक हो गए थे और अक्सर बकरियों को मार देते थे। इतना ही नहीं, राह चलते लोगों को भी दौड़ाने लगे थे, जिससे ग्रामीणों में लगातार भय का माहौल बना हुआ था। माना जा रहा है कि इसी भय के कारण किसी ने चावलों में जहरीला पदार्थ मिलाकर डाल दिया, जिससे कुत्तों की मौत हो गई। उनके शव खाने से गिद्ध भी शिकार बन गए।

ट्रांसफार्मर से उतरा करंट, बचाई बकरी की जान

संवाददाता, केशवापुर

अजान में सड़क के किनारे खुले में रखा ट्रांसफार्मर।

- अजान के ग्रामीण बोले बड़े हादसे का इंतजार कर रहे बिजली विभाग के अधिकारी

अमृत विचार: हैदराबाद पावर हाउस से जुड़े अजान कस्बे के मेन मार्केट में लगे 100 केवीए के ट्रांसफार्मर से करंट लीक होने से कस्बे में दहशत का माहौल है। गुरुवार सुबह 9 बजे एक बकरी इसके पास पहुंच गई, जिसे करंट लग गया, जिसे पास पड़ोस के दुकानदारों ने बांस के सहारे से बड़ी मुश्किल से छुड़ा उसकी जान बचाई।

दुकानदारों ध्रुव कुमार, नसीम, इबरार, रवि वर्मा, अनुज और केशव आदि ने बताया कि जमीन में नमी के चलते खंभे के आसपास करंट फैल रहा है। पिछले एक सप्ताह में कई बार मवेशी करंट की चपेट में आ चुके हैं। मेन मार्केट की लाइन पर लगे इस ट्रांसफार्मर में करंट उतरने से पूरा इलाका खतरनाक बन गया है। यहां दिन भर दुकानदारों व ग्राहकों की भारी भीड़ रहती है। ऐसे में कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों को फोन से सूचना दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

स्थानीय व्यापारियों व ग्रामीणों ने बिजली विभाग से तुरंत ट्रांसफार्मर की अर्थिंग दुरुस्त कराने और खंभे के चारों ओर सुरक्षा बैरिकेडिंग लगाने की मांग की है।

इस संबंध में जब हैदराबाद पावर हाउस के जेई अर्जुन से बात की गई तो उन्होंने कहा कि दिखवा रहा हूं। बिजली विभाग के सहायक अभियंता तृतीय अभिषेक गुप्ता ने बताया कि कर्मचारियों को भेजकर ठीक कराया जाएगा।

बछड़ा बना तेंदुए का शिकार

धौरहरा, अमृत विचार: धौरहरा वन रेंज क्षेत्र के ग्राम पंचायत धौरहरा में तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। बुधवार रात एक लावारिस बछड़े को तेंदुए ने हमला कर मार डाला।

गुरुवार सुबह जब ग्रामीण खेतों की ओर पहुंचे तो बछड़े का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला। सूचना पर पहुंचे क्षेत्रीय वनाधिकारी नृपेंद्र चतुर्वेदी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी जानकारी जुटाई। प्रारंभिक जांच में तेंदुए के हमले की पुष्टि हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से इलाके में जंगली जानवरों की गतिविधियां बढ़ गई हैं, जिससे लोग खासे दहशत में हैं। किसानों ने वन विभाग से तेंदुए को पकड़ने और इलाके में गश्त बढ़ाने की मांग की है, ताकि किसी बड़ी घटना को रोका जा सके।

हाईटेंशन तार से निकली चिंगारी से गेहूं राख

संवाददाता, बेहजम

आग से जला गेहूं का खेत। ● अमृत विचार

- बसारा गांव का मामला, गुस्साए ग्रामीणों ने जेई को बनाया बंधक
- जर्जर लाइन से परेशानी, मरम्मत शुरू होने पर जेई को छोड़ा

अमृत विचार : थाना नीमगांव की बसारा ग्राम पंचायत में गुरुवार को हाईटेंशन बिजली लाइन से निकली चिंगारी से ग्राम प्रधान किरण देवी के खेत में आग लगने से करीब एक एकड़ गेहूं और चार बीघा गन्ने की फसल जलकर नष्ट हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचे बिजली विभाग के जेई को बंधक बना लिया। ग्रामीणों ने लाइन की मरम्मत का कार्य शुरू होने पर बमुश्किल जेई को छोड़ा।

प्रधान किरण देवी के खेत से गुजर रही 11,000 की लाइन में खराबी के दौरान जम्पर तार लाइन से छू गया। इससे निकली चिंगारी गेहूं के खेत में गिर गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। ग्रामीणों ने ट्रैक्टर, रोटावेटर और स्प्रे मशीन की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रधान किरण देवी ने बताया कि आग से करीब एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है। घटना के दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को लगातार फोन किए गए, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में जर्जर बिजली लाइनें लंबे समय से समस्या बनी हुई हैं। इसी स्थान पर पिछले चार-पांच वर्षों में कई बार फसलें जल चुकी हैं, लेकिन अब तक न तो स्थायी समाधान हुआ और न ही किसानों को उचित मुआवजा मिला। सूचना पर लेखपाल अखिलेश गुप्ता मौके पर पहुंचे और नुकसान का आकलन किया। बाद में बिजली विभाग के जेई देवतादीन भी पहुंचे, जिन्होंने जर्जर लाइन को तत्काल बदलने और जहां तार नीचे झुके हैं वहां पोल लगाने का आश्वासन दिया। हालांकि ग्रामीणों ने साफ कर दिया कि जब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं होगा, तब तक जेई को नहीं छोड़ा जाएगा। करीब आधे घंटे बाद जब मौके पर काम शुरू हुआ और आश्वासन मिला, तब जाकर ग्रामीणों ने जेई को छोड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि हर साल तारों की स्पार्किंग से फसलें जलती हैं, लेकिन न मुआवजा मिलता है और न ही स्थायी समाधान। जेई देवतादीन ने बताया कि लाइन को ठीक करा दिया गया है।

पूजा करने घर से निकले युवक का सुहेली नदी में मिला शव

संवाददाता, सिंगाही

- मंगलवार से लापता गौरव सिंह की मझगईं थाने में दर्ज थी गुमशुदगी

अमृत विचार: साइकिल से पूजा करने निकले थाना व कस्बा मझगईं निवासी एक युवक का शव सुहेली नदी में मिला है। पास में ही साइकिल मिली है। युवक के नदी में कूदकर आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है।

परिजनों के अनुसार गौरव सिंह (35) मंगलवार की सुबह साइकिल से पूजा करने घर से निकला था, लेकिन लौटा नहीं। परिजनों ने तलाश की, कुछ पता न चलने पर परिजनों ने थाना मझगई में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। गुरुवार सुबह गश्त पर निकले मझगईं वन रेंज के वन कर्मियों ने सुहेली नदी में एक शव देखा तो सूचना पुलिस को दी। एसआई आशुतोष कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से शव बाहर निकलवा कर पहचान कराई। गौरव सिंह के रूप में पहचान होने पर परिजनों को सूचना दी। सूचना पर पहुंचे परिजन शव देखकर बिलख पड़े। एसआई आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि साइकिल बरामद हो गई है। प्रारंभिक जांच में अभी तक यह बात सामने आई है कि कुछ ही दिन पहले मृतक की मां का निधन हो गया था। इसके बाद से वह काफी परेशान रहता था। इससे आशंका है कि उसने नदी में कूदकर आत्महत्या की है। फिलहाल शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आगे की कार्रवाई थाना मझगईं पुलिस करेगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

आवारा कुत्तों के हमले में बकरे की मौत, एक घायल

भानपुर, अमृत विचार: भीरा वन रेंज क्षेत्र के रत्नापुर गांव में आवारा कुत्तों के हमले में एक बकरे की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना गुरुवार शाम करीब 4:30 बजे की है, जब महेंद्र कुमार और मुन्नी देवी की बकरियां खेतों में चर रही थीं। इसी दौरान आवारा कुत्तों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। हमले में महेंद्र कुमार का बकरा गंभीर रूप से घायल हो गया और कुछ ही देर में उसने दम तोड़ दिया। वहीं मुन्नी देवी का बकरा भी बुरी तरह जख्मी हो गया, जिसका इलाज कराया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। इससे पहले भी कुत्तों द्वारा बकरियों पर हमले की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे लोग भयभीत हैं।

एसपी ने चौकी, बीट इंचार्ज को किया लाइन हाजिर

संवाददाता, धौरहरा

- गुलरिया तालुके अमेठी में हिंसक विवाद में गई थी महिला की जान
- पुलिस की लापरवाही सामने आने पर एसपी ने की कार्रवाई

अमृत विचार : कोतवाली धौरहरा के गुलरिया तालुके अमेठी गांव में जमीन के विवाद को लेकर हुए खूनी संघर्ष में बुजुर्ग महिला की मौत के मामले में एसपी ख्याति गर्ग ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने लापरवाही पाए जाने पर कफारा चौकी इंचार्ज पुष्कर वर्मा और बीट इंचार्ज मोहन सिंह को लाइन हाजिर कर दिया है।

31 मार्च को गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और पथराव हुआ था। इस दौरान 70 वर्षीय अनारकली गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। उन्हें उपचार के लिए ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मामले में चार आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी, जिनमें से पुलिस ने तीन को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है। घटना के बाद कराई गई जांच में सामने आया कि स्थानीय पुलिस ने समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की, जिससे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस पर एसपी ने नाराजगी जताते हुए संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की।

एसपी ख्याति गर्ग ने चौकी इंचार्ज और बीट सिपाही को लाइन हाजिर किया है। उन्होंने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही संवेदनशील मामलों में सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए गए हैं।

लाइन के पास अवैध होर्डिंग, पालिका सख्त

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

संकटा देवी चौराहे के पास हाईटेंशन लाइन से सटाकर बनाया जा रहा होर्डिंग स्ट्रक्चर।

- बिना अनुमति कराया जा रहा होर्डिंग स्ट्रक्चर का निर्माण
- ईओ ने कोतवाल समेत उच्चाधिकारियों को भेजा पत्र

अमृत विचार : शहर के व्यस्त संकटा देवी चौराहे के पास बिना अनुमति बनाए जा रहे होर्डिंग स्ट्रक्चर पर नगर पालिका परिषद ने कड़ा रुख अपनाया है। पालिका के ईओ ने इस अवैध निर्माण पर नाराजगी जताते हुए शहर कोतवाल को पत्र लिखकर तत्काल इसे हटवाने के निर्देश दिए हैं।

भोजन कुटीर के पास बिना किसी अनुमति के होर्डिंग स्ट्रक्चर खड़ा किया जा रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसी स्थान के पास से 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन गुजर रही है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। पालिका की टीम जब मौके पर स्ट्रक्चर हटाने पहुंची तो निर्माण करा रहे व्यक्ति ने साफ इनकार कर दिया, जिससे मामला और गंभीर हो गया।

नगर पालिका परिषद के ईओ संजय कुमार ने स्पष्ट किया कि यह होर्डिंग पूरी तरह अवैध है और नगर पालिका की अनुमति के बिना लगाया जा रहा है, जो न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है बल्कि आम जनता की जान के लिए भी खतरा बन सकता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ईओ ने कोतवाल से जनहित में तत्काल कार्रवाई कर स्ट्रक्चर हटवाने की मांग की है। साथ ही एसपी, एडीएम, एसडीएम सदर और सीओ सदर को भी पत्र भेजकर मामले से अवगत कराया है।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026

फसलें सुखाते और घरों को संभालते दिखे लोग

आंधी-ओलावृष्टि की तबाही से दूसरे दिन भी नहीं उबरे किसान और ग्रामीण, ठप आपूर्ति सही करने में लगे रहे बिजली कर्मचारी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में बुधवार की शाम आंधी, बारिश और ओलावृष्टि से लोग दूसरे दिन भी नहीं उबर पाए। किसान जहां पानी में भीगी फसलों को सुखाने की कोशिश करते रहे। वहीं ग्रामीण घरों को संभालते नजर आए। पूरे जिले में क्षतिग्रस्त लाइनों को बिजली विभाग सही कराने में जुटा रहा। राहत की बात यह रही कि इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई।

तेज आंधी और बारिश के असर से शहर की बिजली व्यवस्था प्रभावित हो गई, जिसे सामान्य करने के लिए विभाग ने मरम्मत अभियान तेज कर दिया है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट पावर हाउस से जुड़े कई क्षेत्रों में कुछ समय के लिए बिजली आपूर्ति रोकी गई। शाहपुरा कोठी, ऑफिसर कॉलोनी, न्यू रामापुर, नौरंगाबाद और रामपुर फीडरों पर उपकेंद्र स्तर पर परीक्षण और सुधार कार्य किए गए, जिसके चलते इन इलाकों में करीब दो घंटे तक सप्लाई बाधित रही। अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम के बाद बिजली लाइनों में छिपे फॉल्ट आगे चलकर बड़ी परेशानी बन सकते हैं, इसलिए समय रहते समाधान किया जा रहा है। विभाग का कहना है कि मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद बिजली आपूर्ति पहले से अधिक स्थिर और सुरक्षित रहेगी।

मझगई। बुधवार दोपहर करीब 3 बजे अचानक मौसम ने करवट ली। शाम को छेदुई पतिया, दौलतपुर, बौधिया कला समेत पूरे इलाके में तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश और ओले गिरने लगे। खेतों में तैयार खड़ी गेहूं की फसल देखते ही देखते जमीन पर बिछ गई। छेदुई पतिया के हक्कलपुर गांव निवासी चमन शाह का खर-फूस का मकान आंधी की चपेट में आकर ढह गया। उस समय घर में चमन शाह, उनकी पत्नी कलिमा बानो समेत छह लोग मौजूद थे, लेकिन सभी लोग समय रहते बाहर निकल गए। धोबी पुरवा में जगरूप के घर की दीवार पर सेमल का बड़ा पेड़ गिर गया, जिससे दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। पेड़ मकान पर नहीं गिरा, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पलिया-निघासन हाईवे पर सलीमाबाद के पास एक विद्युत पोल टूटकर गिर गया, जिससे यातायात बाधित हो गया और पूरे क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। आंधी-बारिश थमने के बाद विद्युत कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर पोल हटाया और लाइनों की जांच की। देर रात करीब 2 बजे के बाद बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी। लोग अपने घरों को सही करने और फसलों को बचाने की कोशिश करते दिखे। हालांकि, इतनी तबाही के बावजूद अभी तक प्रभावित ग्रामीणों को प्रशासन की ओर से कोई सहायता नहीं मिल सकी है, जिससे लोगों में नाराजगी और निराशा है। ग्रामीणों ने जल्द राहत और मुआवजे की मांग की है।

हक्कलपुर में गिरा घर। ● अमृत विचार

पलिया-निघासन मार्ग पर गिरा विद्युत पोल। ● अमृत विचार

धोबीपुरवा में घर पर गिरा सेमल का पेड़।

दिक्कत: कटाई में देरी से मजदूरी और मशीनों का बढ़ेगा खर्च

बारिश के साथ चली आंधी ने आम के बागों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। पेड़ों पर लगे आम झड़ गए हैं। किसानों के सामने अब दोहरी मार की स्थिति है, एक ओर गेहूं की फसल खराब होने का खतरा है, दूसरी ओर कटाई में देरी से मजदूरी और मशीनों का खर्च बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग की ओर से अगले कुछ दिनों तक मौसम अस्थिर बने रहने की संभावना जताई गई है, जिससे किसानों की चिंता और गहरा गई है।

भीगे खेतों में कंबाइन चलाना मुश्किल, खेतों में जलभराव से बढ़ी परेशानी

मूड़ा सवारान , अमृत विचार : बैशाख माह में इस बार मौसम ने ऐसा अप्रत्याशित रूप ले लिया है कि सावन भादो की बरसात भी फीकी पड़ती नजर आ रही है। आमतौर पर इस महीने में तेज धूप, गर्म हवाएं और बढ़ते तापमान का असर दिखाई देता है, लेकिन इस वर्ष लगातार हो रही बारिश, घने बादलों की आवाजाही और तेज हवाओं ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। बेमौसम बारिश ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है और गेहूं की कटाई का कार्य लगभग ठप पड़ गया है। क्षेत्र में हुई बारिश और ओलावृष्टि ने खेतों को दलदल में बदल दिया है। जिन खेतों में गेहूं की कटाई बाकी है, वहां कंबाइन मशीनें नहीं पहुंच पा रही हैं, क्योंकि भीगी जमीन पर मशीनों का चलना मुश्किल है। जिन किसानों ने पहले ही गेहूं काटकर खेतों में रखा था, उनकी फसल भी भीगकर खराब होने लगी है। कई स्थानों पर खेतों में जलभराव की स्थिति बन गई है, जिससे कट चुकी फसल सड़ने की कगार पर पहुंच गई है। तेज हवाओं के कारण खड़ी गेहूं की फसल खेतों में गिर गई है, जिससे कटाई और भी कठिन हो गई है। किसानों का कहना है कि इस मौसम ने उनकी उम्मीदों पर बड़ा आघात पहुंचाया है। गेहूं की तैयार फसल जो घर पहुंचने वाली थी, अब खेतों में बर्बादी के कगार पर है।

ग्रीन कार्ड के नाम पर 53 हजार रुपये की ठगी

धौरहरा, अमृत विचार : जनपद में धोखाधड़ी की घटनाएं थमती नहीं दिख रही है। शामिर आएदिन किसी न किसी को शिकार बना चपत लगा रहे हैं। कोतवाली क्षेत्र के मौल्ही गांव निवासी एक व्यक्ति ने ग्रीन कार्ड के नाम पर 53 हजार रुपये की ठगी का आरोप लगाया है। उसने आरोपी के खिलाफ कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मौल्ही गांव निवासी सोहनलाल ने बताया कि करीब एक वर्ष पहले उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा कफारा से ग्रीन कार्ड बनवाया था। आरोप है कि इसी दौरान होलागढ़ निवासी एक युवक ने उनसे 1 लाख 20 हजार रुपये का विड्रोल फॉर्म भरवाया। पीड़ित का कहना है कि युवक ने बैंक से पूरी रकम निकलवाने के बाद उसमें से 53 हजार रुपये अपने पास रख लिए और शेष धनराशि उन्हें दे दी। आरोप है कि युवक ने झांसा देकर यह रकम हड़प ली। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब रकम वापस नहीं दी। जब उन्होंने रुपये लौटाने का दबाव बनाया तो आरोपी मारपीट पर आमादा हो गया और दोबारा रुपये मांगने पर जान से मार देने की धमकी दी। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

न्यूज ब्रीफ

कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन आज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने बताया कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर असम के मुख्यमंत्री हेमंत विस्वा सरमा के द्वारा विगत दिनों अभद्र टिप्पणी की गई है, जिससे उनकी छवि को धक्का लगा है। जिसके लिये 10 अप्रैल को दोपहर 12 बजे जिला कांग्रेस मुख्यालय पर बैठक कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

संचारी रोगों से बचाव के उपाय बताए

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कृषक समाज इंटर कॉलेज में उप प्रधानाचार्य लखपति भारती की अध्यक्षता में संचारी रोग एवं दस्तक अभियान का कार्यक्रम प्रार्थना सभा में किया गया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को संचारी रोगों से बचाव के उपाय बताए। कार्यक्रम में रसायन विज्ञान प्रवक्ता अशोक कुमार वर्मा ने क्लोरीनेशन पर चर्चा करते हुए बताया कि यह जल जनित बीमारियों को रोकने के लिए पानी को कीटाणु रहित और सुरक्षित बनाता है। पेयजल को उबालना, साबुन से हाथ धोना, शौचालयों का प्रयोग आदि के फायदे को विस्तार से चर्चा की। श्रमदान के माध्यम से परिसर की साफ सफाई कराई गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार, ओमप्रकाश, एसके वर्मा, अरविंद यादव आदि मौजूद रहे। संचालन देवेंद्र सिंह ने किया।

एचआईवी एवं टीबी के प्रति किया जागरूक

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : केन ग्रोअर्स नेहरू महाविद्यालय में विद्यार्थियों को एचआईवी सिफलिस एवं टीबी के प्रति जागरूक किया गया ।महाविद्यालय के नेहरू सभागार में गुरुवार को कॉलेज के महिला प्रकोष्ठ एवं जिला महिला चिकित्सालय लखीमपुर खीरी के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम हुआ। विशिष्ट अतिथि जिला महिला अस्पताल से सोनम सक्सेना ने छात्र-छात्राओं को एचआईवी संक्रमण, सिफलिस एवं टीबी की पहचान, कारण एवं रोकथाम के बारे में बताया। जिला अस्पताल की हर्षिता ने बीमारियों के बारे में समझाया। प्राचार्य प्रो. पंकज सिंह ने दोस्तों से साझा करने के लिए कहा। संचालन महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. रीमा छाबड़ा ने किया।

पत्ते तोड़ते समय पेड़ से गिरकर ग्रामीण की मौत

संवाददाता, संपूर्णानगर

अमृत विचार: गुरुवार सुबह संपूर्णानगर के मिलिट्री फार्म रोड निवासी शर्मा घर से लगभग 200 मीटर दूर बकरी के लिए चारा लेने गया था। बताया जा रहा है कि वह चीनी मिल रोड से मिलिट्री फार्म की ओर जाने वाली सड़क किनारे खड़े एक पेड़ पर चढ़कर पत्ते तोड़ रहा था। एक दिन पहले हुई बारिश के

● बकरी के लिए भोजन की व्यवस्था करने को पेड़ पर चढ़े थे शर्मा

कारण पेड़ गीला था। इसी दौरान जब वह पतली डालियों से पत्ते तोड़ रहा था। तभी पैर फिसल गया और वह सीधे आरसीसी सड़क पर गिर पड़ा।सिर में गंभीर चोट आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सड़क से गुजर रहे लोगों ने उसे पड़ा देखा तो परिजनों को सूचना दी।

मौके पर पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। संपूर्णानगर थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि पेड़ से गिरकर ग्रामीण की मौत हुई है। पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा की कार्रवाई की गई। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया है।

अच्छी खबर: 6639 छात्रों का पंजीकरण खीरी को मंडल में मिला तीसरा स्थान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रति छात्रों को जागरूक करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे एआई अवेयरनेस प्रोग्राम में जिले के छात्रों ने भी उत्साहजनक भागीदारी दर्ज कराई है। जिले से 6639 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिससे खीरी, लखनऊ मंडल में तीसरे स्थान पर रहा। यह अभियान दो अप्रैल से शुरू हुआ था, जिसकी अंतिम तिथि 9 अप्रैल दोपहर 12 बजे निर्धारित की गई थी।

मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि मण्डल स्तर पर कुल 33,405 पंजीकरण हुए हैं, जिसमें लखनऊ जनपद 11,758 नामांकन के साथ पहले स्थान पर रहा। इसके अलावा सीतापुर से 7,325, खीरी से 6,639, उन्नाव से 3,560, रायबरेली से 2,614 और हरदोई से 1,509 छात्रों ने पंजीकरण कराया है। अंतिम आंकड़े राज्य नोडल कार्यालय से प्राप्त होने के बाद जारी किए जाएंगे। अपर मुख्य सचिव माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा के निर्देश पर लखनऊ मंडल के कक्षा 11 व 12 के छात्र-छात्राओं के लिए यह कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य उन्हें आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रति जागरूक करना है। संयुक्त शिक्षा निदेशक लखनऊ मंडल डॉ. प्रदीप कुमार ने सभी जिलों के जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालयों को निर्देशित किया है कि पंजीकृत छात्र-छात्राओं से 20 घंटे का ऑनलाइन कोर्स समय से पूर्ण कराया जाए, ताकि उन्हें इस क्षेत्र की बुनियादी जानकारी मिल सके। मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि यह ऑनलाइन कोर्स 15 अप्रैल 2026 से प्रारम्भ होगा, जिसकी अवधि 60 दिनों तक रहेगी। कोर्स के अंतर्गत 20 घंटे की दिवसवार ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जाएंगी। इसकी विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम छात्रों के भविष्य के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा और उन्हें नई तकनीकों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में मदद करेगा।

● एआई अवेयरनेस प्रोग्राम में जिले के छात्रों ने उत्साहजनक भागीदारी दर्ज कराई

पिटाई कर महिला को जहर खिलाने की कोशिश

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: भीरा क्षेत्र में विवाहिता के साथ मारपीट, उत्पीड़न और जबरन जहर खिलाने के प्रयास का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने पति व अन्य ससुराली जनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव देशराज टांडा निवासी राम सिंह ने बताया कि उन्होंने पुत्री नीरू का विवाह दीवान टांडा निवासी मुकेश पुत्र रामऔतार के साथ किया था। आरोप है कि विवाह के बाद से ही मुकेश उनकी पुत्री को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता रहा है और आए दिन मारपीट करता है। मंगलवार को मुकेश शराब के नशे में घर पहुंचा, जहां उसकी भाभी अखिलेश देवी ने उसे भड़काया। इसके बाद मुकेश ने नीरू को बेरहमी से पीटा। आरोप है कि इस दौरान उसने लात-घूंसों और लाठी-डंडों से पीटा गया। जबरन जहर खिलाने का भी प्रयास किया। पिटाई से नीरू को गंभीर चोटें आईं। किसी तरह अपनी जान बचाकर नीरू ने अपने पिता को फोन कर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर राम सिंह मौके पर पहुंचे और पुत्री की हालत गंभीर देख उसे मायके ले आए। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रिपोर्ट दर्ज कर ली है। प्रकरण की जांच एसआई सचिन कुमार को सौंपी है। एसओ रोहित दुबे का कहना है कि जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

● मायके वालों ने पति व ससुरालियों पर लगाया आरोप

सबसे पुराना स्थापित 1960
गुप्त रोगी रोजाना मिलें
हर जगह से परेशान रोगी मिले
नामर्दी, शीघ्रपतन, इच्छा की कमी
बिना ऑपरेशन
दर्द रहित उपचार
बवासीर
खूनी, वादी, बवासीर, भगन्दर
कांच का बिना ऑपरेशन
इलाज दर्द रहित
उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध टॉप नं. 1
डॉ. सी.पी. गुप्ता
क्लीनिक
निकट जिला पंचायत चौपुला
कुतुबखाना रोड, बरेली
मो. 9259082174

स्कूल चलो अभियान को गति देने की कवायद

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● प्रधानाध्यापकों को बच्चों के नामांकन बढ़ाने के सख्त निर्देश

अमृत विचार : शिक्षा से कोई भी बच्चा वंचित न रहे, इस लक्ष्य को लेकर स्कूल चलो अभियान के तहत ब्लॉक फूलबेहड़ पर प्रधानाध्यापकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नामांकन बढ़ाने, बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया। इस दौरान शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और शत-प्रतिशत नामांकन के लक्ष्य को हासिल करने पर विशेष चर्चा हुई।

बैठक की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी बृजराज सिंह ने की। उन्होंने प्रेरणा पोर्टल पर बच्चों के नामांकन और प्रोन्नति से जुड़ी सभी सूचनाओं को समय पर अपडेट करने के निर्देश दिए। साथ ही संचारी रोग अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में साफ-सफाई, स्वास्थ्य सुरक्षा और जागरूकता गतिविधियों को गंभीरता से संचालित करने पर बल दिया।

कहा कि शिक्षक अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर अभिभावकों को जागरूक करें, ताकि अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन हो सके। कार्यों की प्रगति की समीक्षा में स्पष्ट किया कि अभियान के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विद्यालयों को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कार्य करना होगा।

बैठक में मौजूद शिक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने विद्यालय क्षेत्रों में घर-घर संपर्क कर ऐसे बच्चों की पहचान करें जो अभी तक स्कूल से बाहर हैं। इसके साथ ही अभिभावकों को शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं।

इस दौरान एआरपी जितेंद्र गोस्वामी, संजीव रस्तोगी, अंशुल गुप्ता, सहायक लेखाकार कमरूल हसन सहित सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक मौजूद रहे।

पीपीपी मॉडल रोडवेज बस अड्डे को स्वीकृति

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: शिव मंदिर कॉरिडोर के साथ पर्यटकों, यात्रियों, श्रद्धालुओं को आधुनिक सुविधाएं देने और जाम कम करने के लिए प्रदेश सरकार ने छोटी काशी गोला में पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के तहत अत्याधुनिक रोडवेज बस स्टेशन के निर्माण को मंजूरी दी है। इस रोडवेज बस अड्डे पर यात्रियों को एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं मिलेंगी।

नगर में रेलवे स्टेशन और बस स्टेशन आमने सामने होने से प्रायः जाम की स्थिति बनती थी। शिव मंदिर कॉरिडोर के बाद श्रद्धालुओं की आवक अधिक होने की संभावना से विधायक अमन गिरि ने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह को 17 फरवरी 2026 में पत्र

लखनऊ में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के साथ विधायक अमन गिरि।

सौंपकर कहा था कि छोटी काशी गोला इस बार सावन महीने में वाराणसी काशी विश्वनाथ के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में दूसरा स्थान रहा है, जिस पर कैबिनेट की सात अप्रैल को हुई बैठक में गोला में पीपीपी मॉडल बस अड्डा बनाने की स्वीकृत मिल गई है, जहां यात्रियों के लिए एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं डिजिटल सूचना प्रणाली, प्रतीक्षालय, कैंटीन और स्वच्छ शौचालय बनेंगे। यह परियोजना पंजाबी कॉलोनी में कांशीराम आवास कॉलोनी के पास बाईपास के निकट लोक निर्माण विभाग की निश्प्रयोज्य पड़ी भूमि पर प्रस्तावित है। नगर से बाहर बाईपास पर नए अत्याधुनिक बस अड्डे को शासन से मंजूरी मिली है। यहां यात्रियों को शानदार प्रतीक्षालय, अत्याधुनिक पार्किंग, पेयजल और साफ-सफाई की बेहतर सुविधा मिलेगी। मौजूदा बस स्टैंड नगर के बीच में होने के कारण यहां लगने वाली जाम से भी निजात मिलेगी। परियोजना से पर्यटन व व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

● रेलवे और बस स्टेशन आमने-सामने होने से अक्सर बनती है जाम की स्थिति

पीसीएस में सफल धीरज सम्मानित

अलियापुर में धीरज वर्मा को सम्मानित करते डॉ. कौशल वर्मा।

गोला गोकर्णनाथ। अमृत विचार: पीसीएस की परीक्षा में सफल हुए अलीगंज क्षेत्र के गांव अलियापुर निवासी धीरज वर्मा के घर एक अस्पताल संचालक भाजपा नेता डॉ. कौशल वर्मा पहुंचे।

उन्होंने प्रगतिशील किसान अनिल वर्मा के पुत्र एवं पटेल संस्थान के पूर्व अध्यक्ष संजील वर्मा के भतीजे धीरज वर्मा को सम्मानित किया। उन्हें वाणिज्य कर अधिकारी के पद पर तैनाती दी गई है।

खंडहर हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरई में आवासीय भवन

संवाददाता, केशवापुर

अमृत विचार : सीएचसी फरधान से जुड़े प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरई में दो दशक पहले लाखों रुपये खर्च कर बने आवासीय भवन निश्प्रयोग व देखरेख के अभाव में खंडहर बन चुके हैं।

वर्ष 2007 में तत्कालीन यूपी सरकार द्वारा अस्पताल परिसर में तैनात स्वास्थ्य कर्मियों के लिए अस्पताल में ही रुकने व ग्रामीणों को 24 घंटे स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लाखों रुपए खर्च कर बनाए गए आवासीय भवन आज भूतिया खंडहर बन चुके हैं। जिनमें जहरीले जीव सांप, बिच्छू, मधुमक्खी आदि पनप रहे हैं। गांव के लोगों की माने तो आज तक इन भवनों में कोई स्वास्थकर्मी रुका ही नही। एकल स्टाफ होने की वजह से अस्पताल में केवल दिन के समय ही स्वास्थ्य सेवाएं मिलती हैं। डॉक्टर छुट्टी पर होने की स्थिति में फार्मासिस्ट मरीजों का इलाज करते हैं। लोगों का कहना है जब अस्पताल स्टाफ यहां रुकता ही नहीं तो लाखों रुपये खर्च कर आवासीय भवन आखिर क्यों बनाये गए। इससे यह स्पष्ट है कि निर्माण के समय सरकार ने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखा गया होगा। बहरहाल सरकार के दावे कागजों पर जो भी हों आम लोगों को अस्पताल में मात्र 7 से 8 घंटे ही स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं।

सेमरई अस्पताल के जर्जर आवासीय भवन। ● अमृत विचार

उद्घाटन का शिलापट।

● लाखों रुपये की लागत से निर्मित भवन में पल रहे सांप-बिच्छू

सेमरई के जर्जर आवासीय भवनों की सूचना उच्च अधिकारियों को भेजी जा चुकी है, लेकिन अभी कोई स्वीकृति नहीं मिली है। - **अमित बाजपेयी,** सीएचसी अधीक्षक फरधान

गांव में बने सरकारी अस्पताल में स्टाफ के रुकने के लिए बने भवन जर्जर हो गए, लेकिन यहां आज तक कोई नही रुका। क्षेत्र में हिंसक वन्यजीव हैं, जो रात को किसानों पर हमला कर घायल कर देते हैं। लोगों को शहर के अस्पतालों को जाना पड़ता है। - **विजय कुमार मिश्र,** सेमरई

हमारे नजदीक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरई संचालित है, जिसमें लाखों रुपये खर्चकर अस्पताल का निर्माण हुआ था, लेकिन स्वास्थ्य सेवाएं मुश्किल से आठ घंटे ही मिल रही हैं, जबकि आवासीय परिसर है। स्वास्थ्य कर्मचारियों को बढ़ाया जाना चाहिए। - **रमेश मिश्रा,** टेडवा

भवन तो बनाया गया है, लेकिन स्टाफ की कमी है। रात को अचानक बीमार होने पर लोग झोलाछाप या शहर को जाने को मजबूर हैं। विभाग द्वारा परिसर का रखरखाव तक नहीं कराया जा रहा है, सरकार के पैसे का दुरुपयोग किया गया। - **सालिकराम,** कोरैया

जनपद में मखाना उत्पादन की अपार संभावनाएं

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कृषि महाविद्यालय जमुनाबाद में मखाना उत्पादन एवं प्रसंस्करण में उदयमिता विकास विषय पर एक दिवसीय सेमिनार हुआ। इसमें तालाब योजना के माध्यम से मखाना की खेती अपनाने पर जोर दिया गया।

मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्रभारी आधिष्ठाता डॉ. एके सिंह ने कहा कि लखीमपुर में मखाना उत्पादन एवं विस्तार की अपार संभावनाएं हैं। बस जरूरत है किसानों को अधिक जागरूक करने की। विशिष्ट कृषि वैज्ञानिक डॉ. जियालाल गुप्ता ने कहा कि मखाना की खेती कृषक एवं महिलाओ की आजीविका बढाने में एक विविधीकरण का अनूठा अंग है।

उन्होंने तालाब योजना के माध्यम से मखाना की खेती पर बल दिया। सह प्राध्यापक डॉ. एके पांडे ने कहा कि मखाना की खेती में कीट बीमारियों का खतरा बहुत कम रहता है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. दया एस श्रीवास्तव ने कहा कि उद्यमिता की असीम सम्भावनाए है। परियोजना अन्वेषक डॉ. शुभम सिंह राठौर ने मखाना उत्पादन तकनीक एवं मूल्य संवर्धन पर जागरूक किया। डॉ. हिमांशु मिश्रा, डॉ. राजकुमार, डॉ. सतेन्द्र कुमार कुमार, डॉ. आनूप कुमार, डॉ. रणधीर और डॉ संदीप सहित लगभग 147 छात्रो ने प्रतिभाग किया।

मेला चैती के सांस्कृतिक मंच पर श्याम भजनों पर झूमे दीवाने

स्थानीय संगीत एवं स्कूली बच्चों का कार्यक्रम आज शाम छह बजे

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

खाटू श्याम के भजनों पर जयकारा लगाते अतिथि और दर्शक। ● अमृत विचार

भजन सुनाते श्याम भक्त।

अमृत विचार : मेला चैती के सांस्कृतिक मंच पर बुधवार सायं आयोजित खाटू श्याम संकीर्तन में भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। भजन गायकों की प्रस्तुति पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे और पूरा परिसर भक्तिरस में सराबोर हो गया।

छोटी काशी के चैती मेला के 12वें दिन सांस्कृतिक मंच पर खाटू श्याम संकीर्तन का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीबालाजी धाम खुटार के संत नंदन महराज, कार्यक्रम अध्यक्ष गोला गौरव सुरेश शुक्ल संदेश, विशिष्ट अतिथि एमडी जीडी गोयनका अतुल अग्रवाल, श्रीश्याम दिवाने सेवा समिति अध्यक्ष दीपक राजपूत आदि ने नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू के साथ द्वीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम अध्यक्ष गोला गौरव सुरेश शुक्ल संदेश ने कहा कि ऐतिहासिक चैती मेला अपने 121 वें वर्ष में नया इतिहास रच रहा है। बुधवार की शाम ऐतिहासिक चैती मेला के सांस्कृतिक मंच पर सारेगामापा रनर अप लिटिल चैम्पस सिंगर रितिक गुप्ता ने राधा नाम संकीर्तन से कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए-किशोरी कुछ ऐसा इंतजाम हो जाए, काली कमली वाला मेरा यार है, वृन्दावन जाऊंगी सखी री...,श्रीराम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में, मुझे ला दो भजन वाली वहीं माला, नैनन में श्याम समाय गयो मोहे प्रेम का रंग चढ़ाए गयो, बजरंग बली का क्या कहना, बांस की बांसुरिया पे धणी इतरावे, आज ब्रज में होली रे रसिया आदि भजन गाकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

सभासद मोहित कनौजिया, आशीष अवस्थी, धर्मेन्द्र तिवारी टीटू, सुशील कश्यप, रामचन्द्र राठौर, धर्मेंद्र बाल्मीकि, शाहिद अंसारी सहित नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी आदि मौजूद रहे। ऐतिहासिक चैती मेला के सांस्कृतिक मंच पर 10 अप्रैल को स्थानीय संगीत एवं स्कूली बच्चों का कार्यक्रम सायं छह बजे से होगा।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन कल

छोटी काशी के ऐतिहासिक चैती मेला के सांस्कृतिक मंच पर 11 अप्रैल को अखि भारतीय कवि सम्मेलन होगा, जिसमें अंतप्रांतीय कवि विभिन्न विधाओं में काव्यपाठ करेंगे। कवि सम्मेलन के संयोजक डॉ. वेदप्रकाश अग्निहोत्री ने बताया कि अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में विनीत चैहान अलवर, नीलोत्पल मृणाल, स्वयं श्रीवास्तव, सुफलता त्रिपाठी, हेमंत पांडे, शिवकिशोर तिवारी खंजन, अखिलेश द्विवेदी और अल्पना आनंद गया को आमंत्रित किया गया है।

महिला की संदिग्ध हालात में मौत लटका मिला शव

- मझगई के धर्मापुर गांव की घटना
- खेत में काम करने गया था पति

मझगई, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गुनाखर टांडा गांव में गुरुवार को एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

गांव धर्मापुर के मजरा गुनाखर टांडा निवासी अखिलेश की 32 वर्षीय पत्नी सुमन ने घर के अंदर कमरे में फांसी लगा ली। उस समय घर में कोई मौजूद नहीं था। बताया जा रहा है कि पति अखिलेश खेतों में काम करने गया था। जब वह वापस लौटा तो पत्नी को फंदे से लटका देख घबरा गया। आनन-फानन में सुमन को नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निघासन ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के मुताबिक महिला का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। हालांकि परिजन पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस परिजनों के निर्णय का इंतजार कर रही है।

बैठक में सामंजस्य से त्योहार मनाने की अपील

अलीगंज पुलिस चौकी में हुई बैठक में बोलते सीओ रमेश कुमार तिवारी।

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- अलीगंज पुलिस चौकी में बैठक आयोजित

अमृत विचार : आंबेडकर, परशुराम जयंती व बैसाखी को लेकर हुई पीस कमेटी की बैठक में पुलिस अधिकारियों ने आपसी सामंजस्य से त्योहार मनाने की अपील की है।

गोला पुलिस क्षेत्राधिकारी रमेश कुमार तिवारी की अध्यक्षता में अलीगंज, मूड़ा सवारान चैकी पर हुई बैठक में उन्होंने कहा कि आगामी 14 अप्रैल को पूरे देश मे आम्बेडकर जयंती हर्षाल्लास के साथ मनाई जाती है।

हर जगह बडे उत्साह के साथ गाजे बाजे के साथ डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर लोग अम्बेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हवन कीर्तन कर रात्रि को भी जागरण करते है। उन्होंने आपसी भाईचारे, मेल मिलाप कर आंबेडकर जयंती उत्सव, परशुराम जयंती और बैसाखी का उत्सव मनाने की अपील की है। कहा कि कोई नई परंपरा न डालें और सकुशल जयंती मनायें।,

यदि किसी समुदाय के लोगो ने कोई उन्माद व असामाजिकता फैलाने की कोशिश की तो उस पर कार्यवाही की जायेगी। बैठक में क्षेत्र के ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य सहित मूड़ा चौकी इंचार्ज सुरेन्द्र मिश्र, अलीगंज चौकी इंचार्ज प्रवीण सिंह आदि मौजूद रहे।

स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेसियों ने एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, पलिया कलां

एसडीओ को ज्ञापन सौंपते कांग्रेस के प्रदेश सचिव बलराम गुप्ता व अन्य।

अमृत विचारः क्षेत्र में स्मार्ट मीटर से बढ़े बिजली बिलों को लेकर उपभोक्ताओं की परेशानी अब विरोध में बदलती नजर आ रही है। गुरुवार को कांग्रेस पार्टी के प्रदेश सचिव बलराम गुप्ता और ब्लॉक अध्यक्ष दिनेश शर्मा दर्जनों उपभोक्ताओं के साथ हाइडिल कार्यालय पहुंचे और एसडीओ विद्युत पवन कुमार को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद बिजली बिलों में अनियमितता बढ़ गई है और वास्तविक खपत से अधिक बिल वसूले जा रहे हैं। इससे गरीब और मध्यम वर्ग पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि कई मामलों में समय से बिल जमा करने के बावजूद कनेक्शन काटने जैसी कार्रवाई की जा रही है, जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। साथ ही मीटर रीडिंग में पारदर्शिता की कमी के कारण सही जानकारी भी नहीं मिल पा रही है। उन्होंने संपूर्णानगर और सिंगाही क्षेत्र के ग्रामीणों से शहरी दरों पर बिल वसूले जाने को भी अन्यायपूर्ण बताया। कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि स्मार्ट मीटर व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से हटाकर पुरानी मीटर प्रणाली बहाल की जाए या फिर ऐसी पारदर्शी व्यवस्था लागू की जाए, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान मौजूद लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो व्यापक जन आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

तमंचे के साथ वीडियो वायरल, युवक पकड़ा

मिर्जापुर, अमृत विचारः थाना मिर्जापुर पुलिस ने अवैध तमंचे के साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया।

टीम क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। सूचना मिली कि एक युवक ने तमंचे के साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाली है और उसके पास हथियार है। टीम ने कलान-मिर्जापुर रोडपर दबिश दी और अर्पित सिंह उर्फ नज्जू निवासी जरियनपुर को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने एक दोस्त के तिलक समारोह में अवैध तमंचा लेकर दिखावा करते हुए वीडियो बनाई थी। वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड करने के बाद चर्चा में आ गया। पकड़े जाने के डर से उसने तमंचा और कारतूस को एक बंद मकान में छिपा दिया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर छिपाए गए स्थान से एक देशी तमंचा व एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद कर लिया। बरामदगी के आधार पर आरोपी को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया।

बैंक मैनेजर पर कातिलाना हमले में दो आरोपी गिरफ्तार, चार फरार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

कोतवाली में मौजूद आरोपी।

- अज्ञात कार सवार हमलावरों के खिलाफ दर्ज हुई थी रिपोर्ट
- रंजिश में रची गई साजिश, फरार आरोपियों की तलाश तेज

अमृत विचारः शहर के एलआरपी चौराहे के पास भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा के प्रबंधक पर कातिलाना हमला किए जाने के मामले में पुलिस ने हमलावरों ने पहचान कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि घटना में शामिल चार अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

शाहजहांपुर के थाना जैतीपुर क्षेत्र के गांव नगरिया खुर्द निवासी विवेक यादव लखीमपुर में भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा में प्रबंधक के पद पर तैनात हैं। 31 मार्च की शाम वह कार से कहीं जा रहे थे। तभी एलआरपी ओवरब्रिज के पास एक बिना नंबर प्लेट की स्विफ्ट डिजायर कार ने उनकी कार को टक्कर मार दी थी। आरोप है कि टक्कर के बाद कार से करीब छह लोग उतरे और उन्होंने विवेक यादव पर हमला कर दिया। इस दौरान उनके सिर पर गंभीर चोट आई और वह लहूलुहान हो गए। घटना को अंजाम देकर सभी हमलावर फरार हो गए थे। पीड़ित मैनेजर हमलावरों को पहचान नहीं सके और उन्होंने कोतवाली सदर में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि यह कोई साधारण सड़क हादसा नहीं, बल्कि सुनियोजित हमला था। पुलिस ने आरोपी शिवा पटेल उर्फ शिवम निवासी सलेमपुर कोन और निखिल रस्तोगी उर्फ छोटू निवासी गंगोत्री नगर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार शिवा पटेल शारीरिक रूप से अस्वस्थ होने के बावजूद घटना के समय कार में था। पूछताछ में सामने आया कि पीड़ित बैंक मैनेजर ने आरोपी कुंदन सिंह निवासी हरगोविंद नगर महेवागंज के खिलाफ पहले एक जांच की थी, जिससे वह रंजिश मानता था।

इसी रंजिश के चलते उसने अपने साथियों के साथ मिलकर हमले की साजिश रची। पुलिस ने फरार आरोपियों की पहचान ललित निवासी सेऊढ़ा, सूरज निवासी गंगोत्री नगर, कुंदन सिंह निवासी हरगोविंदनगर महेवागंज और तनवीर उर्फ शैलेश निवासी गंगोत्री नगर के रूप में की है।

परशुराम जयंती को लेकर सेवादारों की बैठक आयोजित

पलिया कलां, अमृत विचारः आध्यात्मिक श्रीकुल सेवा आश्रम पर भगवान परशुराम की जयंती पर वटुकों के सामूहिक यज्ञोपवीत कराकर नगर में विशाल शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद मां रेणुका की रसोई का विशाल भंडारा प्रसाद वितरित किया जाएगा।

17 अप्रैल से चलने वाले चार दिवसीय कार्यक्रम को लेकर आश्रम के पदाधिकारियों एवं सेवादारों की एक बैठक संस्थान अध्यक्ष शांति स्वरूप शुक्ल की अध्यक्षता में हुई। जिसमें कुल उपासक आचार्य गोविंद माधव मिश्रा, गगन मिश्रा एड., जे पी शर्मा, डीके श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार गोपी, संजीव वर्मा शेरा आदि पदाधिकारियों व सेवादारों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

Bareilly International University
ROHILKHAND COLLEGE OF NURSING
Rohilkhand Medical College Campus Pilibhit Bypass Road, Bareilly-(U.P.) 243006
Recognized by Uttar Pradesh State Medical Faculty, Lucknow & Indian Nursing Council, New Delhi

Recognized Mentor Institute By UPSMF Lucknow
ADMISSION OPEN (प्रवेश प्रारम्भ) NURSING
'A' Rated Institute by UPSMF Lucknow

M.Sc. Nursing : 2 Year
एम.एस.सी. नर्सिंग : 2 वर्षीय
कुल सीट : 20

Eligibility :-
1. B.Sc. Nursing/Post Basic B.Sc. Nursing with Minimum of 55% Aggregate marks.
2. Minimum one year of work experience after Basic B.Sc. Nursing/prior or after Post Basic B.Sc. Nursing.
3. Must Registered as a Nurse/Midwife with State Nursing Registration Council.

NPCC : 2 Year
एन.पी.सी. सी. : 2 वर्षीय
कुल सीट : 10

Eligibility :-
1. B.Sc. Nursing/Post Basic B.Sc. Nursing with Minimum of 55% Aggregate marks.
2. Minimum one year of clinical experience after Basic B.Sc. Nursing/ Post Basic B. Sc. Nursing.
3. Must Registered as a Nurse/Midwife with State Nursing Registration Council.

B.Sc. Nursing : 4 Year
बी.एस.सी. नर्सिंग : 4 वर्षीय
कुल सीट : 100

Eligibility :-
1. Candidates with Science who have passed qualifying 12th Standard examination (10+2) and must have Obtained a minimum of 45% marks in Physics, Chemistry and Biology (PCB) taken together and passed in English individually from any recognized board.
2. Minimum age for admission is 17 years on or before 31st December 2026.

Post Basic B.Sc. Nursing : 2 Year
पोस्ट बेसिक बी.एस.सी. नर्सिंग : 2 वर्षीय
कुल सीट : 30

Eligibility :-
1. Diploma in General Nursing & Midwifery with Minimum 50% Aggregate marks.
2. Must Registered as a Nurse/Midwife with State Nursing Registration Council.

ANM : 2 Year
ए.एन.एम. : 2 वर्षीय
कुल सीट : 50

Criteria :-
1. The minimum educational requirement shall be 10+2 in arts (Mathematics, Physics, Chemistry, Biology, Bio technology, Economics, Plitical Sciences, History, Geography,Business Studies, Accountancy, Home Science, Sociology, Psychology, and Philosophy) and English Core/English Elective or Science, or health care science-vocational stream only passing out from recognized board.
2. Minimum age for admission is 17 years on or before 31st December 2026.

GNM : 3 Year
जी.एन.एम. : 3 वर्षीय
कुल सीट : 100

Criteria :-
1. Minimum education eligibility criteria for Admission is 10+2 with English and passed with 40% at the qualifying examination from any Recognized board.
2. Minimum age for admission is 17 years on or Before 31st December 2026. *CNET by Atal Bihari Vajpayee Medical University (ABVMU), Lucknow, Uttar Pradesh

Admission Helpline : 9105500404, 202, 9520876133
College E-Mail : rcnbareilly11@gmail.com University Website : https://www.biu.edu.in

एसपी की फटकार, 10 दिन बाद लिखी रिपोर्ट

संवाददाता, पलिया कलां

- 30 मार्च की रात मोहल्ला बाजार प्रथम में हुई थी घटना
- पीड़ित को जांच की बात कहकर टहला रही थी पुलिस

अमृत विचार : नगर के मोहल्ला बाजार प्रथम में हुई लाखों की चोरी के मामले में एसपी की फटकार के बाद पुलिस बैकफुट पर आ गई। पुलिस ने दस दिन बाद चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोहल्ला बाजार प्रथम निवासी राहुल 29 मार्च को कुछ कार्य से परिवार समेत बाहर गया हुआ था। उसके घर पर ताला पड़ा हुआ था। रात करीब 2 बजे ताला तोड़कर चोर घर में घुस गए थे और अलमारियों और बक्सों में रखे करीब 20 हजार रुपये नगद और करीब 26 ग्राम सोना चोरी कर ले गए थे। पीड़ित जब घर अगले दिन घर पहुंचा तो उसे चोरी की जानकारी हुई। बताते हैं कि घर में लगे सीसीटीवी में चोर की फुटेज कैद तो हुई, लेकिन साफ नहीं आने से उसकी पहचान करने में पुलिस को भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने फुटेज और तहरीर उसी दिन पुलिस को दी थी। पुलिस मौके पर भी गई और जांच की, लेकिन वह रिपोर्ट दर्ज नहीं कर रही थी। जबकि पीड़ित लगातार थाने के चक्कर काट रहा था। आरोप है कि पुलिस जांच की बात कहकर उसे टरका रही थी। अमृत विचार ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर को संज्ञान में लेकर एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने एसओ पंकज त्रिपाठी को कड़ी फटकार लगाई। इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर गुरुवार को अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसओ पंकज त्रिपाठी ने बताया कि जांच की जा रही है।

सिलेंडर चोरों का सुराग नहीं लगा पाई पुलिस

मोहल्ला सिंघइया स्थित करुणा गैस एजेंसी के गोदाम में शनिवार की रात चोर नकब लगाकर घुस गए थे और वहां रखे 90 गैस भरे और 18 खाली एलपीजी सिलेंडर चुरा ले गए। पुलिस ने हाईप्रोफाइल मामला होने के कारण रिपोर्ट तो दर्ज की और सीसीटीवी कैमरे खंगाले। समय बीतने के साथ ही पुलिस सुस्त हो गई। छह दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस गिरफ्तारी तो दूर आरोपियों की पहचान तक नहीं कर सकी है। हालांकि पुलिस का कहना है कि खुलासे के लिए टीमें लगी हैं।

चंदनचौकी, मियांपुर में कल आएंगे सीएम

संवाददाता, मोहम्मदी/पलिया कलां

- थारू समुदाय व पूर्वी पाकिस्तान से आकर बसे परिवारों को देंगे भूमि अधिकार पत्र
- विकास परियोजनाओं को लोकार्पण भी करेंगे, आगमन पर सज रहे पांडाल

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिले में 11 अप्रैल को आएंगे। गुरुवार को उनका अधिकारिक कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। वह मोहम्मदी विधानसभा क्षेत्र के गांव मियांपुर में सवा घंटे और विधानसभा पलिया कलां के चंदनचौकी में सवा घंटे रहेंगे।

मुख्यमंत्री थारू समुदाय और पूर्वी पाकिस्तान से आकर बसे परिवारों को भूमि अधिकार पत्र सौंपेंगे। साथ ही विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। मोहम्मदी विधायक लोकेन्द्र प्रताप सिंह और पलिया विधायक रोमी साहनी अपने अपने इलाके में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे हैं। साथ ही क्षेत्र की जनता से जनसभा में पहुंचने की अपील की है। मुख्यमंत्री क्षेत्र के चंदनचौकी में 11.30 बजे हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे। यहां वह वाटरप्रूफ पांडाल में बने मंच से स्थानीय थारू परिवारों एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश से आकर यहां आवासित परिवारों को भौमिक अधिकार प्रदान करेंगे। इसके अलावा योजनाओं के लाभार्थियों को चेक वितरण कर मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों को आवास की चाबी भी सौंपेंगे। साथ ही निर्माण कार्यों का शिलान्यास, लोकार्पण व जनसभा को संबोधित करेंगे। वह यहां करीब सवा घंटे रहेंगे। पश्चात, मुख्यमंत्री 12:45 बजे चंदनचौकी से विधानसभा मोहम्मदी के गांव मियांपुर के लिए हेलीकॉप्टर से रवाना हो जाएंगे। मियांपुर में मुख्यमंत्री दोपहर 01.10 बजे पहुंचेंगे। यहां वह भारत-पाकिस्तान विभाजन के समय विस्थापित परिवारों को भौमिक अधिकार प्रदान कर योजनाओं के लाभार्थियों को चेक वितरित करेंगे और मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को आवास की चाबी दे निर्माण कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे। साथ ही जनसभा को संबोधित करेंगे। यह जानकारी उनके निजी सचिव सुरेंद्र कुमार द्वारा जारी किए गए प्रोटोकॉल से मिली है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी माता जिनका मेरी सेना के अभिलेखों में नाम **तनवीर जहां जन्मतिथि** 01.07.1955 है जबकि अब आधार व पैन कार्ड के अनुसार नाम **तनवीर जहां (Tanveer Jahan) व जन्मतिथि** 01.01.1960 से जाना जाए।

सूचना
मैंने अपने पुत्र बासू अग्रवाल को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल- अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **राजकुमार अग्रवाल पुत्र श्री सुरेन्द्र चन्द्र अग्रवाल निवासी पशुपति विहार कालोनी, पो. आर.के. विश्वविद्यालय थाना बारादरी जिला बरेली।**

सूचना
मैंने अपने पुत्र नईम अहमद और उसकी पत्नी रेशमा को व्यवहार और चाल चलन ठीक न होने, परिवारियों से दुर्व्यवहार करने और आये दिन झूठे व संगीन जुर्म में फंसाने, जान से मारने की धमकी देना, परिवार के लोगों को प्रताड़ित करना, इसी कारणवश अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। अब हमारा और परिवारियों का उनसे कोई वास्ता, सरोकार नहीं रह गया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये कृत्य के वही दोनों जिम्मेदार होंगे। **जमाल अहमद पुत्र रज्जाब अली निवासी ग्राम गांधीनगर मजरा कोरैया तहसील गोला, जिला-खीरी**

सूचना
मैंने अपने पुत्र केसर कुमार के गलत आचरण, दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। वह अपने कृत्यों के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा, मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। **रमेश चन्द्र पुत्र भूपराम, निवासी- ग्राम कोठा मक्खन, तहसील नवाबगंज थाना भुता, जिला बरेली।**

सूचना
मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम मो. रफीक Mohd Rafeek दर्ज है। जो कि सही है। जबकि पासपोर्ट में मेरा नाम मो. रफीक Moh Rafeek दर्ज है। जो कि गलत है। उक्त सही नाम को मेरे पासपोर्ट में संशोधित किया जाये। **मो. रफीक पुत्र चुन्ना मियां निवासी- 336, मो. नई बस्ती, लखीमपुर खीरी**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल की अंकतालिका व प्रमाण पत्र अनुक्रमांक 0943634 वास्तव में कहीं खो गये है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिले है। Ashok Kumar पुत्र Kanta Prasad निवासी Buyodha Khera Ram Nagar, Bareilly

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट, बरेली

आवश्यकता है
बाबा रामदास पी.जी. कॉलेज
सैदपुर कनी, भोलापुर, बरेली को निम्न विषयों में **प्रवक्ताओं** की आवश्यकता है
(Ph.D. एवं Net)
For M.A. :
Political Science, Home Science
For M.Sc. :
Physics, Chemistry, Zoology, Botany
इच्छुक अभ्यर्थी महाविद्यालय कार्यालय एवं email : principalbrdcbholapur@gmail.com पर समस्त प्रपत्र/फोटो सहित अपना Biodata भेजें।
आर.डी. गुप्ता-प्रबन्धक
मो. 6396249614

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026

करोड़ों के मैथोडिस्ट मैदान पर कब्जे में कई के खिलाफ रिपोर्ट

साजिश में फंसे मिशनरी संस्था के डॉ. न्यूटन परमार, सुनील मसीह सहित कई लोग

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : हार्ट ऑफ द सिटी मैथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज के खेल मैदान पर को हड़पने की साजिश के मामले में कई लोगों की गर्दन फंस गई है। पूर्व कमिश्नर के आदेश पर हुई में जांच के आधार पर डीआईओएस ने एफआईआर दर्ज करा दी है। पुलिस केस में पार्टनर फार्म क्षितिज इंटरप्राइजेज के साथ मिशनरी संस्था से जुड़े न्यूटन परमार, सुनील मसीह व व्यापारी हरीश अरोरा को मुख्यत रूप से आरोपी बनाया गया है।

मामला कोतवाली क्षेत्र में सिविल लाइंस स्थित मैथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज से जुड़ा है। बेहद सुनियोजित तरीके से कई महीना पहले मैदान बेशकीमती हिस्से को अनप्रयुक्त बताकर उस पर कब्जा कर लिया गया था।

बाउंड्री बॉल भी खड़ी कर दी गई थी। इसकी शिकायत किला छावनी निवासी अमर सिंह राठौर ने की थी।

तत्कालीन कमिश्नर सौम्या अग्रवाल ने मामले को गंभीरता से लेकर जांच के लिए अपर आयुक्त (प्रशासन), एडीएम सिटी और एसपी सिटी की तीन सदस्यीय कमेटी बनाई थी।

जांच में में खुलासा हुआ कि कॉलेज के खेल मैदान का क्षेत्रफल पहले करीब 20 हजार वर्गमीटर था। उसमें वॉलीबॉल-बास्केटबॉल कोर्ट भी शामिल थे।

2009 की लीज डीड व एग्रीमेंट में भी उक्त भूमि को विद्यालय परिसर का हिस्सा दर्शाया गया था। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

अनयूज्ड दर्शा दी गई बेशकीमती जमीन

पुलिस के अनुसार, 2022 में करीब 610 वर्गमीटर भूमि ''अनयूज्ड'' बताकर एक निजी फर्म को लीज कर दी गई। चौहद्दी में एक पुरानी सड़क भी शामिल कर निर्धारित एरिया से अधिक जमीन कब्जा ली गई। भूमि बेचने को तथ्य गलत तरीके से पेश किए व फर्जी नक्शों का इस्तेमाल किया गया। शिकायत में एमसीआई के पदाधिकारियों पर कूटरचना कर अवैध लीज करने के गंभीर आरोप लगे थे। साथ ही एक्जीक्यूटिव बोर्ड नार्थ इंडिया रीजनल कॉन्फ्रेंस के अधिशासी सचिव सुनील मसीह पर पूर्व में भी कई संपत्तियों की अवैध बिक्री के मामले दर्ज होने की बात सामने आई। जिसके बाद जिला विद्यालय निरीक्षक अजीत सिंह कानूनी कार्रवाई पुलिस को लिखा। कोतवाली पुलिस ने आरोपी डॉ. न्यूटन एम. परमार, सुनील मसीह, क्षितिज इंटरप्राइजेज (पाटनरशिप फर्म) के द्वारा हरीश अरोरा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि पुलिस मामले की गहराई से पड़ताल में जुट गई है।

कोहाड़ापीर पेट्रोल पंप को लेकर रार

बरेली, अमृत विचार : कोहाड़ापीर से धर्मकांटे तक सीएम ग्रिड योजना के मद्देनजर 80 दुकानों पर निगम का बुलडोजर चलने के बाद अब पेट्रोल पंप को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा पार्षद शालिनी जौहरी ने इस पंप को हटाने के लिए मोर्चा तेज कर दिया है। पार्षद का आरोप है कि यह पेट्रोल पंप सरकारी जमीन पर कब्जा करके बनाया गया है। इसके कारण अक्सर जाम लगता है। पेट्रोल पंप मालिक ने इन सभी आरोपों को निराधार बताया है। पार्षद शालिनी जौहरी ने कहा कि महादेव पुल के निर्माण के समय पेट्रोल पंप को संजय नगर में जमीन आवंटित कर ट्रांसफर कर दिया गया था।

बच्ची से छेड़छाड़ करने के आरोपी को किया गिरफ्तार

बबराला, अमृत विचार: कस्बे में छह वर्षीय बच्ची से घिनौनी हरकत करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 3 अप्रैल की शाम करीब 6:30 बजे गुन्नौर कस्बे में एक शादी समारोह चल रहा था। इसी दौरान बच्ची मोहल्ले के अन्य बच्चों के साथ पड़ोस के घर में खेल रही थी। आरोप है कि तभी शादी में खाना बनाने आया युवक बच्ची को बहला-फुसलाकर एक कोने में ले गया और चाकू दिखाकर उसके साथ घिनौनी हरकत की। बच्ची ने चाचा को घटना की जानकारी दी। शोर-शराबा होने पर आरोपी भाग गया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू। कोतवाली के निरीक्षक (अपराध) बलराम यादव ने बताया कि गुरूवार को आरोपी आदिल फारूकी निवासी ब्रह्मपुरी छर्रा अलीगढ़ को गिरफ्तार कर लिया।

गुन्नौर में पुलिस गिरफ्त में छेड़छाड़ का आरोपी।

नवाबगंज में बनेगा एम्प्लॉयमेंट जोन

बरेली, अमृत विचार: राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सरदार वल्लभ भाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन विकसित करने के लिए नवाबगंज क्षेत्र में राजकीय कृषि फार्म की भूमि चिह्नित की गयी है। फार्म की करीब 112 एकड़ भूमि पर एम्प्लॉयमेंट जोन बनेगा। डीएम अविनाश सिंह ने एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन का प्रस्ताव शासन को भेजा है।

इस योजना के पीछे राज्य सरकार का ऐसा मेगा प्लान है, जिसमें जिले में सौ एकड़ जमीन पर प्लग-एंड-प्ले फैक्ट्रियां, स्किल सेंटर और स्टार्टअप हब स्थापित किए जा सकें।

कार्यालय ग्राम पंचायत मनेहरा विकास खंड बिथरी चैनपुर, बरेली

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत-मनेहरा विकास खंड- बिथरी चैनपुर बरेली में वर्ष 2026-27 में 15वें वित्त/16वें वित्त, 5वें वित्त/6वें आयोग, मनरेगा/ वीबी-राम-जी, एस एल डब्लू एम, आर जी एस ए आदि की धनराशि से सी सी रोड, नाली, इंटरलॉकिंग, खडंजा आदि निर्माण/मरम्मत, हैंडपम्प मरम्मत/रिबोर कार्य कराये जाने हेतु ईट एवं रोड़ी, सीमेंट, रेता, सरिया, सैनेटरी का सामान, बिजली का सामान टाइल्स आदि सामग्री की सप्लाई हेतु निविदाएं बन्द लिफाफे में दिनांक 15 अप्रैल 2026 को प्रात: 9 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में प्राप्त की जायेंगी। और उसी दिन अप. 12 बजे खोली जाएंगी। ग्राम पंचायत की समस्त शर्तें लागू रहेंगी।

प्रधान — सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत दीदार पट्टी विकास खंड बिथरी चैनपुर, बरेली

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत-दीदार पट्टी विकास खंड- बिथरी चैनपुर बरेली में वर्ष 2026-27 में 15वें वित्त/16वें वित्त, 5वें वित्त/6वें आयोग, मनरेगा/ वीबी- राम-जी, एस एल डब्लू एम, आर जी एस ए आदि की धनराशि से सी सी रोड, नाली, इंटरलॉकिंग, खडंजा आदि निर्माण/मरम्मत, हैंडपम्प मरम्मत/रिबोर कार्य कराये जाने हेतु ईट एवं रोड़ी, सीमेंट, रेता, सरिया, सैनेटरी का सामान, बिजली का सामान टाइल्स आदि सामग्री की सप्लाई हेतु निविदाएं बन्द लिफाफे में दिनांक 16 अप्रैल 2026 को प्रात: 9 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में प्राप्त की जायेंगी। और उसी दिन अप. 12 बजे खोली जाएंगी। ग्राम पंचायत की समस्त शर्तें लागू रहेंगी।

प्रधान — सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत भीकमपुर विकास खंड बिथरी चैनपुर, बरेली

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत-भीकमपुर विकास खंड- बिथरी चैनपुर बरेली में वर्ष 2026-27 में 15वें वित्त/16वें वित्त, 5वें वित्त/6वें आयोग, मनरेगा/ वीबी- राम-जी, एस एल डब्लू एम, आर जी एस ए आदि की धनराशि से सी सी रोड, नाली, इंटरलॉकिंग, खडंजा आदि निर्माण/मरम्मत, हैंडपम्प मरम्मत/रिबोर कार्य कराये जाने हेतु ईट एवं रोड़ी, सीमेंट, रेता, सरिया, सैनेटरी का सामान, बिजली का सामान टाइल्स आदि सामग्री की सप्लाई हेतु निविदाएं बन्द लिफाफे में दिनांक 15 अप्रैल 2026 को प्रात: 9 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में प्राप्त की जायेंगी। और उसी दिन अप. 2 बजे खोली जाएंगी। ग्राम पंचायत की समस्त शर्तें लागू रहेंगी।

प्रधान — सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत नरियावल विकास खंड बिथरी चैनपुर, बरेली

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत-नरियावल विकास खंड- बिथरी चैनपुर बरेली में वर्ष 2026-27 में 15वें वित्त/16वें वित्त, 5वें वित्त/6वें आयोग, मनरेगा/ वीबी- राम-जी, एस एल डब्लू एम, आर जी एस ए आदि की धनराशि से सी सी रोड, नाली, इंटरलॉकिंग, खडंजा आदि निर्माण/मरम्मत, हैंडपम्प मरम्मत/रिबोर कार्य कराये जाने हेतु ईट एवं रोड़ी, सीमेंट, रेता, सरिया, सैनेटरी का सामान, बिजली का सामान टाइल्स आदि सामग्री की सप्लाई हेतु निविदाएं बन्द लिफाफे में दिनांक 16 अप्रैल 2026 को प्रात: 9 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में प्राप्त की जायेंगी। और उसी दिन अप. 2 बजे खोली जाएंगी। ग्राम पंचायत की समस्त शर्तें लागू रहेंगी।

प्रधान — सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत सिंघाई कायस्थान विकास खंड बिथरी चैनपुर, बरेली

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत-सिंघाई कायस्थान विकास खंड- बिथरी चैनपुर बरेली में वर्ष 2026-27 में 15वें वित्त/16वें वित्त, 5वें वित्त/6वें आयोग, मनरेगा/ वीबी- राम-जी, एस एल डब्लू एम, आर जी एस ए आदि की धनराशि से सी सी रोड, नाली, इंटरलॉकिंग, खडंजा आदि निर्माण/मरम्मत, हैंडपम्प मरम्मत/रिबोर कार्य कराये जाने हेतु ईट एवं रोड़ी, सीमेंट, रेता, सरिया, सैनेटरी का सामान, बिजली का सामान टाइल्स आदि सामग्री की सप्लाई हेतु निविदाएं बन्द लिफाफे में दिनांक 15 अप्रैल 2026 को प्रात: 9 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में प्राप्त की जायेंगी। और उसी दिन अप. 4 बजे खोली जाएंगी। ग्राम पंचायत की समस्त शर्तें लागू रहेंगी।

प्रधान — सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत सिंघाई पदारथपुर विकास खंड बिथरी चैनपुर, बरेली

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत-पदारथपुर विकास खंड- बिथरी चैनपुर बरेली में वर्ष 2026-27 में 15वें वित्त/16वें वित्त, 5वें वित्त/6वें आयोग, मनरेगा/ वीबी- राम-जी, एस एल डब्लू एम, आर जी एस ए आदि की धनराशि से सी सी रोड, नाली, इंटरलॉकिंग, खडंजा आदि निर्माण/मरम्मत, हैंडपम्प मरम्मत/रिबोर कार्य कराये जाने हेतु ईट एवं रोड़ी, सीमेंट, रेता, सरिया, सैनेटरी का सामान, बिजली का सामान टाइल्स आदि सामग्री की सप्लाई हेतु निविदाएं बन्द लिफाफे में दिनांक 16 अप्रैल 2026 को प्रात: 9 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में प्राप्त की जायेंगी। और उसी दिन अप. 4 बजे खोली जाएंगी। ग्राम पंचायत की समस्त शर्तें लागू रहेंगी।

प्रधान — सचिव

नकली नोटों के शक में कारोबारी हिरासत में

- कच्चा बाजार में एजेंसी से जुड़े अधिकारी ने मारा छापा
- हैंडीक्राफ्ट कारोबारी से पूछताछ कर रही पुलिस

संवाददाता, संभल

अमृत विचार: नकली नोटों के कारोबार के शक में जांच एजेंसी ने एक हैंडीक्राफ्ट कारोबारी को हिरासत में लिया है। गुरुवार को एजेंसी से जुड़े अधिकारी सरायतरीन क्षेत्र के कच्चा बाजार पहुंचे, जहां उन्होंने कारोबारी के घर पर छापेमारी करते हुए उसे अपने साथ ले लिया।

एजेंसी ने मौके पर पहुंचकर घर की बारीकी से तलाशी ली। इस दौरान आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया और इलाके में काफी देर तक चर्चा का माहौल बना रहा।

तलाशी के बाद कारोबारी को हिरासत में लेकर एजेंसी टीम अपने साथ चली गई। सूत्रों के अनुसार मामला नकली नोटों के कारोबार से जुड़ा बताया जा रहा है।

हालांकि आधिकारिक तौर पर अभी तक एजेंसी की ओर से इस संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

जानकारी मिली है कि पकड़े गए व्यक्ति से जनपद संभल की ही एक पुलिस चौकी पर पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसी उससे जुड़े नेटवर्क और अन्य संभावित कड़ियों के बारे में जानकारी जुटाने में लगी हुई है। वहीं, जनपद के कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि संभल पुलिस द्वारा किसी भी व्यक्ति को हिरासत में नहीं लिया गया है।

उन्होंने कहा कि प्राथमिक जानकारी के अनुसार उक्त व्यक्ति किसी अन्य एजेंसी की हिरासत में है और वही उससे पूछताछ कर रही है। फिलहाल पूरे मामले को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है, लेकिन स्थानीय स्तर पर इस कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। जांच एजेंसी की कार्रवाई के बाद मामले में आगे और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

छेड़छाड़ के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

विधि संवाददाता, बरेली, अमृत विचार: भाजपा सभासद की बेटी से छेड़छाड़, मारपीट, जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने के आरोपी थाना सिरौली क्षेत्र निवासी युवक की जमानत अर्जी स्पेशल जज एससी/ एसटी एक्ट विजेन्द्र त्रिपाठी ने खारिज कर दी।

वादी के अधिवक्ता रोहित यादव ने बताया कि पीड़िता के पिता ने थाना सिरौली में तहरीर देकर बताया था कि बहन के घर से निकले उसी समय सचिन ने पीछे आ रही पुत्री को गलत नीयत से हाथ पकड़कर खींचा। विरोध करने पर बाल पकड़कर जमीन पर गिरा दिया था।

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी पुवायां, शाहजहांपुर

पत्रांक: 65-67/बी.आर.सी./नीलामी/2026-27 — दिनांक: 09.04.2026

विज्ञप्ति

बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित परिषदीय विद्यालयों के जर्जर भवनों के ध्वस्तीकरण सम्बन्धी शासनादेश संख्या- 15/68-5-2000 दिनांक 22.01.2020 एवं शासनादेश संख्या 855/68-5-2020 दिनांक 03.09.2020 एवं पत्रांक- 1497/68-5-2020 दिनांक 04.12.2020 तथा कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, शाहजहांपुर के कार्यालय पत्रांक एस.एस.ए./जर्जर भवन नीलामी/9083-92/2025-26 दिनांक 09.09.2025 के अनुपालन में जर्जर भवनों के ध्वस्तीकरण हेतु भवन की नीलामी खण्ड शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी समग्र शिक्षा एवं सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) की निर्धारित विस्तरीय नीलामी समिति की उपस्थिति में नीलामी की जानी है। अत: निम्नांकित जर्जर विद्यालय भवनों की नीलामी दिनांक 17.04.2026 को सूची में अंकित समय के अनुसार कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी, पुवायां के सभागार कक्ष में आयोजित की जायेगी। इच्छुक बोलीदाता नीलामी तिथि से पूर्व किसी कार्य दिवस पर सम्बन्धित जर्जर विद्यालय भवन का स्वयं स्थलीय निरीक्षण के नीलामी में बोली हेतु निम्नांकित तिथि एवं स्थल पर तकनीकी मूल्यांकन समिति द्वारा जर्जर भवन के निर्धारित मूल्य का 25 प्रतिशत धरोहर धनराशि के साथ अपने आधार कार्ड की छायाप्रति जमा करते हुए नीलामी में उपस्थित हो सकते हैं।

क्र.	विकास खण्ड	विद्यालय का नाम	जर्जर भवन का प्रकार	न्यूनतम बोली की धनराशि (रू.) में	धरोहर राशि 25 प्रतिशत (रू. में)
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1.	पुवायां	प्रा.वि. अगौना खुर्द	प्रा.वि. भवन	40100	10025
2.	पुवायां	प्रा.वि. गौटिया इकघरा	प्रा.वि. भवन	42300	10575

उक्त भवनों की नीलामी की शर्त एवं नियम कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी पुवायां के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दिया गया है एवं कार्यालय में भी उपलब्ध है जिसे किसी भी कार्यदिवस में प्रात: 10 बजे से सायं 05:00 बजे तक अवलोकित किया जा सकता है। किसी भी विवाद की स्थिति में समिति का निर्णय अन्तिम एवं मान्य होगा तथा बिना किसी कारण बताये नीलामी निरस्त करने का अधिकार समिति का होगा एवं विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद शाहजहांपुर का होगा।

कृष्ण कुमार
खण्ड शिक्षा अधिकारी
पुवायां, शाहजहांपुर

कार्यालय नगर पालिका परिषद लखीमपुर-खीरी

पत्रांक: 154/जननिर्माण/एम.बी.एल./2025-26 — दिनांक: 09.04.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त ठेकेदारों एवं भूसा आपूर्तिकर्ताओं/दुकानदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद लखीमपुर वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु ग्राम मैनहा (खम्भार खेड़ा) में पालिका की संचालित अस्थाई गौशाला में गौवंशीय पशुओं के भरण-पोषण हेतु भूसा एवं पशु आहार (दाना) आपूर्ति हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता वेबसाइट http://etender.up.nic.in के माध्यम से निम्न विवरणानुसार निविदा में प्रतिभाग कर सकते हैं।

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि- 09.04.2026 समय पूर्वान्ह 11:00 बजे से।
2. ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि- 29.04.2026 समय सायं 05:00 बजे तक।
3. ई-निविदा के माध्यम से टेक्निकल बिड निविदा खोलने की तिथि- 30.04.2026 समय पूर्वान्ह 11:00 बजे से।
4. फाइनेन्शियल बिड टेक्निकल बिड स्वीकृत होने के उपरान्त खोली जाएगी।

निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-10 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। अधिक जानकारी व शर्तो के लिए कृपया वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉगिन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

संजय कुमार — **डॉ. इरा श्रीवास्तव**
अधिशासी अधिकारी — **अध्यक्ष**
नगर पालिका परिषद, लखीमपुर — **नगर पालिका परिषद, लखीमपुर**

बरेली में दिखेंगे पर्यटन के नए रंग, विकास को लगेंगे पंख

- आनंद आश्रम, त्रिवटीनाथ, बड़ा बाग हनुमान मंदिर समेत कई पर्यटन स्थलों का होगा विकास

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली में पर्यटन के नए रंग देखने को मिलेंगे। धार्मिक आस्था के केंद्रों के साथ रोजगार और स्थानीय विकास को रफ्तार मिलेगी। जिले में पर्यटन विकास को गति देने के लिए 13 महत्वपूर्ण योजनाओं शासन स्तर से मंजूरी दी गई है। इससे न सिर्फ मंदिरों और ऐतिहासिक स्थलों की सूरत बदलेगी, बल्कि आसपास के गांवों और छोटे कारोबारियों के लिए भी आय के नए रास्ते खुलेंगे। युवाओं को अपने ही जिले में रोजगार के अवसर मिलने की संभावना रहेगी।

इन परियोजनाओं का उद्देश्य जिले के धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर उन्हें पर्यटन मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करना है। इसमें शहर के बीचों-बीच स्थित आनंद आश्रम में 90.51 लाख से पर्यटन विकास का कार्य किया जाएगा। यहां यात्री विश्राम गृह, पाथवे, हॉर्टीकल्चर वर्क आदि किया जाएगा। इसके लिए शासन की ओर से 53 लाख रुपये जारी भी हो गए। बड़ा बाग हनुमान मंदिर में पर्यटन और अवस्थापना सुविधाओं का विकास कार्य 355.54 लाख रुपये से किया जाएगा। इसमें मल्टीपर्पज हॉल/धर्मशाला, मेन द्वार, हॉर्टीकल्चर वर्क आदि कार्य किए जाएंगे। इसके लिए 70 लाख रुपये जारी हो गए हैं। वहीं, श्रीरामजानकी मंदिर (सीताराम मंदिर) में 296.63 लाख से पर्यटन विकास के कार्य होंगे। इसके लिए 70 लाख जारी कर दिए गए हैं।

सात नाथ मंदिर के प्राचीनतम नाथ मंदिर बाबा त्रिवटीनाथ मंदिर में 195.39 लाख की लागत से फसाड लाइटिंग का कार्य किया जाएगा। इसके लिए शासन की ओर से 100 लाख जारी कर दिए गए हैं। साथ ही अहिच्छत्र के समेकित विकास के लिए 213.40 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यहां यात्री विश्राम गृह, पाथवे और हरित विकास कार्य कराए जाएंगे। महाभारत कालीन द्रोपदी स्वयंवर थीम पार्क के लिए 99.02 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। जिससे ऐतिहासिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इको टूरिज्म के तहत लीलौर झील और ढिलवारी राम कटोरा ताल के विकास के लिए 295.17 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित मंदिरों में सिरोही के पहलऊनाथ, सिसैया मगनपुर के प्राचीन शिव मंदिर, लालपुर के ठाकुरजी मंदिर स्थल और पूर्णागिरी शिव मंदिर के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।

युवक को जबरन कार में डालकर मारपीट

पुवायां, अमृत विचार: क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने जबरन अगवा कर मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। रिपोर्ट दर्ज न होने का आरोप लगाया है।

पीड़ित सचिन मिश्रा पुत्र स्व. संजीव कुमार निवासी ग्राम कुंवरपुर जप्ती ने दी गई तहरीर में बताया कि 3 अप्रैल को वह शाहजहांपुर से घर लौट रहा था। शाम करीब 4:35 बजे आरएमएल स्कूल के पास कुछ लोगों ने उसे रोक लिया। आरोप है कि अनुज मिश्रा, प्रेमपाल मिश्रा, सुनीत बाजपेयी उर्फ जैकी सहित अन्य लोगों ने जबरन उसे कार में डाल लिया और असलाह के बल पर जान से मारने की धमकी देते हुए घर ले गए। वहां पहले से मौजूद अन्य लोगों ने भी उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि कमरे में लगे सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए गए और घटना का वीडियो मोबाइल से बनाया गया। बाद में आरोपियों ने उसके भाई को फोन कर सूचना दी, जिसके बाद वह उसे छुड़ाकर लाया। घटना के बाद वह थाना पुवायां पहुंचा, लेकिन अभी तक उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है।

शिकायतों पर जिला अस्पताल में छापा

बरेली, अमृत विचार : जिला अस्पताल में बाहरी लोगों के अलावा अराजक तत्वों की शिकायत मिलने के बाद गुरुवार को डीएम ने छापा मारा। उन्होंने बिना आई कार्ड के इमरजेंसी के पास आभा आईडी बना रहे युवक से पूछताछ की। पता लगा कि वह अस्पताल का ही संविदा कर्मचारी है। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कर्मचारियों को आईडी कार्ड मुहैया कराए जाएं।

कार्यालय सहायक अभियन्ता-चतुर्थ, शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत ।

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत के चतुर्थ उपखण्ड के अन्तर्गत निरीक्षण भवन अमखिडिया में खडे सूखे वृक्षो की नीलामी वर्ष 2025-26 कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत पर नीलाम दिनांक 16.04.2026 को अपराहन 12:00 बजे किया जायेगा। नीलामी समाप्त होने के 03 दिवस के अन्दर बैक ड्राफ्ट के रूप में सम्पूर्ण धनराशि मय समस्त करों सहित जमा करनी होगी। यदि उक्त तिथि को अवकाश घोषित हो जाता है, तो उसके अगले कार्य दिवस में नीलामी की जायेगी। नीलामकर्ता को बिना कारण बताये नीलाम निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा। अन्य शर्ते कार्यालय में उपस्थित होकर किसी भी कार्यायल दिवस में देखी जा सकती है।

क0 सं0	प्रजाति	व्यास वर्ग	वृक्षो की संख्या	स्थल
1	2	3	4	5
1	आम	6–7	01	निरीक्षण भवन अमखिडिया पर खडे सूखे वृक्षो की नीलामी
2		7–8	01	
3		8–9	02	
4	अमलताश	3–4	01	
5		4–5	01	
6	यूकेलिप्टिस	30–35	01	

नीलाम की आवश्यक शर्ते :–

1. अधिशासी अभियन्ता, शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताये नीलामी को निरस्त कर दें।
2. बोली बोलने से पूर्व प्रत्येक बोलीदाता को धरोहर धनराशि रू0–20000.00 का बैंक ड्राफ्ट / एफ0डी0आर0 / एन0एस0सी0 (जो अधिशासी अभियन्ता, शारदा सागर खण्ड पीलीभीत के नाम देय होगा) बतौर जमानत जमा करना होगा,नगद धनराशि नही ली जायेगी।
3. वन विभाग द्वारा किये गये मूल्यांकन से कम की बोली नही बोली जायेगी।
4. अधिकतम बोलीदाता को नियमानुसार स्टाम्प पेपर एवं अन्य कर की धनराशि जमा करनी होगी।
5. अधोहस्ताक्षरी को नीलामी बोली उचित न आने पर निरस्त करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित है।
6. नीलाम क्रेता / ठेकेदार व उनके कर्मचारी द्वारा किसी भी नियम का उल्लंघन करने पर ठेका निरस्त कर दिया जायेगा जिसका कोई भी क्लेम विभाग को मान्य नही होगा।
7. प्रत्येक इच्छुक बोलीदाता बोली बोलने से पूर्व उपरोक्त नीलामी स्थल पर खड़े पेड़ों का भली–भाँति निरीक्षण कर लें, नीलामी के बाद कोई क्लेम मान्य नही होगा।
8. अधिकतम बोली बोलने वाले को अपनी अधिकतम बोली की सम्पूर्ण धनराशि नीलाम समाप्त होने के उपरान्त बैक ड्राफ्ट के रूप में जमा करनी होगी, अन्यथा धरोहर धनराशि शासकीय हित में जब्त कर ली जायेगी और द्वितीय व तृतीय बोलीदाता को अवसर प्रदान किया जायेगा।
9. नीलामी के दौरान समस्त ठेकेदारो को पहचान पत्र / आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा।

UP - 249397 दिनांक: 08/04/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

सहायक अभियन्ता चतुर्थ
शारदा सागर खण्ड पीलीभीत

कार्यालय सहायक अभियन्ता-चतुर्थ, शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत ।

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत के चतुर्थ उपखण्ड के अन्तर्गत भौनी से करगैना मार्ग में अवसरा नदी के किमी0–8.350 पर सेतु के बांयी ओर खड़े वृक्षो की नीलामी कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत पर नीलाम दिनांक16.04.2026 को पूर्वाहन 11:00 बजे किया जायेगा। नीलामी समाप्त होने के 03 दिवस के अन्दर बैंक ड्राफ्ट के रूप में सम्पूर्ण धनराशि मय समस्त करों सहित जमा करनी होगी। यदि उक्त तिथि को अवकाश घोषित हो जाता है, तो उसके अगले कार्य दिवस में नीलामी की जायेगी। नीलामकर्ता को बिना कारण बताये नीलाम निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा। अन्य शर्ते कार्यालय में उपस्थित होकर किसी भी कार्यायल दिवस में देखी जा सकती है।

क0 सं0	प्रजाति	व्यास वर्ग	वृक्षो की संख्या	स्थल
1	2	3	4	5
1	केसिया सेमिया	1–2	01	भौनी से करगैना मार्ग में अवसरा नदी के किमी0–8.350 पर सेतु के बांयी ओर खड़े वृक्षो की नीलामी
2		2–3	02	
3	शीशम	1–2	02	
4		2–3	01	
5	अर्जुन	1–2	03	
6		2–3	01	
7	पीपल	1–2	01	
8		3–4	02	
9		4–5	01	
10	शहतूत	1–2	01	
11	नीम	2–3	01	

नीलाम की आवश्यक शर्ते :–

1. अधिशासी अभियन्ता, शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताये नीलामी को निरस्त कर दें। 2. बोली बोलने से पूर्व प्रत्येक बोलीदाता को धरोहर धनराशि रू0–5000.00 का बैंक ड्राफ्ट / एफ0डी0आर0 एन0एस0सी0 (जो अधिशासी अभियन्ता, शारदा सागर खण्ड पीलीभीत के नाम देय होगा) बतौर जमानत जमा करना होगा, नगद धनराशि नही ली जायेगी। 3. वन विभाग द्वारा किये गये मूल्यांकन से कम की बोली नही बोली जायेगी। 4. अधिकतम बोलीदाता को नियमानुसार स्टाम्प पेपर एवं अन्य कर की धनराशि जमा करनी होगी। 5. अधोहस्ताक्षरी को नीलामी बोली उचित न आने पर निरस्त करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित है। 6. नीलाम क्रेता / ठेकेदार व उनके कर्मचारी द्वारा किसी भी नियम का उल्लंघन करने पर ठेका निरस्त कर दिया जायेगा जिसका कोई भी क्लेम विभाग को मान्य नही होगा। 7. प्रत्येक इच्छुक बोलीदाता बोली बोलने से पूर्व उपरोक्त नीलामी स्थल पर खड़े पेड़ों का भली–भाँति निरीक्षण कर लें, नीलामी के बाद कोई क्लेम मान्य नही होगा। 8. अधिकतम बोली बोलने वाले को अपनी अधिकतम बोली की सम्पूर्ण धनराशि नीलाम समाप्त होने के उपरान्त बैंक ड्राफ्ट के रूप में जमा करनी होगी, अन्यथा धरोहर धनराशि शासकीय हित में जब्त कर ली जायेगी और द्वितीय व तृतीय बोलीदाता को अवसर प्रदान किया जायेगा। 9. नीलामी के दौरान समस्त ठेकेदारो को पहचान पत्र /आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा।

UP - 249406 दिनांक: 08/04/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

सहायक अभियन्ता चतुर्थ
शारदा सागर खण्ड पीलीभीत

अदालत श्रीमान् उपजिलाधिकारी महोदय कलीनगर

वाद संख्या– टी20251256040353२ सन् 2025
देशराज सिंह आदि बनाम रामभरोसे आदि
धारा– 24 उ.प्र. राजस्व संहिता
ग्राम– लालपुर ता. माधौटांडा
तह.– कलीनगर जिला पीलीभीत

1. आरेन्द्र पाल सिंह 2. देवेन्द्र पाल सिंह पुत्रगण व्रेसपाल सिंह 3. नन्ही देवी पत्नी उपेन्द्र पाल सिंह 4. नन्ही देवी पत्नी व्रेसपाल सिंह 5. नित्या सिंह ना. वा. संरक्षिगा नन्ही देवी पत्नी उपेन्द्र पाल सिंह निवासी:– सुरभी कॉलोनी, सिविल लाईन साउथ, पीलीभीत

वाजैही कि आपके खिलाफ एक नालिस दफा 24 उ. प्र. रा. सं. दायर की है अत: आपके दिनांक 20.04.2026 वबक्त 11:00 बजे दिल असालतन या विकालतन या अन्य कोई शख्त जो वाकिफ हाल मुकदमा उक्त दिनांक पर अपनी जबावदेही पेश करो या आपको लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला गवाहों को व नीज दस्तावेज जिनकी सहादत पर आप व ताईद अपनी जवाबदेही इस्तदकाल करना चाहते हो पेश करो अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो उसकी समात आपकी गैर हाजिरी में आपके मसमूह फैसला होगा। दिनांक 07.04.2026 को मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

न्यायालय उप जिलाधिकारी, कलीनगर

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती वीरा देवी पत्नी श्री अनिल कुमार सिंह निवासी–एस–77, गंगानगर कालोनी, बदायूं रोड, बरेली द्वारा खेत सं.–497मि. नेकपुर लाईनपार, सुभाषनगर, बदायूं रोड बरेली पर रोड वाइडनिंग हेतु 23.30 वर्गमी. भूमि छोड़ते हुए 269.71 वर्गमी. (293.01–23.30=269.71 वर्गमीटर) भूमि पर होटल क्रिया (20 कमरों तक) के अन्तर्गत स्वीकृति हेतु शमन मानचित्र प्रस्तुत किया गया है। बरेली महायोजना–2031 के अनुसार स्थल का भू उपयोग निर्मित क्षेत्र में दर्शित है। उ.प्र. के विकास प्राधिकरणों हेतु मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन–2025 के प्रस्तर 15.3.2 के क्रम संख्या–2.5 के अन्तर्गत होटल क्रिया (20 कमरों तक) महायोजना–2031 में स्थल के सम्मुख 45.00 मीटर चौड़ा मार्ग प्रस्तावित है।

आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन–2025 के प्रस्तर 15.1.3 के बिन्दु संख्या–(iv) में उल्लेख है कि ''महायोजना भू–उपयोग अथवा अनुमोदित ले–आउट में परिभाषित भू–उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्ति/सुझाव आमंत्रित करने के उपरान्त दी जाएगी।'' उक्त के क्रम में जन–सामान्य को कोई आपत्ति/सुझाव देने है, तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर प्राधिकरण लिपिक श्री मोहित कुमार (प्रथम) को प्राप्त करा सकते है। नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति/सुझाव को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उपाध्यक्ष
बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली।

आईवीएफ फेल हुआ तो होम्योपैथी ने दिया मां बनने का सुख

विश्व होम्योपैथी दिवस पर विशेष : बांझपन के इलाज में होम्योपैथी बनी उम्मीद की किरण, आईवीएफ के महंगे विकल्प से राहत

पंकज द्विवेदी, लखनऊ

- लखनऊ स्थित केंद्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान में संचालित हो रही विशेष इनफर्टिलिटी क्लीनिक, एक साल में 11 महिलाएं बनी मां

प्रभारी निदेशक डॉ. लिपि पुष्पा व डॉ. दिव्या वर्मा

अमृत विचार : अनियमित जीवनशैली, बढ़ता मोटापा, देर से शादी और हार्मोनल असंतुलन जैसी समस्याओं के कारण आज की युवतियां शादी के कई वर्षों बाद भी सामान्य रूप से गर्भधारण नहीं कर पा रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में जहां एक ओर महंगा आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) कई दंपतियों की पहुंच से बाहर है, वहीं होम्योपैथी पद्धति अब एक सस्ती और प्रभावी विकल्प के रूप में उभर रही है।

लखनऊ के जानकीपुरम स्थित केंद्रीय होम्योपैथिक अनुसंधान संस्थान में हर शनिवार को विशेष इनफर्टिलिटी क्लीनिक का संचालन किया जा रहा है। संस्थान की प्रभारी निदेशक डॉ. लिपि पुष्पा की देखरेख में चल रही इस क्लीनिक में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या वर्मा के अनुसार, प्रत्येक ओपीडी में करीब 50 महिलाएं गर्भधारण और अन्य समस्याओं को लेकर पहुंच रही हैं। पिछले एक वर्ष में यहां इलाज से 11 महिलाओं को मातृत्व का सुख मिल चुका है, जिससे लोगों का होम्योपैथी पर विश्वास भी बढ़ा है।

केस-1

आठ साल बाद जगी उम्मीद, पांच महीने में मिली खुशखबरी

अलीगंज की एक युवती शादी के आठ साल बाद भी गर्भधारण नहीं कर सकी। आईवीएफ पर लाखों खर्च करने के बाद भी असफलता हाथ लगी, जिससे दंपति मानसिक रूप से टूट चुके थे। बाद में संस्थान में परामर्श लेने पर काउंसलिंग और होम्योपैथिक उपचार शुरू किया गया। महज पांच महीने में युवती गर्भवती हो गई। जांच में सामने आया कि उसके अंडाशय छोटे थे, जिसका सफल उपचार किया गया।

केस-2

हार्मोनल असंतुलन दूर तीन महीने में गर्भधारण

एक अन्य मामले में बेटे की मृत्यु के बाद दंपति गहरे सदमे में चला गया। कई वर्षों तक गर्भधारण न होने पर उन्होंने संस्थान का रुख किया। जांच में हार्मोनल असंतुलन सामने आया। इलाज शुरू होने के मात्र तीन महीने के भीतर ही युवती ने गर्भधारण कर लिया।

केस-3

बार-बार गर्भपात से मिली राहत

लखनऊ की ही एक महिला को शादी के सात साल बाद भी बार-बार गर्भपात की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। आर्थिक तंगी के कारण वह आईवीएफ नहीं करा सकी। होम्योपैथिक इलाज शुरू करने के कुछ ही समय में वह गर्भवती हुई और जांच में गर्भस्थ शिशु स्वस्थ पाया गया।

महिलाओं के साथ पुरुषों का भी होता है इलाज

प्रभारी निदेशक डॉ. लिपि पुष्पा बताती हैं कि बांझपन के मामलों में महिला और पुरुष दोनों की जांच बेहद जरूरी होती है। कई मामलों में समस्या पुरुषों में पाई जाती है, जिसके इलाज से महिला आसानी से गर्भधारण कर सकती है।

शिक्षामित्रों-अनुदेशकों को मिलेगा बढ़ा मानदेय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कैबिनेट के फैसले के बाद बेसिक शिक्षा विभाग से शासनादेश जारी

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने बेसिक शिक्षा से जुड़े शिक्षामित्रों और अंशकालिक अनुदेशकों को बड़ा तोहफा दिया है। गुरुवार को जारी शासनादेश के अनुसार दोनों वर्गों के मानदेय में 8 हजार रुपये प्रति माह की बढ़ोतरी कर दी गई है। अब प्रदेश के 1,42,929 शिक्षामित्रों को 10 हजार रुपये के स्थान पर 18 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। इसी तरह, उच्च प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत 24,717 अंशकालिक अनुदेशकों का मानदेय 9 हजार रुपये से बढ़ाकर 17 हजार रुपये प्रति माह कर दिया गया है। अंशकालिक अनुदेशकों को यह मानदेय वर्ष में 11 महीने दिया जाएगा। यह बढ़ा हुआ मानदेय इसी माह से लागू होगा, जिससे बड़ी संख्या में शिक्षाकर्मियों को राहत मिलेगी। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में स्वीकृत प्रस्ताव के अनुरूप लिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में निदेशक का कार्यभार ग्रहण करतीं गुंजन द्विवेदी।

मिशन निदेशक गुंजन द्विवेदी ने संभाला कार्यभार

अमृत विचार, लखनऊ : स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में बुधवार को गुंजन द्विवेदी ने मिशन निदेशक का पदभार संभाल लिया। अलीगंज स्थित पंचायती राज निदेशालय में कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ पहली समीक्षा बैठक की। बैठक में ग्रामीण स्वच्छता अभियान, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक शौचालय, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन और ग्राम पंचायतों में चल रहे स्वच्छता कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। मिशन निदेशक ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता को केवल अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़ा स्थायी व्यवहार परिवर्तन बनाया जाना चाहिए। गुंजन द्विवेदी ने अधिकारियों और कर्मचारियों से टीम भावना के साथ काम करने का आह्वान किया।

इस्लामनगर के बीडीओ निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने बदायूं के इस्लामनगर विकास खंड के खंड विकास अधिकारी मुनव्वर खां को निलंबित कर दिया है। प्रथम दृष्टया अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही और शिथिलता बरतने के आरोप में गुरुवार को यह कार्रवाई की गई है। यह निर्णय उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर लिया गया है। साथ ही, उनके विरुद्ध उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक नियमावली के तहत विभागीय अनुशासनिक कार्यवाही शुरू करने के भी आदेश दिए गए हैं। मालूम हो कि सरकार की इस कार्रवाई में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर रुख अपनाने के संकेत दिए गए हैं।

लखनऊ में राष्ट्रीय लोक अदालत 9 मई को

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर 9 मई (शनिवार) को लखनऊ में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इसका आयोजन जनपद न्यायालय, कलेक्ट्रेट परिसर और सभी तहसीलों में किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश मलखान सिंह के निर्देशन में होने वाली इस लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। सचिव जीवक कुमार सिंह ने बताया कि लोक अदालत वैकल्पिक विवाद निस्तारण का मंच है, जहां निर्णय सिविल कोर्ट की डिक्री के समान बाध्यकारी होता है और इसके खिलाफ अपील नहीं की जा सकती। प्राधिकरण ने आमजन से अपील की है कि वे लोक अदालत में पहुंचकर सुलभ, शीघ्र और कम खर्च में न्याय का लाभ उठाएं।

रेतेश्वर महादेव धाम का कायाकल्प तेज

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी के सरोजनी नगर क्षेत्र में सई नदी तट स्थित रेतेश्वर महादेव धाम का कायाकल्प तेजी से जारी है। पर्यटन विभाग की करीब 93 .43 लाख रुपये की परियोजना के तहत अब तक लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। योजना का उद्देश्य मंदिर के पारंपरिक स्वरूप को संरक्षित रखते हुए श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'विकास भी, विरासत भी' की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है।

स्मार्ट मीटर शिकायतों की जांच करेगी विशेषज्ञ समिति

मुख्यमंत्री के सख्त निर्देश, बिना गलती न कटे कनेक्शन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ऊर्जा मंत्री और एमडी फील्ड में उतरें, करें समाधान
- गर्मी में बिजली आपूर्ति बाधित न हो, हेल्पलाइन रहे सक्रिय

अमृत विचार: स्मार्ट मीटर को लेकर बढ़ती शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाते हुए विशेषज्ञ समिति गठित कर जांच कराने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को ऊर्जा विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने साफ कहा कि आम उपभोक्ता ईमानदार होता है और यदि बिल सही हो तो वह भुगतान से पीछे नहीं हटता। ऐसे में ओवरबिलिंग या तकनीकी खामियों की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को देर शाम ऊर्जा विभाग की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि किसी उपभोक्ता की गलती नहीं है तो उसका बिजली कनेक्शन किसी भी स्थिति में नहीं काटा जाए। उन्होंने ऊर्जा मंत्री और पावर कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक को खुद फील्ड में जाकर व्यवस्था देखने और शिकायतों का मौके पर निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी बिजली आपूर्ति सरकार की प्राथमिकता है। स्मार्ट मीटरिंग, बिलिंग प्रणाली और उपभोक्ता सेवाओं को भरोसेमंद बनाना होगा। सभी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर पूरी तरह सक्रिय रहें और शिकायतों का समयबद्ध समाधान किया जाए।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में उपभोक्ताओं की संख्या 2017 के 1.65 करोड़ से बढ़कर 2026 में 3.71 करोड़ हो गई है। इस दौरान बिजली भार में 80 प्रतिशत और ऊर्जा बिक्री में 63 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्तमान में कुल ऊर्जा बिक्री 1.27 लाख मिलियन यूनिट से अधिक है। मुख्यमंत्री ने ट्रांसफार्मर बदलने की प्रक्रिया को तेज करने, बिजली लाइनों के आधुनिकीकरण और भूमिगत केबलिंग को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कहीं भी उपभोक्ता को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। न्यूनतम पांच घरों वाले मजरों तक विद्युतीकरण सुनिश्चित करने, कृषि फीडरों के पृथक्करण और ओवरलोडिंग की समस्या दूर करने पर जोर दिया गया।

आपदा प्रभावित जिलों का किया हवाई सर्वे

उप मुख्यमंत्री पाठक और कृषि मंत्री शाही ने किसानों को जल्द राहत के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही।

अमृत विचार : प्रदेश में हालिया असामयिक वर्षा, तेज हवाओं और चक्रवात से फसलों को हुए नुकसान के बीच सरकार ने राहत कार्य तेज कर दिए हैं। इसी क्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने गुरुवार को प्रभावित जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया।

दोनों मंत्रियों ने बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, अमेठी, सुल्तानपुर, फतेहपुर, उन्नाव और लखनऊ सहित कई जनपदों का दौरा कर फसल क्षति का आकलन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सर्वेक्षण कार्य तेजी से पूरा कर प्रभावित किसानों को शीघ्र राहत राशि उपलब्ध कराई जाए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार किसानों के साथ खड़ी है और हर संभव आर्थिक सहायता दी जाएगी।

हवाई सर्वेक्षण के बाद आजमगढ़ और फतेहपुर में समीक्षा बैठकें भी आयोजित की गईं, जिनमें जिलाधिकारियों व कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि फसल नुकसान का सही आकलन कर जल्द रिपोर्ट शासन को भेजी जाए, ताकि राहत वितरण में देरी न हो।

फसलों की सुरक्षा को लेकर एडवाइजरी जारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में बेमौसम बारिश और कुछ जिलों में आगजनी की घटनाओं के बीच कृषि विभाग ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने खेत-खलिहानों में फसल की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने और विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। कृषि विभाग ने निर्देश दिया है कि खलिहानों में सिगरेट, बीड़ी या अन्य ज्वलनशील पदार्थों का उपयोग न करें, क्योंकि इससे आग लगने की घटनाएं बढ़ सकती हैं। विभाग ने जनपदों में तैनात कृषि अधिकारियों को भी किसानों से लगातार संपर्क में रहकर उन्हें जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि कटाई और मड़ाई के दौरान विशेष सतर्कता जरूरी है। किसानों को सलाह दी गई है कि यदि खड़ी फसल भीग गई है तो उसे एक-दो दिन सूखने दें। कटाई के बाद खेत में पड़ी फसल में पानी न ठहरने दें और बोझ बांधकर खड़ा करें। खलिहान में भीगी फसल को खोलकर धूप और हवा लगने दें, ताकि वह जल्दी सूख सके। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि अनाज के दाने भीग गए हैं तो उन्हें तभी भंडारित करें, जब उनमें नमी 10 प्रतिशत तक रह जाए। साथ ही भंडारण से पहले गोदाम, बखारी, बोरे और दीवारों का धूम्रीकरण (फ्यूमिगेशन) कर लेना चाहिए, ताकि अनाज सुरक्षित और कीटमुक्त रह सके।

डॉ. केके सिंह प्रकरण की होगी हाई-लेवल जांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में सर्जरी विभाग के प्रोफेसर और डीन फैकल्टी प्रवक्ता डॉ. केके सिंह को लेकर विवाद एक बार फिर गहरा गया है। उनके पूरे चिकित्सकीय कार्यकाल में नियुक्ति, बर्खास्तगी और पुनः बहाली मामलों की अब व्यापक जांच होगी। अतीत के पन्ने खुलेंगे। इस मामले में मौजूदा कुलपति की भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है। राज्य सरकार ने केजीएमयू प्रशासन से विस्तृत आख्या तलब की है, जिससे यह स्पष्ट है कि मामला अब उच्च स्तर पर गंभीरता से लिया जा रहा है।

भाजपा विधायक रमा निरंजन ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि केजीएमयू में नियुक्तियां, खरीद और निर्माण जैसे बड़े फैसले डॉ. सिंह के प्रभाव में होते हैं। इससे राज्य सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इतना ही नहीं कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद के पति शरद मिश्र की भूमिका भी संदिग्ध बताई गई है। भाजपा विधायक रमा निरंजन ने केके हॉस्पिटल और डिग्री कॉलेज सहित अरबों की अकूत संपत्ति की जांच राष्ट्रीय एजेंसी से कराने की मांग की है और कहा है कि उन्हें सभी पदों से हटाया जाए।

12 आईपीएस और 35 पीपीएस अधिकारियों के तबादले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: शासन ने गुरुवार देर शाम को 12 आईपीएस और 35 पीपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिये हैं। जारी सूची में नोएडा कमिश्नरेट में एडीसीपी रही ट्विंकल जैन को लखनऊ और लखनऊ उत्तरी में एडीसीपी रहे ऋषभ रुनवाल को एएसपी नक्सल सोनभद्र बनाया गया है।

जारी आदेश के अनुसार, सागर जैन एएसपी ग्रामीण सहारनपुर से एडीसीपी प्रयागराज, मनोज कुमार रावत एएसपी पूर्वी गोंडा को संभल दक्षिणी, आयुष विक्रम सिंह को एएसपी सिटी मेरठ से बहराइच, विनायक गोपाल भोंसले को सीतापुर से मेरठ, अंतरिक्ष जैन को मेरठ से बुलंदशहर, लिपि नागयाच को गाजियाबाद कमिश्नरेट से वाराणसी का एडीसीपी, राजकुमार मीणा को प्रयागराज से मीरजापुर नक्सल एएसपी, अलोक कुमार को संभल से प्रतापगढ़, एडीसीपी वाराणसी डॉ. ईशान सोनी को एएसपी जालौन और एएसपी अलीगढ़ मयंक पाठक को सहारनपुर का एएसपी ग्रामीण बनाया गया है।

- नोएडा कमिश्नरेट की ट्विंकल जैन लखनऊ की एडीसीपी बनीं
- लखनऊ के ऋषभ रुनवाल को एएसपी नक्सल सोनभद्र बनाया गया

वहीं 35 पीपीएस अधिकारियों में आलोक कुमार सिंह को बहराइच से एसडीआरएफ मुख्यालय लखनऊ का उपसेनानायक, संजीव कुमार सिन्हा एएसपी रायबरेली को पुलिस मुख्यालय, आलोक सिंह-3 को एसीपी प्रयागराज से एएसपी रायबरेली, अजीत कुमार रजक को जौनपुर से एएसपी गोंडा, डॉ. तेजवीर सिंह को बुलंदशहर से अंबेडकरनगर, श्याम देव को एएसपी अंबेडकरनगर से 12वीं वाहिनी पीएसी उपसेनानायक फतेहपुर, मनीष कुमार मिश्र को मीरजापुर से अलीगढ़, शैलेंद्र लाल को प्रतापगढ़ से उन्नाव, एडीसीपी लखनऊ जया शांडिल्य को एएसपी अभिसूचना मेरठ, कृष्ण कांत सरोज को एएसपी अभिसूचना मेरठ से एएसपी विशेष जांच शाखा लखनऊ, प्रदीप कुमार वर्मा को जालौन से उपसेनानायक 2वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर, राजेश कुमार पांडेय-2 को कानपुर देहात से एडीसीपी गाजियाबाद कमिश्नरेट, अवनीश कुमार मिश्र को मथुरा से पीएसी मुख्यालय लखनऊ, श्वेता कुमारी यादव को एडीसीपी गाजियाबाद से एएसपी मथुरा, कृपा शंकर को बलिया से एएसपी कानून-व्यवस्था शाखा डीजीपी मुख्यालय, स्नेहा तिवारी चंदौली से एएसपी बलिया, राघवेंद्र कुमार मिश्रा को मेरठ से उपसेनानायक 2वीं वाहिनी एसएसएफ गोरखपुर, राजेश कुमार श्रीवास्तव एएसपी केंद्रीय भंडारण सीतापुर से एएसपी यातायात मेरठ, विवेक त्रिपाठी एएसपी यातायात आजमगढ़ से केंद्रीय भंडारण सीतापुर, अभिषेक कुमार सिंह को एटीएस लखनऊ से एएसपी बदायूं, शंकर प्रसाद को बुलंदशहर से पुलिस अकादमी मुरादाबाद, पियूष कांत राय को एडीसीपी आगरा से एएसपी चित्रकूट, सत्यपाल सिंह को चित्रकूट से एएसपी पीटीसी मुरादाबाद, आलोक प्रसाद को एएसपी सीतापुर से कानपुर देहात, अरुण कुमार सिंह-2 को फतेहगढ़ से एएसपी यातायात निदेशालय लखनऊ, गिरीश कुमार सिंह को एडीसीपी आगरा से एएसपी फतेहगढ़, राहुल मिठास को मैनपुरी से एएसपी तकनीकी सेवाएं लखनऊ, अभिषेक तिवारी को मेरठ से एएसपी मैनपुरी, महेंद्र पाल सिंह को फतेहपुर से सीआईडी सेक्टर लखनऊ का सेक्टर ऑफिसर बनाया गया है। इसी तरह ज्ञान प्रकाश राय को एडीसीपी गाजियाबाद से एएसपी फतेहपुर, सतीश चंद्र शुक्ला एएसपी भदोही को एएसपी आपरेशन चंदौली, प्रेमचंद एएसपी उन्नाव को एएसपी राज्य मानवाधिकार आयोग लखनऊ और अभिषेक प्रताप अजेय को एएसपी कन्नौज से बुलंदशहर का एएसपी नगर बनाया गया है।

कृषि विज्ञान कांग्रेस में नई चुनौतियों पर मंथन, आधुनिक, टिकाऊ और लाभकारी खेती पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि वैज्ञानिकों ने गन्ना आधारित फसल प्रणाली में हल्दी, मूंग, काली मिर्च और अजवाइन जैसी अंतः फसलों को शामिल करने को लाभकारी बताया। मृदा स्वास्थ्य सुधार के लिए जैव-उर्वरक आधारित पोषक तत्व प्रबंधन और कार्बनिक कार्बन बढ़ाने पर बल दिया गया।

कृषि वैज्ञानिक, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में आयोजित छठवीं उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस के दूसरे दिन गुरुवार को सात तकनीकी सत्रों में खेती की नई चुनौतियों पर व्यापक मंथन कर रहे थे। "विकसित कृषि विकसित भारत @2047" विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने आधुनिक, टिकाऊ और लाभकारी खेती पर जोर दिया।

तकनीकी सत्रों में प्राकृतिक खेती, मृदा स्वास्थ्य, जलवायु सहिष्णु फसल किस्मों के विकास, जैविक तनाव प्रबंधन और फार्म मशीनीकरण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने कृषि को केवल उत्पादन तक सीमित न रखकर उसे व्यवसाय के रूप में विकसित करने, मार्केटिंग, वैल्यू एडीशन और पैकेजिंग पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। "खेत एक फसल अनेक" की अवधारणा को अपनाने की भी संस्तुति की गई। इसके साथ ही पोषण सुरक्षा पर जोर देते हुए बेबी फूड में गाजर, आम और अमरूद पाउडर के उपयोग तथा आंवला, जामुन जैसे उत्पादों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने की सलाह दी गई। विशेषज्ञों ने जलवायु अनुकूल खेती और नई तकनीकों के जरिए कृषि को अधिक उत्पादक, सुरक्षित और लाभकारी बनाने पर बल दिया।

सेवानिवृत्त इंजीनियरों को समयबद्ध पेंशन देने की नई व्यवस्था

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने सेवानिवृत्त इंजीनियरों को समय पर पेंशन भुगतान सुनिश्चित करने के लिए नई व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं। शासन स्तर पर स्पष्ट किया गया है कि पेंशन मामलों में देरी या त्रुटि किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगी और सभी लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। सरकार का फोकस इस बात पर है कि रिटायरमेंट के बाद कर्मचारियों को अपने ही हक के लिए भटकना न पड़े। इसके लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि पेंशन स्वीकृति, भुगतान और अन्य देयकों की प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी बनाया जाए।

विवाद के बाद यूपी लौटे आईएएस अनुराग यादव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव को भेजा पत्र, कार्रवाई संभव
- वर्चुअल बैठक में सीईसी से बहस के बाद पर्यवेक्षक पद से हटाए गए

अनुराग यादव

अमृत विचार: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान विवादों में आए यूपी कैडर के वरिष्ठ आईएएस अनुराग यादव को चुनाव आयोग ने वापस बुला लिया है। वह लखनऊ लौट आए हैं और उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने इस मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र भेजा है, जिसमें आगे की कार्रवाई का संकेत दिया गया है। हालांकि, इस पर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि अनुराग यादव को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में सामान्य पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया गया था। चुनाव तैयारियों को लेकर आयोजित एक उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक के दौरान उनसे क्षेत्र के पोलिंग बूथ की संख्या पूछी गई, जिसका वह तुरंत सटीक जवाब नहीं दे पाए।

इसी दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त से उनकी तीखी बहस हो गई। बताया जाता है कि उन्होंने बैठक में आपत्ति जताते हुए कहा कि "आप इस तरह बात नहीं कर सकते", जिसके बाद मामला और बढ़ गया। घटना के बाद चुनाव आयोग ने उन्हें पर्यवेक्षक पद से हटाते हुए तत्काल वापस लौटने के निर्देश दिए। अनुराग यादव प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी हैं और वर्तमान में उत्तर प्रदेश में अहम जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इस घटनाक्रम के बाद प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में इस मामले की व्यापक चर्चा है।

बढ़ते कदम | 'सीएम युवा' योजना बनी गेमचेंजर

नवाचार से प्रदेश के हजारों युवा बने उद्यमी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 10 हजार से अधिक स्टार्टअप नए सत्र में ढाई गुना लक्ष्य
- फूड, डिजिटल, ट्रेनिंग और सर्विस सेक्टर में युवाओं का रुझान

अमृत विचार: योगी आदित्यनाथ सरकार की 'सीएम युवा' पहल ने प्रदेश में स्टार्टअप इकोसिस्टम को जमीनी स्तर पर मजबूत करते हुए इनोवेशन यानी नवाचार आधारित कारोबार को नई गति दी है। अब युवा नौकरी तलाशने के बजाय खुद रोजगार सृजित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

प्रदेश में अब तक 10 हजार से अधिक इनोवेटिव उद्यम स्थापित हो चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, कुल स्थापित उद्यमों में करीब 10 प्रतिशत इनोवेटिव मॉडल पर आधारित हैं, जिसे चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में 25 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। 'सीएम युवा' योजना के तहत युवाओं को न केवल वित्तीय सहायता मिल रही है, बल्कि उन्हें बाजार, तकनीक और बिजनेस मॉडल की समझ भी दी जा रही है।

उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक ने 2133 इनोवेटिव उद्यमों को वित्तपोषित कर सबसे आगे स्थान बनाया है। इसके अलावा एसबीआई (1549), बीओबी (1170), पीएनबी (1018) समेत अन्य बैंकों ने भी बड़े पैमाने पर ऋण देकर युवाओं के सपनों को हकीकत में बदलने में मदद की है।

नए सेक्टरों में बढ़ा भरोसा, बदल रही सोच

प्रदेश में स्टार्टअप का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। फूड और रेस्टोरेंट सेक्टर में सर्वाधिक 763 उद्यम स्थापित होना इस बदलाव का बड़ा संकेत है। इसके अलावा कंप्यूटर ट्रेनिंग (370), पैथोलॉजी सैंपलिंग (260), फास्ट फूड (253), फ्रेंचाइजी मॉडल (253) और ऑनलाइन टीचिंग (189) में भी तेजी देखी जा रही है। जिम, मोबाइल आईटी प्लेटफॉर्म, ट्रैवल एंड टूरिज्म और क्लाउड किचन जैसे उभरते क्षेत्रों में भी युवाओं की सक्रियता बढ़ी है।

जिलों में प्रतिस्पर्धा, लखनऊ सबसे आगे

जनपदवार आंकड़ों में राजधानी लखनऊ 287 इनोवेटिव उद्यमों के साथ शीर्ष पर है। इसके बाद आजमगढ़ (286) और हरदोई (262) दूसरे व तीसरे स्थान पर हैं। जौनपुर, अंबेडकर नगर, कानपुर, वाराणसी और रायबरेली जैसे जिले भी तेजी से इस दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं।

अमृत विचार

शुक्रवार , 10 अप्रैल 2026

अगर आप किसी से प्यार करते हैं, तो उसे जाने दें।

–खलील जिब्रान, दार्शनिक

महज रणनीतिक विराम

पश्चिम एशिया में ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच घोषित दो सप्ताह का युद्ध विराम पहली नजर में राहत देता है, परंतु इसके भीतर अस्थिरता की गहरी परतें छिपी हैं। सवाल यह नहीं कि युद्ध रुका है, बल्कि यह है कि क्या वास्तव में शांति की कोई ठोस जमीन तैयार हुई है। सबसे पहली बाधा भरोसे की है। डोनाल्ड ट्रंप के लगातार बदलते बयानों ने वार्ता की विश्वसनीयता को कमजोर किया है। जब एक पक्ष 'पूर्ण विनाश' की भाषा बोलता है और साथ ही वार्ता की भी बात करता है, तो कूटनीतिक प्रक्रिया पर स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा होता है। ऐसे में यह मान लेना कठिन है कि अमेरिका ईरान की सभी शर्तों को स्वीकार करेगा—विशेषकर सैन्य उपस्थिति, प्रतिबंधों और परमाणु कार्यक्रम जैसे संवेदनशील मुद्दों पर। जमीनी स्थिति भी शांति के अनुकूल नहीं है।

संयुक्त अरब अमीरात द्वारा ईरान के अस्फहान और लबान द्वीप पर हमले इस संघर्ष के विस्तार का संकेत हैं। यदि क्षेत्रीय देश सीधे युद्ध में शामिल होते हैं, तो यह संघर्ष बहु-ध्रुवीय हो जाएगा, जिससे किसी भी युद्धविराम की प्रासंगिकता कम हो जाती है। इसी तरह इजराइल द्वारा लेबनान में कार्रवाई और उसके जवाब में ईरान की नाराजगी तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने जैसे कदम स्थिति को और जटिल बनाते हैं। इस परिदृश्य में चीन की भूमिका निर्णायक बनती दिख रही है। ईरान द्वारा उसके कहने पर युद्धविराम स्वीकार करना इस बात का साफ संकेत है कि वैश्विक शक्ति संतुलन बदल रहा है। अमेरिका के लिए यह स्वीकार करना आसान नहीं होगा कि उसका पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र अब किसी अन्य शक्ति के हस्तक्षेप से संचालित हो। सैन्य दृष्टि से भी स्थिति अस्थिर है। ईरान के पास अभी भी पर्याप्त मिसाइल क्षमता और लांचर मौजूद हैं, जिससे वह वार्ता की मेज पर आत्मविश्वास के साथ बैठ सकता है। दूसरी ओर, अमेरिका द्वारा 14 दिनों के बाद और भीषण हमलों की संभावित योजना का संकेत इस युद्धविराम को 'सशर्त विराम' बना देता है, जहां शांति असफल होते ही संघर्ष और तीव्र हो सकता है। जब तक गाजा और लेबनान में हमले जारी हैं, तब तक पूरे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की कल्पना अधूरी है। क्षेत्रीय संघर्ष एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं; एक मोर्चे पर शांति और दूसरे पर युद्ध लंबे समय तक साथ नहीं चल सकते। कूटनीतिक स्तर पर भी समाधान कठिन है। न तो ईरान होर्मुज पर नियंत्रण छोड़ेगा न अमेरिका अपने सैन्य ठिकानों को हटाएगा। ईरान द्वारा परमाणु कार्यक्रम रोकना और इजराइल द्वारा स्थायी युद्ध बंदी की सहमति भी कठिन है।

भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा सीधे इस क्षेत्र की स्थिरता से जुड़ी है, इसलिए भारत को संतुलित कूटनीति के साथ-साथ शांति प्रयासों का समर्थन करना होगा। कुल मिलाकर यह दो सप्ताह का युद्धविराम ज्यादा से ज्यादा 'रणनीतिक विराम' प्रतीत होता है, न कि स्थायी समाधान की दिशा में निर्णायक कदम। यदि मूल मुद्दों—सुरक्षा, प्रभुत्व और विश्वास का समाधान नहीं हुआ, तो यह शांति अस्थायी ही साबित होगी और क्षेत्र एक बार फिर संघर्ष की आग में झुलस सकता है।

प्रसंगवश

विकास और भीड़ के शोर में गुम मानवता

आदिमानव भोजन और आश्रय की तलाश में जंगलों की खाक छानते और कंदराओं में शरण लेते थे। समय बदला और भटकते हुए वही कदम आज आधुनिक महानगरों की कंक्रीट की गगनचुंबी इमारतों की दहलीज तक पहुंच चुके हैं। यदि विकास की इस लंबी और थका देने वाली यात्रा का हम संजीदगी से विश्लेषण करें, तो यह केवल प्रगति का पथ नहीं दिखता। यह मनुष्य की एक ऐसी बौद्धिक 'शरारत' भी प्रतीत होती है, जिसने अपनी अंतहीन आवश्यकताओं की आड़ में पूरी प्रकृति और दुनिया का मौलिक स्वरूप ही बदल डाला है।

प्रारंभिक दौर में मनुष्य की बुद्धि में जो इज़ाफ़ा हुआ, उसने उसे अस्तित्व की लड़ाई जीतने और प्रकृति की प्रतिकूलताओं से लड़ने की प्रेरणा दी। पहिए के आविष्कार से लेकर आग के नियंत्रण तक, सब कुछ मनुष्य की जिजीविषा का प्रमाण था, किंतु जैसे-जैसे विकास का पहिया तेज घूमा, मनुष्य को सुविधा और सत्ता का एक ऐसा घातक

पवन साहू

विधि छात्र

चस्का लग गया, जिसे छोड़ना अब उसके वश में नहीं रहा। परिवर्तन की यह प्रक्रिया इतनी सूक्ष्म और मंथर थी कि हमें यह बिल्कुल सामान्य लगने लगी। एक पीढ़ी ने अपनी बुद्धि से सुख-सुविधाओं के जो आलीशान तामझाम खड़े किए, अगली पीढ़ी के लिए वही 'अनिवार्य परंपरा' बन गए।

इसी अंधानुकरण ने गांवों को कस्बों में और शहरों को उन मशीनी महानगरों में तब्दील कर दिया, जहां आज मानवता भीड़ के शोर में कहीं खो गई है। विकास का प्रकाश तो चारों ओर फैला, लेकिन इसी चकाचौंध के पीछे इंसानियत धर्मों, जातियों, संकीर्ण भाषाओं और कृत्रिम सीमाओं के अंधेरे में बंट गई। आदिमानव से आधुनिक मानव बनने के इस सफर में एक बहुत ही सूक्ष्म और खतरनाक मनोवैज्ञानिक 'शरारत' ने जन्म लिया सुरक्षा का भय। यहां एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है कि आखिर मनुष्य को यह सुरक्षा किससे चाहिए? इसका जो कड़वा सत्य उभर कर आया, वह यह था कि मनुष्य को सबसे बड़ा खतरा स्वयं मनुष्य से ही है।

यही वह निर्णायक मोड़ था, जहां से सुरक्षा की आड़ में किए गए आविष्कारों का रुख सृजन से हटकर सर्वनाश की ओर मुड़ गया। सुरक्षा की मृगतृष्णा में भटकते मनुष्य ने पहले आत्मरक्षा के नाम पर पत्थर के औजार बनाए, फिर गोले-बारूद और अंततः घातक बंदूकें व विशाल तोपें ईजाद कीं। जब इतने से भी असुरक्षा का बोध कम नहीं हुआ, तो उसने मिसाइलें, रासायनिक हथियार और परमाणु ऊर्जा जैसी प्रलयंकारी शक्तियां हासिल कर लीं। विडंबना देखिए कि आज विश्व के तमाम राष्ट्र अपनी गाढ़ी कमाई और प्राकृतिक संसाधनों का एक बड़ा हिस्सा केवल इन्हीं विनाशकारी हथियारों के निर्माण और रखरखाव पर स्वाहा कर रहे हैं। जिस धन से गरीबी और बीमारी मिट सकती थी, उससे मौत का सामान खरीदा जा रहा है।

आज वैश्विक स्थिति यह है कि विकास का जो चमकीला मुखौटा हमने पहन रखा है, वह असल में पूरी मानव जाति के लिए अस्तित्व का संकट बन चुका है। विडंबना यह है कि जिसके पास जितने ज्यादा घातक हथियार हैं, वह सुरक्षित होने के बजाय एक 'विनाशकारी अहंकार' से भर गया है। यह अहंकार मनुष्य को मनुष्य के खिलाफ युद्ध के मैदान में खड़ा कर देता है। राष्ट्रवाद की संकीर्ण परिभाषाओं और सीमाओं के जटिल जाल में हम इस कदर उलझ गए हैं कि हमें सामने वाला व्यक्ति 'इंसान' नहीं, बल्कि केवल एक नंबर या 'दुश्मन' नजर आता है। यदि सुरक्षा के नाम पर हम अपनों का ही रक्त बहाने को तत्पर हैं, तो ऐसी सुरक्षा व्यवस्था को जड़ से उखाड़ फेंकना ही उचित है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

पुलिसकर्मियों को सजाए मौत तंत्र के लिए बड़ी चेतावनी

विवेक सक्सेना

अयोध्या

तमिलनाडु के सथानकुलम कस्टोडियल किलिंग मामले में मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच द्वारा नौ पुलिसकर्मियों को सुनाई गई मौत की सजा न केवल एक ऐतिहासिक फैसला है, बल्कि यह देश के कानून प्रवर्तन तंत्र के लिए एक कड़ी चेतावनी भी है। यह फैसला तब आया है, जब हिरासत में होने वाली मौतों को लेकर लंबे समय से पुलिस सुधार की मांग उठ रही है। दोनों के साथ पुलिस स्टेशन के भीतर जो बर्बरता की गई थी, उसने मानवता को शर्मसार कर दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार कोविड काल के दौरान तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले के सथानकुलम में 19 जून 2020 को पुलिस ने लॉकडाउन के दौरान दुकान खुली रखने के आरोप में व्यापारी पी जयराज और उनके बेटे बेनिक्स को निर्धारित समय से अधिक समय तक मोबाइल फोन की दुकान खुली रखने के आरोप में हिरासत में लिया था।

बाद में यह आरोप झूठा साबित हुआ। दोनों को थाने ले जाया गया, जहां परिजनों के मुताबिक उनके साथ पूरी रात बुरी तरह मारपीट की गई। बाद में उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया, लेकिन 22 जून की रात बेनिक्स की और अगले दिन सुबह जयराज की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया। मद्रास हाईकोर्ट ने मामले का संज्ञान लिया और जांच पहले राज्य की सीबी-सीआईडी को और बाद में सीबीआई को सौंप दी गई। जांच में पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगे और कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

करीब छह साल बाद मदुरै की अदालत (मद्रास हाईकोर्ट) ने इसे 'रेयरेस्ट ऑफ द रेयर' (दुर्लभतम) मामला मानते हुए छह अप्रैल 2026 को नौ पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा दी है। कोर्ट ने माना कि दोनों को हिरासत में सुनियोजित (सोच-समझकर) तरीके से टॉर्चर किया गया था, इसलिए सख्त सजा जरूरी है। जांच के दौरान एक महिला कांस्टेबल की गवाही अहम रही, जिसने बताया कि थाने में रातभर पिटाई हुई थी और वहां खून के निशान भी थे, हालांकि थाने का सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित नहीं रखा गया, जिससे कुछ सबूत नहीं मिल सके।

अदालत ने यह भी कहा कि यह मामला सत्ता के गलत इस्तेमाल का गंभीर उदाहरण है, लेकिन इससे पूरी पुलिस व्यवस्था पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। अदालत ने इसे ऐसा मामला बताया, जिसने एक पूरे परिवार को तबाह कर दिया और साफ तौर पर सत्ता के गलत इस्तेमाल को दिखाता है। कोर्ट ने यह भी माना कि राज्य में कई ईमानदार पुलिसकर्मी भी हैं, लेकिन ऐसे गंभीर मामलों में सिर्फ उम्रकैद जैसी सजा से पुलिस के भीतर जरूरी डर नहीं बनेगा।

अदालत ने इस मामले में इंस्पेक्टर श्रीधर समेत नौ दोषियों को बेहद सख्त सजा सुनाई है। सभी को 'डबल डेथ सेंटेंस' यानी दो बार फांसी की सजा दी गई है। इसके साथ ही अलग-अलग धाराओं में एक साल से लेकर सात साल तक की जेल और कुल मिलाकर करीब 76.38 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जी मुथुकुमारन ने इसे दुर्लभतम मामला बताया। उन्होंने सजा सुनाते हुए कहा कि जनता की रक्षा का जिम्मा संभालने वालों ने ऐसा अपराध किया है, जिसने समाज की सामूहिक अंतरात्मा को झकझोर दिया है।

जज मुथुकुमारन ने कहा, यदि आम नागरिक ने यह अपराध किया होता, तो सामान्य सजा दी जा सकती थी, लेकिन अपराध पुलिस ने किया है, इसलिए साधारण सजा नहीं दी जा सकती। अदालत ने कहा कि यह हिरासत में हिंसा का स्पष्ट उदाहरण है।

यह फैसला एक गहरी व्यवस्थागत समस्या को रेखांकित करता है। भारत में हिरासत में होने वाली मौतें कोई नई बात नहीं हैं; प्रतिवर्ष सैकड़ों मौतें होती हैं। सुप्रीम कोर्ट के बार-बार के निर्देशों के बावजूद पुलिस बर्बरता जारी है, जो दर्शाता है कि पुलिस सुधार केवल कागजों पर हो रहे हैं। यह फैसला पुलिस प्रणाली में जवाबदेही और पारदर्शिता की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है। जो कानून के रक्षकों द्वारा भक्षक बनने पर कड़ी प्रतिक्रिया है। यह फैसला स्पष्ट करता है कि वर्दी का मतलब कानून से ऊपर होना नहीं है। जब कानून के रखवाले ही कानून को तोड़ते हैं, तो यह सीधे तौर पर संवैधानिक मूल्यों और मानवाधिकारों पर हमला है।

यह फैसला पुलिस विभाग के लिए एक चेतावनी है। सवाल यह है कि क्या पुलिस का काम लोगों की रक्षा करना है या उन्हें प्रताड़ित करना? कोविड नियमों के उल्लंघन के झूठे आरोप में निर्दोष लोगों को हिरासत में लेकर बेरहमी से पीटकर मार डालना, वर्दी के अहंकार की पराकाष्ठा है। इस तरह की घटनाएं जनता और पुलिस के बीच भरोसे को खत्म करती हैं, हालांकि कुछ लोग मौत की सजा के खिलाफ हैं और इसे 'मानवीय' नहीं मानते, लेकिन जब पुलिस की बर्बरता की सीमा पार हो जाती है, तो ऐसे मामलों में सख्त सजा ही एकमात्र रास्ता बचती है। जैसा कि पीड़ित परिवारों ने कहा, 'हमारे जैसा दर्द कोई दूसरा न झेले'। यह फैसला निश्चित रूप से पुलिस की मनमानी पर अंकुश लगाएगा और भविष्य में कस्टोडियल टॉर्चर को कम करने में मदद करेगा।

सथानकुलम मामला एक काले अध्याय की तरह याद रखा जाएगा, लेकिन इसका फैसला न्यायपालिका की सर्वोच्चता और कानून के शासन में जनता के भरोसे को बहाल करने का काम करता है। अब समय आ गया है कि पुलिस को एक 'बल' से 'सेवा' में बदलने की प्रक्रिया तेज की जाए, ताकि दोबारा किसी 'जयराज' या 'बेनिक्स' को अपनी जान न गंवानी पड़े। सजा-ए-मौत से डर तो पैदा होगा, लेकिन असली न्याय तभी होगा जब पुलिस हिरासत में किसी की मौत की कल्पना भी न की जा सके। यह ऐतिहासिक फैसला न्याय की जीत है। अब जिम्मेदारी है कि निचली अदालत के इस फैसले को उच्च न्यायालयों में भी कायम रखा जाए और मामले को जल्द से जल्द तार्किक अंत तक पहुंचाया जाए।

मदुरै बेंच द्वारा नौ पुलिसकर्मियों को सुनाई मौत की सजा ऐतिहासिक फैसला है। यह फैसला तब आया है, जब हिरासत में होने वाली मौतों को लेकर लंबे समय से पुलिस सुधार की मांग उठ रही है।

आमने

ईरान अब शांति चाहता है और बाकी दुनिया भी यही चाहती है। अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़े दबाव को संभालने में मदद करेगा और क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। अमेरिका अपने ज्यादातर सैन्य लक्ष्य हासिल कर चुका है और अब स्थायी शांति के लिए बातचीत आगे बढ़ाई जाएगी।

–डोनाल्ड ट्रंप
अमेरिकी राष्ट्रपति

सामने

ईरान पर हमले बंद रहते हैं, तो हमारी सेना भी कार्रवाई रोक देगी। अगले दो हफ्तों तक होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही सुरक्षित तरीके से जारी रहेगी। यह युद्ध विराम बातचीत का रास्ता खोलने के लिए है और आने वाले समय में इसे स्थायी समझौते में बदला जा सकता है।

–अब्बास अराघची
विदेश मंत्री, ईरान

नल में जल बनाम कागजों पर राहत

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

भारत दुनिया की लगभग 18% आबादी का घर है, लेकिन हमारे पास वैश्विक मीठे पानी का केवल 4% हिस्सा ही उपलब्ध है। यह असंतुलन ही देश में जल संकट की बुनियादी जड़ है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 60 करोड़ भारतीय उच्च से अत्यधिक जल तनाव का सामना कर रहे हैं। भारत जब आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का दावा कर रहा है, तब एक बुनियादी सवाल देश के विकास के दावों को चुनौती दे रहा है- क्या हम अपने नागरिकों को एक गिलास शुद्ध पानी देने में सक्षम हैं?

इस साल के एक फरवरी 2026 को पेश किए गए केंद्रीय बजट में जल शक्ति मंत्रालय के लिए 67,600 करोड़ का आवंटन कर सरकार ने अपनी मंशा तो साफ कर दी है, लेकिन धरातल की हकीकत बजट के इन चमकदार आंकड़ों से कहीं अधिक भयावह है। जल जीवन मिशन और 'अमृत' जैसे प्रोजेक्ट्स के पिछले सात वर्षों के सफर को देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि व्यवस्था ने केवल पाइप बिछाने की गति को ही सफलता मान लिया, जबकि पानी की शुद्धता और उसकी निरंतरता को हाशिए पर धकेल दिया गया। 2025-26 के बीच भारत के शहरी और ग्रामीण इलाकों में दूषित पानी ने जो तांडव मचाया है, वह किसी भी आधुनिक राष्ट्र के लिए शर्मसार करने वाला है। दिसंबर 25 से जनवरी 26 के पहले सप्ताह के बीच ही देश के 26 प्रमुख शहरों में सीवेज मिश्रित पानी पीने से 5,500 से अधिक लोग बीमार हुए और कम से कम 34 की मौत हो गई।

इंदौर, जिसे भारत का सबसे स्वच्छ शहर होने का गौरव प्राप्त है, वहां की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। दिसंबर 2025 के अंतिम सप्ताह में इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पाइपलाइन में सीवेज का पानी मिलने से 37 लोगों की मौत हो गई और 1,400 से अधिक लोग अस्पताल पहुंच गए। इसी तरह, जनवरी 2026 की शुरुआत में बेंगलुरु के पॉश इलाकों और गांधीनगर (गुजरात) में सैकड़ों बच्चे दूषित पानी के कारण टाइफाइड और डायरिया का शिकार हुए। ये घटनाएं केवल मानसून की समस्या नहीं हैं, बल्कि यह एक 'सदाबहार शहरी संकट' बन चुका है।

अगस्त 2019 में जब 'जल जीवन मिशन' शुरू हुआ, तब लक्ष्य था 2024 तक हर घर को नल से जोड़ना। सरकारी पोर्टल के अनुसार, जनवरी 2026 तक देश के लगभग 81.5% ग्रामीण घरों (करीब 15.8 करोड़ घर) में नल लग चुके हैं, लेकिन इस 'संख्यात्मक सफलता' के पीछे एक बड़ा ढांचागत दोष है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के 79वें दौर के आंकड़ों के अनुसार, पाइपलाइन कवरेज के बावजूद केवल 39% ग्रामीण घर ही नल के पानी को अपने प्राथमिक स्रोत के रूप में उपयोग कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में यह उपयोग दर 10% से 30% के बीच है।

इस विफलता के कारणों की सूची लंबी है, लेकिन देश में सर्वाधिक देखा गया कि हजारों गांवों में पाइप और नल तो लगे हैं, लेकिन पानी का दबाव इतना कम है कि वह अंतिम घर तक नहीं पहुंचता। कई स्थानों पर तो नल केवल 'शोपीस' बनकर रह गए हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पहाड़ी क्षेत्रों के 60% जल स्रोत सूख चुके हैं। मैदानी इलाकों में भूजल का स्तर इतनी तेजी से गिर रहा है कि नलों के लिए पानी का कोई स्थायी स्रोत ही नहीं बचा है। ठेकेदारी प्रथा और जवाबदेही की कमी के कारण पाइप लाइनें बिछाने के कुछ महीनों बाद ही फटने लगी हैं। सबसे भयानक है कि भारत दुनिया में भूजल का सबसे बड़ा उपयोगकर्ता है।

पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में भूजल का स्तर खतरनाक रूप से नीचे गिर गया है। कृषि में 'वाटर गज़लर' फसलों (जैसे धान और गन्ना) के लिए अंधाधुंध पंपिंग ने जलभृतों (एक्वाफर्स) को सुखा दिया है। इन कारणों से पानी की गुणवत्ता में गिरावट आ रही है । केवल पानी की कमी नहीं है, बल्कि उपलब्ध पानी की गुणवत्ता भी गिर रही है। लगभग 70% सतही जल प्रदूषित है। भूजल में आर्सेनिक, फ्लोराइड और यूरेनियम की बढ़ती मात्रा 'कैंसर बेल्ट' जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे रही है।

गांवों से पलायन व शहरों का अनियोजित विकास, सरकार द्वारा तैयार मूलभूत संरचना पर आवश्यकता से अधिक बोझ ने महानगरों को पानी के लिए कंगाल बना दिया है। दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइपलाइन लीकेज और सीवेज मिक्सिंग एक आम समस्या बन गई है। 2026 की शुरुआत में ही कई शहरों में दूषित पानी के कारण बीमारियां और मौतें दर्ज की गई हैं। सरकार द्वारा शहरी क्षेत्रों के लिए शुरू की गई 'अमृत 2.0' का लक्ष्य शहरों को 'वॉटर सिक्योर' बनाना था, लेकिन संसदीय स्थायी समिति की दिसंबर 25 की रिपोर्ट के अनुसार, शहरी भारत में अभी भी 30-70% पानी 'नॉन-रेवेन्यू वॉटर' के रूप में बर्बाद हो जाता है, जो मुख्य रूप से पाइपलाइनों के रिसाव के कारण होता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

बजट में जल शक्ति मंत्रालय के लिए 67,600 करोड़ देकर सरकार ने अपनी मंशा साफ कर दी है, लेकिन धरातल की हकीकत बजट के इन चमकदार आंकड़ों से कहीं अधिक भयावह है।

सोशल फोरम

हीरोइन के कत्ल की दास्तां

मौजूदा पीढ़ी के लोगों को इस बात पर हैरानी हो सकती है कि फिल्म अभिनेत्री प्रिया राजवंश का क़त्ल हुए कोई 26 साल बीत चुके हैं। मुंबई पुलिस इस मामले में अपनी तफ़्तीश पूरी कर चुकी है। निचली अदालत मुक़दमे की सुनवाई पूरी करके दोषियों को सज़ा भी सुना चुकी है, लेकिन मामला अब ऊपरी अदालत में है, और वहां पड़ रही हैं, तारीख़ पर तारीख़...!

पंकज शुक्ला

फिल्म ब्लॉगर

ये क़िस्सा ऐसा है कि जब पहली बार ये सामने आया तो इसने पूरी फ़िल्म इंडस्ट्री को ही नहीं बल्कि देश-दुनिया को हिलाकर रख दिया। अपने ज़माने की एक बेहद ख़ूबसूरत हसीना अपने बंगले में बेजान पाई गई। पुलिस ने जांचा परखा तो मामला मर्डर का निकला। तफ्तीश हुई, मुक़दमा चला, जिरह हुई और फिर हुई उम्रक़ैद ऐसे चार लोगों को, जिनमें दो पर इन मोहतरमा की देखरेख की जिम्मेदारी थी और दो थे, इनके पार्टनर के बेटे।

'हीर रांझा', 'हंसते ज़ख्म' जैसी सुपर-डुपर हिट फ़िल्मों की हीरोइन रहीं प्रिया राजवंश का करियर भले ही छोटा रहा हो, लेकिन प्रिया राजवंश की ज़िंदगी यूं लगता है कि जैसे किसी जासूसी उपन्यास का क़िस्सा है। उनका जन्म आज के पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के झेलम में हुआ। घर वालों ने नाम रखा वीरा सुंदर सिंह। वीरा सुंदर सिंह को प्रिया राजवंश नाम दिया मशहूर निर्माता-निर्देशक चेतन आनंद ने। अभिनेता देव आनंद के भाई चेतन आनंद को अपनी फ़िल्म के लिए एक नई हीरोइन की तलाश थी। उन्होंने वीरा को अपनी फ़िल्म 'हक़ीक़त' के लिए साइन कर लिया।

चेतन का प्रिया के साथ बहुत गहरा रिश्ता रहा। प्रिया ने अपनी सभी फ़िल्में चेतन आनंद के निर्देशन में ही कीं। प्रिया राजवंश और चेतन आनंद ने कभी शादी तो नहीं की, लेकिन ये दोनों साथ ही रहते थे। चेतन अपनी पत्नी उमा से अलग हो गए थे। चेतन, प्रिया से लगभग 20 साल बड़े थे। 1997 में चेतन के गुज़र जाने के बाद प्रिया पूरी तरह टूट चुकी थीं। 27 मार्च 2000 को चेतन के जुहू बंगले में प्रिया का शव पाया गया। मुंबई पुलिस के मुताबिक़, उनकी हत्या की गई थी। पुलिस ने उनकी हत्या के जुर्म में चेतन के बेटे केतन और विवेक आनंद को दो नौकरों माला चौधरी और अशोक चिन्नास्वामी के साथ गिरफ्तार भी किया। प्रिया की हत्या की वजह चेतन की वसीयत बताई गई। प्रिया के लिखे नोट्स और पत्रों को अदालत में सबूत के तौर पर पेश किया गया। इसके बाद चारों दोषियों को उम्र कैद की सजा सुनाई गई। बाद में सभी हत्याभियुक्तों को ज़मानत मिल गई और मामला फिर से वहीं का वहीं रह गया। **–फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

भेदभावपूर्ण समाज को जन्म देता है दोहरा दृष्टिकोण

भारत के शहरों में अतिक्रमण कोई नई समस्या नहीं है, लेकिन जिस तरह से इस पर कार्रवाई की जाती है, वह एक बड़े सामाजिक और प्रशासनिक असंतुलन की ओर इशारा करती है। हर कुछ दिनों में खबरें आती है कि कहीं झुग्गियां तोड़ी गईं, कहीं रेहड़ी-पटरी वालों को हटाया गया, कहीं फुटपाथ खाली कराए गए। यह सब कानून के दायरे में उचित भी हो सकता है, क्योंकि सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जा किसी भी शहर के सुव्यवस्थित विकास में बाधा बनता है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या अतिक्रमण केवल उन्हीं तक सीमित है, जिनकी आवाज़ सबसे कमजोर है?

हम ईमानदारी से अपने शहरों को देखें, तो पाएंगे कि अतिक्रमण का दायरा कहीं अधिक व्यापक है। बड़े-बड़े मॉल और कॉम्प्लेक्स अपने पार्किंग क्षेत्र से बाहर सड़कों तक वाहनों की कतारें फैला देते हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

शिक्षक

अस्पतालों के बाहर एंबुलेंस और निजी वाहनों का ऐसा जमावड़ा होता है कि सड़कें संकरी पड़ जाती हैं। दुकानों का सामान सड़क तक फैल जाता है, जिससे पैदल चलने वालों के लिए जगह ही नहीं बचती, लेकिन इन पर कार्रवाई या तो बहुत कम होती है या फिर केवल दिखावे के लिए की जाती है। जब बात रेहड़ी-पटरी वालों या झोपड़ियों की आती है, तो कार्रवाई तेज, सख्त और अक्सर निर्दयी हो जाती है।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज के भीतर मौजूद वर्गीय असमानता को भी उजागर करती है। कानून का उद्देश्य सभी के लिए समान होना चाहिए, लेकिन व्यवहार में यह अक्सर कमजोरों पर ही अधिक कठोरता से लागू होता है। जब गरीब की झोपड़ी तोड़ी जाती है, तो वह केवल एक ढांचा नहीं टूटता, बल्कि उसके जीवनयापन का आधार भी छिन जाता है। वहीं, जब किसी बड़े प्रतिष्ठान द्वारा सड़क पर अतिक्रमण किया जाता है, तो उसे 'व्यवसायिक आवश्यकता' या 'सुविधा' के नाम पर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

अतिक्रमण के इस असमान दृष्टिकोण का एक और पहलू प्रशासनिक लापरवाही भी है। शहरों की सड़कों के बीचोंबीच खड़े बिजली के खंभे और ट्रांसफॉर्मर अक्सर दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। ये न केवल यातायात को बाधित करते हैं, बल्कि कई बार जानलेवा भी साबित होते हैं। इसके बावजूद इन्हें हटाने या व्यवस्थित करने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जाते। यह एक ऐसा अतिक्रमण है, जो स्वयं व्यवस्था द्वारा किया गया है, लेकिन इसकी जिम्मेदारी तय करने से बचा जाता है।

शहरों के सेक्टरों और कॉलोनियों में लोगों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा करना भी आम है। जाली और फेंसिंग लगाकर पार्कों, गलियों और खाली स्थानों को निजी संपत्ति की तरह उपयोग किया जाता है। यह धीरे-धीरे एक सामान्य प्रथा बन जाती है, क्योंकि इस पर समय रहते कोई कार्रवाई नहीं होती। परिणामस्वरूप, शहरों का नियोजित ढांचा बिगड़ता जाता है और सार्वजनिक स्थान सिमटते जाते हैं।

शहरी यातायात की समस्या को देखते हुए यह भी स्पष्ट है कि केवल अतिक्रमण हटाने से समाधान नहीं निकलेगा। बुनियादी ढांचे में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। दिल्ली रोड जैसे व्यस्त मार्गों पर यदि हर चौराहे पर लेफ्ट टर्न के लिए स्लिप रोड बनाई जाए, तो यातायात का दबाव काफी हद तक कम हो सकता है। इसी तरह, उचित पार्किंग व्यवस्था, फुटपाथों का विकास और ट्रैफिक प्रबंधन के आधुनिक उपाय भी जरूरी हैं, लेकिन इन दीर्घकालिक समाधानों पर ध्यान देने के बजाय अक्सर तात्कालिक और दृश्यात्मक कार्रवाइयों को प्राथमिकता दी जाती है। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खोज

ऐसे हुआ रिवाल्वर का आविष्कार

रिवाल्वर के आविष्कार की कहानी आधुनिक हथियारों के विकास में एक महत्वपूर्ण मोड़ मानी जाती है। 19 वीं सदी से पहले आग्नेयास्त्रों में एक बड़ी समस्या यह थी कि हर बार गोली चलाने के बाद उन्हें फिर से लोड करना पड़ता था, जिससे समय लगता था और युद्ध के दौरान यह असुविधाजनक होता था।

इस समस्या का समाधान सैमुएल कोल्ट ने निकाला। उन्होंने 1830 के दशक में रिवाल्वर का डिजाइन तैयार किया, जिसमें एक घूर्णनशील सिलेंडर (cylinder) होता था। इस सिलेंडर में कई गोलियां एक साथ भरी जा सकती थीं, जिससे बिना बार-बार लोड किए लगातार फायर करना संभव हो गया। 1836 में उन्हें अपने इस आविष्कार का पेटेंट मिला और यही आधुनिक रिवाल्वर की शुरुआत थी। कहा जाता है कि सैमुअल कोल्ट को यह विचार एक जहाज यात्रा के दौरान आया, जब उन्होंने जहाज के पहिए (wheel) की घूर्णन प्रणाली को देखा। उसी सिद्धांत को उन्होंने हथियार में लागू किया। उनका बनाया रिवाल्वर जल्द ही लोकप्रिय हो गया, खासकर सेना और कानून-व्यवस्था से जुड़े लोगों के बीच।

समय के साथ रिवाल्वर में कई सुधार हुए, जैसे बेहतर मैकेनिज्म, अधिक सुरक्षित डिजाइन और शक्तिशाली कारतूस। यह हथियार अमेरिका के "वाइल्ड वेस्ट" दौर का प्रतीक भी बन गया और कई ऐतिहासिक घटनाओं में इसका उपयोग हुआ। इस प्रकार, रिवाल्वर का आविष्कार न केवल तकनीकी नवाचार था, बल्कि इसने युद्ध और सुरक्षा के तरीकों को भी पूरी तरह बदल दिया।

वैज्ञानिक के बारे में

सैमुअल कोल्ट का जन्म 19 जुलाई 1814 को हार्टफोर्ड में हुआ था। बचपन से ही उनमें आविष्कार की गहरी रुचि थी और वे रसायन तथा यांत्रिकी के प्रयोगों में लगे रहते थे। कोल्ट का निजी जीवन उतार-चढ़ाव से भरा रहा। शुरुआती असफलताओं और आर्थिक संकटों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। 1856 में उन्होंने Elizabeth Jarvis Colt से विवाह किया, जो उनके जीवन में स्थिरता लेकर आईं। दंपति के कई बच्चे हुए, हालांकि अधिकांश शैशव अवस्था में ही गुजर गए, जो उनके जीवन का दुखद पक्ष था। अपने जीवनकाल में कोल्ट एक सफल उद्योगपति बने और उन्होंने समाजसेवा में भी योगदान दिया। 1862 में मात्र 47 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया, लेकिन वे अपने आविष्कारों के कारण आज भी याद किए जाते हैं।

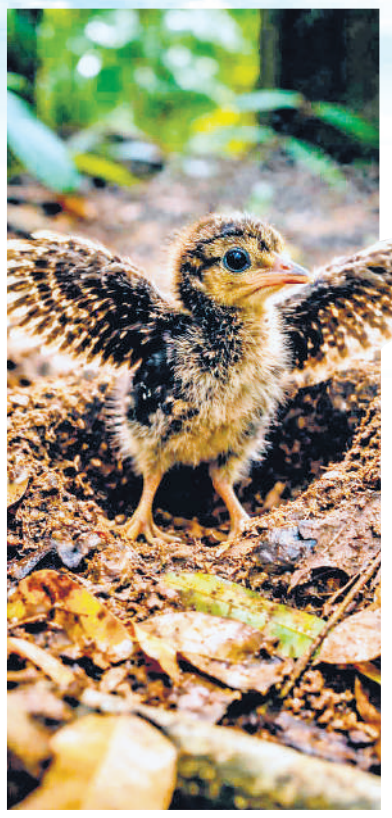

निकोबारी मेगापोड
विकास में विलुप्त होती विरासत

प्रकृति की प्रयोगशाला का वह बेजोड़ पक्षी, जो अपनी चोंच से घोंसले की तपिश मापता है और अंडों को सेने के लिए देह की गर्मी नहीं, बल्कि वनस्पतियों की जैविक ऊर्जा का उपयोग करता है। कभी सुनामी के संकट से तो कभी 'विकास' की दौड़ से, कैसे अपनी ही जमीन पर बेगाना-सा हो रहा है निकोबारी मेगापोड? 2026 के नवीनतम शोध में मात्र 4 .5 प्रतिशत रह गए पर्यावास में अस्तित्व की आखिरी जंग लड़ती इस दुर्लभ विरासत की विशेष पड़ताल।

कल्पना कीजिए एक ऐसे पक्षी की जिसे किसी द्वीप के तटवर्ती जिले ने अपनी लोकतांत्रिक पहचान चुनाव शुभंकर के रूप में चुना हो, ताकि मतदाता जागरूक हों और मतदान प्रतिशत को बढ़ाया जा सके, लेकिन विडंबना यह है कि जिस जीव को हमने लोकतंत्र का प्रतीक बनाया उसका अपना अस्तित्व ही आज विकास और विनाश के बीच झूल रहा है। यह कहानी है अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के एक अनोखे, शर्मीले लेकिन अद्भुत इंजीनियर निकोबारी मेगापोड की इसे 2024 के लोकसभा चुनावों में निकोबार के लिए चुनावी शुभंकर बनाया गया था।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
वन्यजीव लेखक, जयपुर

2026 का वैज्ञानिक सच

- वन्यजीव संस्थान के 2026 के नवीनतम शोध इस पक्षी के भविष्य को लेकर गंभीर चेतावनी देते हैं:
- **सीमित आवास:** निकोबार द्वीप समूह के कुल क्षेत्रफल का मात्र 4.5 प्रतिशत (लगभग 79.30 वर्ग किमी) क्षेत्र ही इसके पर्यावास के लिए उपयुक्त बचा है।
- **समुद्र पर निर्भरता:** इसके 97 प्रतिशत घोंसले (टीले) समुद्र तट से मात्र 100 मीटर के भीतर पाए जाते हैं।
- **मुख्य आश्रय:** ग्रेट निकोबार द्वीप इसका सबसे बड़ा गढ़ है, जहां लगभग 31.39 वर्ग किमी उपयुक्त क्षेत्र मौजूद है। ये आंकड़े इस ओर संकेत देते हैं कि इसका अस्तित्व एक बेहद संकीर्ण भौगोलिक दायरे में सिमट चुका है।

प्राकृतिक हीटर और मिट्टी के महल

'मेगापोड' का अर्थ है - बड़े पैरों वाला, लेकिन इसकी असली पहचान इसके पैर नहीं, बल्कि असाधारण इंजीनियरिंग क्षमता है। यह पक्षी अन्य पक्षियों की तरह अंडों को सेने के लिए उन पर नहीं बैठता। एक जोड़ा मिलकर लगभग 4 से 5 मीटर व्यास और 2 मीटर तक ऊंचे टीले का निर्माण करता है, जो रेत, मिट्टी और सूखी पत्तियों का एक विशाल टीला होता है। सूखी पत्तियों के अपघटन (सड़ने) से उत्पन्न ऊष्मा ही इसके अंडों को सेने का काम करती है। यह व्यवहार इसे दुनिया के अन्य पक्षियों से बिल्कुल अलग और विशेष बनाता है। निकोबार के आदिवासी इसे 'कुआउ' के नाम से भी पुकारते हैं। इसका टीलेनुमा घोंसला ही एक तरह का प्राकृतिक इनक्यूबेटर है। अंडों के विकास के लिए टीले के अंदर का तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस के बीच होना आवश्यक है। जरा-सी भी ऊंच-नीच अंडों को नष्ट कर सकती है। यहां नर मेगापोड दिन में कई बार अपनी चोंच को टीले की गहराई में डालकर तापमान की जांच करता है। उसकी चोंच में मौजूद तंत्रिकाएं एक डिजिटल थर्मामीटर से भी अधिक सटीक होती हैं। तापमान बढ़ने पर वह टीले की ऊपरी परत हटाकर गर्मी बाहर निकाल देता है। तापमान कम होने पर अधिक गीली पत्तियां और मिट्टी ऊपर चढ़ा देता है। तापमान का यह संतुलन बनाए रखना किसी चमत्कार से कम नहीं है।

सुनामी की मार और विकास का दबाव

2004 की विनाशकारी सुनामी ने इस पक्षी प्रजाति को गहरा आघात पहुंचाया, जिससे इसकी आबादी में 71 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई। हालांकि प्रकृति के इस प्रहार से उबरने की कोशिशें जारी थीं, लेकिन अब मानव-निर्मित विकास परियोजनाएं ही इसके लिए एक नए संकट के रूप में सामने आई हैं। पत्रिका फ्रंटलाइन की एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित निर्माण कार्यों के चलते इस पक्षी के लगभग 80 प्रतिशत प्रजनन स्थल खतरे में हैं। इसके अलावा, द्वीपों पर मनुष्यों द्वारा पाले गए कुत्तों, बिल्लियों और सूअरों ने इनके अंडों और चूजों को भारी नुकसान पहुंचाया है। सड़क निर्माण और तटीय विकास के कारण इनके प्राकृतिक आवास सिमटते जा रहे हैं। मानवीय हस्तक्षेप का इतना व्यापक असर हो रहा है कि यह पक्षी कार निकोबार और चौरा द्वीप जैसे क्षेत्रों से लगभग विलुप्त हो चुका है।

सुपर-कमांडो चूजों की अद्भुत आत्मनिर्भरता

मेगापोड के चूजे पक्षी जगत में जिजीविषा के अनोखे जीव माने जाते हैं। अंडे से निकलने के बाद वे टीले की गहराई में दबे होते हैं और उन्हें बाहर निकलने के लिए स्वयं ही रास्ता खोदना पड़ता है। ये 'सुपर-प्रिकॉशियल' होते हैं अर्थात जन्म के तुरंत बाद पूरी तरह आत्मनिर्भर। इन्हें न तो माता-पिता की देखरेख की जरूरत होती है और न ही ही किसी शिक्षण-प्रशिक्षण की। ये चूजे 24 घंटे के भीतर उड़ने और भोजन खोजने में सक्षम हो जाते हैं।

नीति के साथ ही नीयत भी

यह पक्षी हमें सिखाता है कि प्रकृति में ऊर्जा के कैसे-कैसे स्रोत छिपे हैं। निकोबारी मेगापोड केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि एक चलता-फिरता इकोसिस्टम है। इसके द्वारा बनाए गए टीलों का उपयोग अक्सर अन्य जीव भी अपने लाभ के लिए करते हैं। इसे बचाना केवल एक प्रजाति को बचाना नहीं, बल्कि निकोबार की प्राचीन प्राकृतिक विरासत को बचाना है। निकोबारी मेगापोड केवल एक पक्षी नहीं, बल्कि द्वीपों की पारिस्थितिकी और सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग है। सरकार ने इसे वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत उच्चतम सुरक्षा प्रदान की है, लेकिन इसकी संकटग्रस्त स्थिति को देखते हुए इसकी कागजी सुरक्षा पर्याप्त नहीं है। इसका वास्तविक संरक्षण तभी संभव है, जब विकास योजनाओं में पारिस्थितिक संवेदनशीलता को केंद्र में रखा जाए और स्थानीय जैव-विविधता को प्राथमिकता दी जाए।

लोकतंत्र की असली परीक्षा

आज विकास का एक ऐसा मॉडल चुना जाना चाहिए, जिसमें प्रकृति और प्रगति साथ-साथ चल सकें। यदि हम इस 'चुनावी शुभंकर' को बचाने में सफल होते हैं, तो यह केवल एक प्रजाति का संरक्षण नहीं, बल्कि यह हमारी वैज्ञानिक समझ, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक परिपक्वता की सच्ची और सार्थक जीत होगी।

वाइल्ड लाइफ

तराई की समृद्ध जैव विविधता: एक उभरता वैश्विक केंद्र

उत्तर भारत का तराई क्षेत्र देश के सबसे जीवंत वन्यजीव परिदृश्यों में से एक के रूप में तेजी से उभर रहा है। अपने घने जंगलों, विशाल घास के मैदानों और समृद्ध नदी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए मशहूर पीलीभीत टाइगर रिजर्व और दुधवा नेशनल पार्क जैसे गंतव्य अब दुनियाभर के वन्यजीव प्रेमियों को आकर्षित कर रहे हैं। इस बढ़ती पहचान का एक बड़ा श्रेय वन्यजीव फोटोग्राफर अनूप रोहेरा द्वारा उनके प्लेटफॉर्म @ UnWildIndia के माध्यम से की जा रही जमीनी स्तर की निरंतर 'स्टोरीटेलिंग' (किस्सागोई) को जाता है। वर्षों से उनके काम ने तराई की प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता को उजागर किया है, जिससे स्विट्जरलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों के अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को इन परिदृश्यों को देखने के लिए आने में मदद मिली है। उनके दृश्यात्मक वृत्तांतों ने तराई को वैश्विक वन्यजीव मानचित्र पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अनूप रोहेरा
वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर

भारत के भीतर भी इस क्षेत्र के प्रति रुचि में भारी उछाल देखा गया है। देशभर के वन्यजीव फोटोग्राफर और प्रकृति प्रेमी यहां की यात्राओं की योजना बना रहे हैं। प्रामाणिक और सूचनात्मक डिजिटल कंटेंट के प्रभाव ने जिम्मेदार पर्यटन और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव को प्रोत्साहित किया है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व, दुधवा टाइगर रिजर्व, किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य और कतरनियाघाट वन्यजीव अभयारण्य से 'अनवाइल्ड इंडिया' (UnWild India) द्वारा बनाई गई वन्यजीव फिल्मों और दृश्यात्मक कहानियों को व्यापक लोकप्रियता मिल रही है। ये परिदृश्य, जो कभी कम जाने जाते थे, अब अपनी अविश्वसनीय जैव विविधता के लिए पहचाने जाते हैं, जिनमें बाघ, तेंदुए, गैंडे, सुस्त भालू (स्लॉथ बीयर), हाथी और सैकड़ों प्रवासी पक्षी शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश पर्यटन द्वारा ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के प्रयासों और उत्तर प्रदेश वन विभाग के संरक्षण के निरंतर कार्यों ने इस विकास को और मजबूती दी है। इन साझा प्रयासों ने बाघों की आबादी बढ़ाने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में योगदान दिया है। आज, तराई इस बात का एक सशक्त उदाहरण है कि कैसे कहानी सुनाने की कला (स्टोरीटेलिंग), संरक्षण और जिम्मेदार पर्यटन मिलकर किसी क्षेत्र की पहचान को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर बदल सकते हैं।

इंसान के भीतर छिपे दूसरे जीवों के जीन का रहस्य

रोचक फैक्ट

मनुष्य स्वयं को पृथ्वी की सबसे विकसित और श्रेष्ठ प्रजाति मानता है, लेकिन आधुनिक आनुवंशिक विज्ञान इस धारणा को एक नए दृष्टिकोण से देखने के लिए प्रेरित कर रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, मानव जीनोम पूरी तरह "शुद्ध" नहीं है, बल्कि इसमें लगभग 145 ऐसे जीन पाए गए हैं, जो बैक्टीरिया, कवक, अन्य एककोशिकीय जीवों और यहां तक कि वायरस से आए हैं। यह रोचक तथ्य जीनोम बायोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में सामने आया है, जिसने विकासवाद की पारंपरिक समझ को चुनौती दी है।

इन जीनों का आदान-प्रदान "क्षैतिज जीन स्थानांतरण" (Horizontal Gene Transfer) नामक प्रक्रिया के माध्यम से हुआ है। सामान्यतः हम यह मानते हैं कि जीन माता-पिता से संतानों में ही स्थानांतरित होते हैं, जिसे "ऊर्ध्वाधर जीन स्थानांतरण" कहा जाता है, लेकिन क्षैतिज जीन स्थानांतरण में जीन एक जीव से दूसरे, पूरी तरह भिन्न प्रजाति में भी पहुंच सकते हैं। यह प्रक्रिया विशेष रूप से सूक्ष्मजीवों में सामान्य है, परंतु अब इसके प्रमाण मनुष्यों और अन्य जटिल जीवों में भी मिल रहे हैं।

नए शोधों के अनुसार, ये "विदेशी" जीन मानव शरीर के कई महत्वपूर्ण कार्यों में भूमिका निभाते हैं। उदाहरण के लिए कुछ जीन प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाने, संक्रमणों से लड़ने और पाचन क्रिया को सुचारु रखने में सहायक होते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि प्राचीन काल में जब हमारे पूर्वज लगातार विभिन्न सूक्ष्मजीवों के संपर्क में आए, तब यह जीन स्थानांतरण संभव हुआ होगा, जिसने उन्हें नए वातावरण के अनुरूप ढलने में मदद की।

हाल के अध्ययनों में यह भी सामने आया है कि मानव शरीर में मौजूद माइक्रोबायोम यानी अरबों सूक्ष्मजीवों का समूह इस जीन आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आंतों में रहने वाले बैक्टीरिया न केवल पाचन में मदद करते हैं, बल्कि वे जीन के आदान-प्रदान के माध्यम से हमारे स्वास्थ्य और रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी प्रभावित कर सकते हैं।

इसके अलावा, वायरस भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण "वाहक" के रूप में कार्य करते हैं। वे अपने जीन को मानव कोशिकाओं में सम्मिलित कर सकते हैं, जिससे कभी-कभी नई आनुवंशिक विशेषताएं विकसित हो जाती हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मानव जीनोम का एक छोटा हिस्सा प्राचीन वायरसों के अवशेषों से भी बना है, जिन्हें "एंडोजीनस रेट्रोवायरस" कहा जाता है।

इस प्रकार, यह स्पष्ट होता है कि मानव विकास एक सीधी रेखा में नहीं, बल्कि जटिल और परस्पर जुड़े हुए जैविक आदान-प्रदान का परिणाम है। क्षैतिज जीन स्थानांतरण की यह अवधारणा न केवल विकासवाद की हमारी समझ को विस्तृत करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि जीवन के विभिन्न रूप एक-दूसरे से कितने गहरे जुड़े हुए हैं। मनुष्य की "श्रेष्ठता" का विचार अब एक नई वैज्ञानिक विनम्रता में बदलता दिखाई देता है, जहां हम खुद को प्रकृति की विशाल जैविक श्रृंखला का एक हिस्सा मानने लगते हैं।

लाल ग्रह की रेत में दफन प्राचीन तूफान का रहस्य

लगभग तीन अरब वर्ष पहले का मंगल आज के निर्जन, ठंडे और शुष्क ग्रह से बिल्कुल अलग रहा होगा। वैज्ञानिकों को मिले ताजा प्रमाण इस ओर इशारा करते हैं कि उस समय वहां का वातावरण कहीं अधिक सक्रिय और गतिशील था। एक शक्तिशाली रेत-तूफान के निशान अब भी मंगल की चट्टानों में सुरक्षित हैं, जिन्हें हाल ही में नासा के क्यूरियोसिटी रोवर ने खोजा है। ये खोज न केवल मंगल के भूगर्भीय इतिहास को समझने में मदद करती है, बल्कि यह भी संकेत देती है कि कभी वहां जीवन के अनुकूल परिस्थितियां मौजूद रही होंगी।

इंपीरियल कॉलेज लंदन के सेडीमेंटोलोजी (तलछट विज्ञानी) स्टीवन बैनहम के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन ने मंगल की सतह पर मौजूद विशेष प्रकार की लहरदार संरचनाओं, जिन्हें "सुपरक्रिटिकल क्लाइंबिंग रिपल्स" कहा जाता है की पहचान की है। ये संरचनाएं तब बनती हैं, जब तेज गति से बहने वाली हवा या कोई तरल पदार्थ बड़ी मात्रा में रेत या तलछट को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाता है। खास बात यह है कि इन लहरों की परतें एक-दूसरे के ऊपर तीव्र कोण पर चढ़ती हुई दिखाई देती हैं, जो उनके बनने की तीव्रता और निरंतरता को दर्शाती हैं।

क्यूरियोसिटी रोवर ने 2024 के अंत में मंगल के गेल क्रेटर के एक नए क्षेत्र में पहुंचकर इन चट्टानों का अध्ययन किया। हाई-डेफिनिशन कैमरों की मदद से ली गई तस्वीरों में लगभग 3.6 अरब वर्ष पुरानी चट्टानों में ये लहरदार पैटर्न स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये लहरें उस समय के एक बड़े और लंबे समय तक चले रेत-तूफान का परिणाम हैं, जो संभवतः कई घंटों तक चला होगा और कमर तक ऊंची रेत को उड़ाकर ले गया होगा।

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ मैथ्यू लैपोत्रे के अनुसार, इस प्रकार की संरचनाओं का मिलना बेहद दुर्लभ है, खासकर मंगल जैसे ग्रह पर। पृथ्वी पर भी ऐसी संरचनाएं बहुत कम स्थानों पर ही देखने को मिलती हैं, जहां वातावरण और सतही परिस्थितियां विशेष रूप से अनुकूल होती हैं। यही कारण है कि यह खोज वैज्ञानिकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

आज के मंगल की स्थिति इससे बिल्कुल भिन्न है। वहां का वायुमंडल पृथ्वी की तुलना में लगभग 200 गुना पतला है, जिसके कारण रेत के भारी कण हवा में आसानी से नहीं उठ पाते। हालांकि धूल भरी आंधियां आज भी मंगल पर आती हैं, लेकिन वे इतनी शक्तिशाली नहीं होतीं कि इस प्रकार की जटिल संरचनाएं बना सकें। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि अतीत में मंगल का वायुमंडल कहीं अधिक घना रहा होगा, जो तेज हवाओं और बड़े पैमाने पर तलछट के परिवहन के लिए उपयुक्त था।

नई वैज्ञानिक जानकारियों के अनुसार, मंगल के प्राचीन वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा अधिक रही होगी, जिससे ग्रीनहाउस प्रभाव उत्पन्न होकर सतह का तापमान अपेक्षाकृत गर्म बना रहता था। इससे वहां तरल पानी के अस्तित्व की संभावना भी बढ़ जाती है। वास्तव में, गेल क्रेटर में पहले भी प्राचीन झीलों और नदी-नालों के प्रमाण मिल चुके हैं, जो इस सिद्धांत को और मजबूत करते हैं कि मंगल कभी "गीला और गर्म" ग्रह रहा होगा।

इसके अलावा, नासा के पर्सिवरेंस रोवर और ऑर्बिटर मिशनों से भी यह संकेत मिले हैं कि मंगल पर जैविक अणुओं के अवशेष मौजूद हो सकते हैं। हालांकि अभी तक जीवन के प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिले हैं, लेकिन इस तरह की खोजें यह दर्शाती हैं कि वहां जीवन के लिए आवश्यक परिस्थितियां कभी मौजूद रही होंगी।

इस प्रकार, क्यूरियोसिटी रोवर द्वारा खोजी गई ये प्राचीन रेत-लहरें केवल एक भूगर्भीय घटना का प्रमाण नहीं हैं, बल्कि वे मंगल के अतीत की एक जीवंत झलक प्रस्तुत करती हैं। ये हमें यह समझने में मदद करती हैं कि कैसे समय के साथ एक संभावित रूप से रहने योग्य ग्रह आज एक ठंडे और बंजर रेगिस्तान में बदल गया। साथ ही, यह खोज भविष्य में मंगल पर जीवन की संभावनाओं की तलाश के लिए एक महत्वपूर्ण दिशा भी प्रदान करती है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	76,631.65	23,775 .10
गिरावट	931.25	222 .25
प्रतिशत में	1.20	0 .93

सोना 1,54,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,43,200 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार ,10 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन--तुलसी 2595, राज श्री 1980, फ़ॉर्चून कि . 2715, रविन्द्रा 2540, फॉर्चुन 13kg 2395, जय जवान 2125, सचिन 2320, सूरज 2125, अवसर 2100, उजाला 2130, गृहणी 13 kg 2160, क्लासिक (kg) 2500, मोर 2330, चक्र टिन 2565, ब्लू 2410, आशीर्वाद मस्टर्ड 2480, स्वास्तिक 2550

किराना--निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल (प्रति कु0)--डबल चाबी सेला 10200, स्पाइस 7000, शरबती कच्ची 6250, शर्बती स्टीम 6450, मंसूरी 4300, महबूब सेला 4850, गौरी रॉयल 9800, राजभोग 7450, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10900, हरी पत्ति नेचुरल 9900, गौरी स्पेशल 9400, गौरी प्रीमियम 10900, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4300

दाल दलहन--मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10300-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 12800

चीनी--पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4280, रोज़ा 4280

बिजनेस ब्रीफ

रिलायंस रिटेल बनी दुनिया की सातवीं सबसे बड़ी स्टार्टअप कंपनी

नयी दिल्ली। रिलायंस रिटेल दुनिया की सबसे मूल्यवान निजी स्टार्टअप कंपनियों की वैश्विक सूची में सातवें स्थान पर पहुंच गयी है। स्टैनफर्ड ग्रैजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस की रिपोर्ट के अनुसार, 100 अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन के साथ कंपनी ने यह उपलब्धि हासिल की है। पहली 100 मूल्यवान स्टार्टअप कंपनियों की सूची में तीन भारतीय कंपनियां शामिल हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 24 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 27वें और टाटा ईवी मोबिलिटी नौ अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 93वें स्थान पर है।

युद्धविराम को लेकर संशय, सेंसेक्स 931 अंक लुढ़का, निफ्टी भी गिरा

बैंक और आईटी शेयरों में बिकवाली से नुकसान में बाजार, ब्रेंट क्रूड हुआ महंगा

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में युद्धविराम या जारी है संग्राम, के असमंजस के बीच भारी बिकवाली से स्थानीय शेयर बाजारों में पांच दिन से जारी तेजी बृहस्पतिवार को थम गयी। गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 931 अंक लुढ़क गया। एनएसई निफ्टी भी 222 अंक के नुकसान में रहा।

युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता के बीच वित्तीय, बैंक और आईटी शेयरों में बिकवाली से बाजार नुकसान में रहा। एशिया और यूरोप के अन्य बाजारों में कमजोर रुख, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों की निरंतर निकासी ने भी घरेलू बाजार में निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है।

बाजार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 931.25 अंक यानी 1.20 प्रतिशत टूटकर 76,631.65 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 1,215 अंक की गिरावट के साथ 76,347.90 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी 222.25 अंक यानी 0.93 प्रतिशत टूटकर 23,775.10 अंक पर बंद हुआ।

लेबनान पर इजराइल के हमलों के जवाब में ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद करने के बाद युद्धविराम समझौते को लेकर अनिश्चितता बढ़ गयी है।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि युद्धविराम से जो उम्मीद बंधी थी, वह अब फीकी पड़ गयी है क्योंकि अमेरिका-ईरान तनाव के फिर से बढ़ने और होर्मुज जलडमरूमध्य पर जारी प्रतिबंधों के कारण कच्चे तेल की कीमत फिर से बढ़ गई। इससे भारत में मुद्रास्फीति को लेकर चिंता भी बढ़ गई है।

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में से इंटरग्लोब एविएशन, लार्सन एंड टुब्रो, इटर्नल,आईसीआईसीआई बैंक एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

दूसरी तरफ, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में तेजी रही। बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.26 प्रतिशत चढ़ा जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप 0.15% के लाभ में रहा।

लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक और संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि पिछले कारोबारी सत्र में तेज उछाल के बाद आज की गिरावट मुख्य रूप से मुनाफावसूली के कारण हुई है। अनिश्चित माहौल में नए जोखिम उठाने के बजाय निवेशकों ने मुनाफा वसूली को तरजीह दी।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 3.27 प्रतिशत बढ़कर 97.85 डॉलर प्रति बैरल हो गया। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार में बुधवार को उल्लेखनीय तेजी रही थी।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,811.97 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,168.17 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सेंसेक्स बुधवार को 2,946.32 अंक चढ़कर 77,562.90 अंक पर रहा था जबकि निफ्टी 873.70 अंक के लाभ के साथ 23,997.35 अंक पर बंद हुआ था।

पश्चिम एशिया से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने में भारत सक्षम :विश्व बैंक

वर्ल्ड बैंक ने जारी की दक्षिण एशिया आर्थिक अद्यतन रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- वित्तीय वर्ष 2026-27 में 6.6 प्रतिशत रहेगी भारत की वृद्धि दर

भारत मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट का सामना करने के लिए अच्छी स्थिति में है, क्योंकि उसके पास पर्याप्त सुरक्षा उपाय हैं जिनमें उच्च विदेशी मुद्रा भंडार, राजकोषीय गुंजाइश और कम मुद्रास्फीति शामिल हैं। ये सभी चीजें वैश्विक चुनौतियों के बावजूद वृद्धि को समर्थन देंगी।

मौजूदा वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत करने के एक दिन बाद दक्षिण एशिया के लिए विश्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक (समृद्धि) सेबेस्टियन एकार्ट ने कहा कि भारत ने गत वित्त वर्ष 2025-26 में व्यापारिक उथल-पुथल का अच्छी तरह सामना किया और कच्चे तेल बाजारों में अस्थिरता उत्पन्न करने वाले मौजूदा पश्चिम एशिया संकट में भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से डटी है।

एकार्ट ने कहा कि भारत के पास मजबूत नीतिगत उपाय, उच्च विदेशी मुद्रा भंडार, राजकोषीय क्षमता है जिससे जरूरत पड़ने पर सहायता प्रदान की जा सकती है। साथ ही यहां मुद्रास्फीति का स्तर कम है और मौजूदा संकट से निपटने के लिए मजबूत लक्ष्य हैं। इस मजबूत वृद्धि गति को यूरोपीय संघ के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और नई श्रम नीति जैसी सकारात्मक नीतियों का समर्थन प्राप्त है। ये सभी चीजें निश्चित रूप से मजबूत वृद्धि गति को सुदृढ़ करती हैं एवं समर्थन देती हैं जो अच्छी बात है। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद हम भारत और इस क्षेत्र को दुनिया के अन्य उभरते बाजारों की तुलना में एक बहुत मजबूत एवं बेहतर प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र बने रहने की उम्मीद करते हैं। विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान मामूली बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है।

काम की बात

एआई टूल्स से बनाएं बजट

कारोबार डेस्क

आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तेजी से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनता जा रहा है। अब इसका उपयोग पर्सनल फाइनेंस मैनेजमेंट में भी होने लगा है। खासतौर से युवा एआई आधारित बजटिंग टूल्स का जमकर उपयोग कर रहे हैं। दसअसल ये टूल आपकी कमाई, खर्च और बचत को ट्रैक करके आपको बेहतर तरीके से पैसे संभालने में मदद करते हैं। यदि आप भी बजट बनाने में उलझना नहीं चाहते तो यह जानकारी आपके काम की हो सकती है। हालांकि ये टूल्स काफी उपयोगी होते हैं, लेकिन यह याद रखना जरूरी है कि आपके वित्तीय फैसलों की अंतिम जिम्मेदारी आपकी ही होती है।

मुख्य बातें

- **स्मार्ट ट्रैकिंग और सलाह** एआई टूल्स आपके खर्च करने के पैटर्न को समझते हैं और उसी आधार पर आपको पर्सनलाइज्ड सुझाव देते हैं, जिससे आप अपने पैसे को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकें।
- **ऑटोमेटिड कैटेगरी और अनुमान** ये टूल्स अपने आप आपके खर्चों को अलग-अलग कैटेगरी में बांट देते हैं और भविष्य के खर्च का अनुमान भी लगाते हैं, जिससे वित्तीय लक्ष्य हासिल करना आसान हो जाता है।
- **हर आय वर्ग को उपयोगी** चाहे आपकी आय कम हो या ज्यादा, AI बजटिंग टूल्स हर किसी के लिए मददगार हैं और बेहतर वित्तीय अनुशासन सिखाते हैं।
- **लोकप्रिय एप्स का करें उपयोग** आज कई ऐप्स जैसे Rocket Money, Copilot Money, YNAB, Cleo, Buddy और AI की मदद से बजटिंग को आसान बना रहे हैं।
- **सुरक्षा बेहद जरूरी** इन टूल्स का इस्तेमाल करते समय अपनी वित्तीय जानकारी की सुरक्षा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (MFA) का उपयोग करना एक सुरक्षित विकल्प है।

कैसे काम करते हैं एआई बजटिंग टूल्स

- एआई बजटिंग टूल्स आपके बैंक अकाउंट और कार्ड से जुड़कर आपके लेन-देन को ट्रैक करते हैं। ये आपके पिछले खर्चों का विश्लेषण करके बताते हैं कि भविष्य में खर्च कैसा रह सकता है। साथ ही, ये आपको यह भी बताते हैं कि आप अपने जैसे अन्य लोगों की तुलना में कितना खर्च कर रहे हैं।

मुख्य फायदे

- **रियल टाइम ट्रैकिंग :** हर खर्च पर नजर
- **ऑटोमेटेड कैटेगरी :** खर्चों का वर्गीकरण
- **पर्सनलाइज्ड इनसाइट्स :** खर्च कम करने और बचत बढ़ाने के सुझाव
- **प्रेडिक्टिव एनालिसिस :** भविष्य के खर्च का अनुमान और चेतावनी

- **काम की बात**-एआई टूल्स का उपयोग करते समय अपनी निजी जानकारी साझा करनी पड़ती है। इसलिए किसी भी ऐप का उपयोग करने से पहले उसकी प्राइवेसी पॉलिसी और शर्तों को जरूर पढ़ें। भरोसेमंद प्लेटफॉर्म ही चुनें और सुरक्षा फीचर्स को सक्रिय रखें।
- **चेतावनी**-एल्गोरिदम गलतियां कर सकते हैं या संदर्भ को समझने में चूक कर सकते हैं। सुझावों का अंधाधुंध पालन करना हानिकारक हो सकता है।

30 करोड़ आबादी के लिए तैयार हो रहा विकसित यूपी-2047 का रोडमैप

विजन डाक्यूमेंट में जनसंख्या को केंद्र में रखकर तय हो रहे लक्ष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- छह ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था और बेहतर जीवन स्तर का लक्ष्य

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश सरकार विकसित यूपी-2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए करीब 30 करोड़ की आबादी के लिए व्यापक रोडमैप तैयार कर रही है। आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक प्रदेश की जनसंख्या में लगभग पांच करोड़ की वृद्धि होने का अनुमान है, जिसे ध्यान में रखते हुए विकास की रणनीति बनाई जा रही है।

आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वर्ष 2026 में प्रदेश की जनसंख्या 25.19 करोड़ रहने का अनुमान है, जो 2031 में बढ़कर 26.65 करोड़, 2046 में 29.84 करोड़ और 2051 में 30.72 करोड़ तक पहुंच सकती है। इसी आधार पर विजन डाक्यूमेंट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक उत्तर प्रदेश को 6 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करना है। इसके साथ ही प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि, 100 प्रतिशत साक्षरता, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, 60 प्रतिशत शहरीकरण और सालाना 100 करोड़ पर्यटकों को आकर्षित करने जैसे बड़े लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में जनसंख्या वृद्धि दर में भी लगातार गिरावट दर्ज हो रही है। 2011 में जहां वृद्धि दर 1.85% थी, वहीं 2021 में यह घटकर 1.70 प्रतिशत हो गई।

2026 से 2051 के बीच इसके और घटकर 0.58% प्रतिवर्ष रहने का अनुमान है। सरकार का मानना है कि प्रदेश की युवा आबादी ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है, जिसे कौशल, रोजगार और बेहतर सुविधाओं से जोड़कर विकसित उत्तर प्रदेश का लक्ष्य हासिल किया जाएगा।

सीएम देंगे रोडमैप को अंतिम रूप: प्रमुख सचिव

नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार के अनुसार, सभी लक्ष्यों को भविष्य की जनसंख्या के अनुरूप तैयार किया जा रहा है, ताकि विकास का लाभ हर नागरिक तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री स्तर पर समीक्षा के बाद इस रोडमैप को अंतिम रूप दिया जाएगा।

रुपये में तीन पैसे की तेजी, 92.51 प्रति डॉलर पर हुआ बंद

मुंबई, एजेंसी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में बृहस्पतिवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया तीन पैसे की मामूली तेजी के साथ 92.51 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि डॉलर के कमजोर होने के साथ पश्चिम एशिया के हालात एवं होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अनिश्चितता के कारण निवेशकों के सतर्क रूख के बीच रुपये में गिरावट आई।

इजराइल के लेबनान पर हमले जारी रखने को लेकर ईरान के वार्ता से बाहर निकलने की धमकी के बीच अनिश्चितता बढ़ गयी है और बाजार 'देखो और इंतजार करो' की स्थिति में आ गया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 92.63 के भाव पर खुला। रुपये ने कारोबार के दौरान 92.92 के निचले स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में यह 92.51 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

निर्मम तृणमूल कांग्रेस सरकार को बंगाल से हटायें, छह गारंटी का वादा

देश आगे बढ़ रहा, लेकिन इसने बंगाल को पीछे धकेला : मोदी

हल्दिया (पश्चिम बंगाल), एजेंसी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि अगर भाजपा विधानसभा चुनाव जीतती है तो पश्चिम बंगाल की जनता को छह गारंटी दी जाएंगी। साथ ही उन्होंने 'निर्मम' तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाने की अपील की जो विकास की राह में 'राज्य को पीछे धकेल रही है'।

पूर्वी मेदिनीपुर के हल्दिया में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने वादा किया कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर तृणमूल कांग्रेस के भय के शासन को भरोसे के शासन में बदला जायेगा, जबकि सभी लोक सेवकों को जनता के प्रति जवाबदेह बनाया जायेगा।

विकास के मुद्दे पर तृणमूल सरकार पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है, जबकि तृणमूल कांग्रेस की 'निर्मम सरकार' बंगाल को पीछे धकेल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित बंगाल बनाने के लिए जरूरी है कि इस निर्मम सरकार को सत्ता से हटाया जाए।

मोदी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस की सरकार राज्य में मछली की उच्च मांग के अनुरूप मछली उत्पादन करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल में मछली की मांग बहुत अधिक है, फिर भी यह अन्य राज्यों से मछली आयात करता है। पिछले 15 वर्षों में, तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने मछली की आपूर्ति बढ़ाने और मछली उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

मोदी की छह गारंटी

- **पहली गारंटी :** भय नहीं भरोसा देंगे।
- **दूसरी गारंटी :** लोकसेवकों को कार्यों, नागरिकों के प्रति बनाएंगे जवाबदेह।
- **तीसरी गारंटी :** भ्रष्टाचार और महिलाओं के प्रति अपराधों की बंद की गयी फाइलें खोलेंगे।
- **चाथी गारंटी :** भ्रष्टाचारी और तृणमूल के गुंडों को भेजेंगे जेल।
- **पांचवी गारंटी :** कानूनी शरण लेने वालों को सुविधाएं देंगे और घुसपैठियों को निकालेंगे बाहर।
- **छठी गारंटी :** 7वां वेतन आयोग लागू करेंगे।

मोदी नारी शक्ति पर उपदेश देते हैं, भाजपा बलात्कारियों को माला पहनाती है : सागरिका

नयी दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस नेता सागरिका घोष ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर महिलाओं के अधिकारों के मामले में केवल बयानबाजी करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नारी-शक्ति की बात करते हैं, जबकि उनकी पार्टी लात्कारियों को माला पहनाती है। राज्यसभा में तृणमूल की उपनेता घोष ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी की पिछली टिप्पणियों की भी आलोचना की, जिसमें 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर की गई उनकी 'दीदी-ओ-दीदी' वाली टिप्पणी भी शामिल है। घोष ने कहा कि मोदी अब नारी शक्ति पर उपदेश दे रहे हैं।

कैमरे की नजर में तीन राज्यों के चुनाव

गुरुवार को असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान सम्पन्न हो गया। देखिए कुछ झलकियां।

असम : गुवाहाटी के एक पोलिंग बूथ पर वोट डालने के बाद पत्नी रिंकी भुईयां और बच्चों के साथ मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा।

पुडुचेरी : राज्य में पोलिंग के दिन आदर्श मतदान केन्द्र पर वोटरों का स्वागत रोबोट ने किया। रोबोट संचालित करता एक युवक।

असम : गुवाहाटी के एक पोलिंग बूथ पर वोट डालने के लिए उमड़े लोग।

केरल : विधानसभा चुनाव में तिरुवनन्तपुरम में एक मतदान केन्द्र पर वोट डालने पहुंचे कांग्रेस नेता शशि थरूर।

पुडुचेरी : उपराज्यपाल कुनियिल कैलाशनाथन बूथ पर वोट डालने के बाद उंगली दिखाते हुए।

केरल : राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, पोलिंग बूथ पर वोट डालने के बाद उंगली पर निशान दिखाते हुए।

भाजपा ने सत्ता हथियाने को हटाए 91 लाख नाम : ममता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राज्य में सत्ता हथियाने के लिए मतदाता सूचियों से 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनकी पार्टी आगामी चुनाव जीतेगी। उत्तर 24 परगना जिले के मीनाखान में जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी मतदाता सूचियों से हटाए गए लोगों के नाम शामिल कराने के लिए अदालत का रुख करेगी। विशेष गहन पुनरीक्षण

(एसआईआर) अभियान को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आपने बंगाल में सत्ता हथियाने के लिए 90 लाख से अधिक लोगों के नाम हटा दिए, लेकिन चुनाव हम ही जीतेंगे। उनकी यह टिप्पणी राज्य में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाए जाने के संदर्भ में आई। तृणमूल प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है। बांग्ला भाषियों को विदेशी बताया जा रहा है और उन्हें घुसपैठिया कहा जा रहा है। उन्होंने चुनाव को जनता के अस्तित्व और बंगाल की पहचान की लड़ाई करार दिया।

निष्पक्ष चुनाव के लिए मुख्य सचिव और डीजीपी का तबादला: पलानीस्वामी

चेन्नई,एजेंसी

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख एडप्पाडी . के . पलानीस्वामी ने गुरुवार को तमिलनाडु के मुख्य सचिव और डीजीपी के तबादले के निर्वाचन आयोग के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह कदम राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया था। मुख्यमंत्री एम .के . स्टालिन द्वारा आठ अप्रैल को किए गए तबादलों के विरोध पर सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा कि अधिकारियों के तबादलों से उन्हें क्या समस्या है? उन्होंने कहा कि ये अधिकारी इतने लंबे समय से द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के साथ हैं और चुनाव के दौरान उनका तबादला करने में कुछ भी गलत नहीं था। पलानीस्वामी ने कहा-द्रमुक को लगता है कि वह अधिकारियों पर निर्भर है, लेकिन हम जीत के लिए जनता पर निर्भर हैं। अगर किसी और को नियुक्त किया जाता है तो उन्हें क्या परेशानी है? यह टिप्पणी उन्होंने उस समय की, जब पत्रकारों ने मुख्यमंत्री के उस बयान का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि चुनाव के दौरान भाजपा शासित राज्यों में इस तरह के तबादले नहीं किए गए। पलानीस्वामी ने शहर में अपने चुनाव प्रचार के दौरान पत्रकारों से कहा-निर्वाचन आयोग चाहता है कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हों। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को तमिलनाडु के मुख्य सचिव एन मुरुगनंदम के तबादले किया और उनकी जगह वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एम साई कुमार को तत्काल प्रभाव से नियुक्त किया। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव के तबादले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए निर्वाचन आयोग के इस कदम को एकतरफा और राजनीतिक हस्तक्षेप करार दिया।

ईरान युद्ध के कारण वैश्विक खाद्य कीमतों में वृद्धि का खतरा

आईएमएफ, विश्व बैंक और डब्ल्यूएफपी ने जारी की चेतावनी, कहा- दुनिया में कमजोर लोगों पर पड़ेगा इसका सबसे ज्यादा असर

वाशिंगटन, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक और विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने चेतावनी जारी की है कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों में जो सबसे बड़ा व्यवधान पैदा किया है, उससे खाद्य कीमतों और खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ेगा। तीनों संस्थाओं के प्रमुखों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि बढ़ती खाद्य कीमतों का सबसे अधिक भार दुनिया की कमजोर आबादी पर पड़ेगा।

संस्थाओं ने कहा, तेल, गैस और उर्वरक की कीमतों में तेज वृद्धि, साथ ही परिवहन बाधाओं के कारण खाद्य कीमतों और खाद्य असुरक्षा में वृद्धि अवश्य होगी। उन्होंने कहा कि वे इस स्थिति की गहन निगरानी करेंगे और संकट से प्रभावित लोगों का समर्थन करने के लिए उपलब्ध सभी संसाधनों का समन्वय करेंगे। बयान में यह भी कहा गया कि विशेष रूप से कम आय वाले और आयात निर्भर देशों में, ईंधन और खाद्य कीमतों में वृद्धि सरकारों की सीमित वित्तीय क्षमता के कारण कमजोर घरों पर सबसे अधिक प्रभाव डालेगी। तीनों संस्थाओं ने आश्वासन दिया कि वे जीवन और आजीविका की रक्षा, और स्थिरता, विकास और रोजगार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दीर्घकालिक पुनर्प्राप्ति के लिए समर्थन जारी रखेंगी। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान दो सप्ताह का युद्धविराम समझौता किया है। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था क्योंकि उसने अपने परमाणु ईंधन के भंडार छोड़ने से इन्कार कर दिया था।

न्यूयॉर्क में बृहस्पतिवार को सैकड़ों लोगों ने ईरान और लेबनान के खिलाफ युद्ध के विरोध में प्रदर्शन किया।

यूनान के प्रधानमंत्री ने ने कहा- होर्मुज पार करने को ईरान को पैसे देना स्वीकार नहीं करेगी दुनिया

वाशिंगटन। यूनान के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के गुजरने के लिए ईरान को भुगतान करना स्वीकार नहीं करेगा। मित्सोताकिस ने जोर दिया कि होर्मुज को पार करने के लिए भुगतान संबंधी अमेरिका-ईरान समझौता नौवहन की स्वतंत्रता के लिए खतरनाक मिसाल साबित होगा। उन्होंने कहा कि लेबनान में संघर्ष विराम, ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच शांति समझौते का एक हिस्सा बनना चाहिए। गौरतलब है कि ट्रंप ने मंगलवार रात ईरान के साथ दो सप्ताह के संघर्ष विराम की घोषणा करते हुए आश्वासन दिया था कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने पर सहमत हो गया है।

होर्मुज में ट्रांजिट टोल लगने की संभावना से तेल कंपनियां भी नाराज

वाशिंगटन। तेल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने व्हाइट हाउस से संपर्क कर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए ईरान की ओर से संभावित शुल्क (ट्रांजिट टोल) लगाए जाने की चर्चाओं पर चिंता जताई है। रिपोर्टों के अनुसार तेल कंपनियों के अधिकारियों ने व्हाइट हाउस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से अपील की है कि वे शांति वार्ता की शर्त के रूप में ईरान को इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हॉर्मुज से गुजरने के लिए शुल्क लेने की अनुमति देने का विरोध करें। तेल उद्योग के प्रतिनिधियों ने बुधवार सुबह अमेरिकी विदेश विभाग में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें अपनी चिंताओं से अवगत कराया।

हिजबुल्ला ने खाई इजराइल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की कसम

मास्को। लेबनान पर इजराइली हवाई हमलों में 254 लोगों के मारे जाने और 1,165 घायल होने के बाद लेबनानी आंदोलन हिजबुल्ला ने कहा कि इजराइल की लेबनान पर बमबारी उसे जवाबी कार्रवाई का अधिकार देती है। तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने कहा, हम लेबनान पर इजराइल के बढ़ते हमलों की कड़ी निंदा करते हैं जिनके परिणामस्वरूप भारी जानमाल का नुकसान हुआ है। ये हमले देश में मानवीय स्थिति को और बदतर बना रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में घोषित युद्धविराम के बावजूद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू शांति एवं स्थिरता स्थापित करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को लगातार कमजोर कर रहे हैं।

पाकिस्तान में वार्ता पर अभी संदेह के बादल

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम वार्ता में नया संकट पैदा हो गया है। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमिरी मोघम ने गुरुवार को इस्लामाबाद में होने वाली शांति वार्ता के संदर्भ में की गई अपनी सोशल मीडिया पोस्ट हटा दी है। मोघम ने पहले पोस्ट किया था कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल गुरुवार रात इस्लामाबाद पहुंचेगा। पोस्ट में यह भी कहा गया था कि यह दौरा ईरानी जनता के बीच व्याप्त संदेह के बावजूद हो रहा है, क्योंकि इजराइल द्वारा लगातार युद्धविराम का उल्लंघन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कूटनीतिक पहल को विफल करना है।

अमेरिका-इजराइल पर युद्धविराम के बाद भी जारी रहेंगे साइबर हमले

वाशिंगटन। ईरान से संबद्ध हैकर समूहों ने संकेत दिया है कि ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच अस्थिर युद्धविराम लंबे समय तक उनके जवाबी साइबर हमलों को नहीं रोक पाएगा। अमेरिकी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस चेतावनी को गंभीरता से लेने की सलाह दी है।

हंदाला नामक एक प्रमुख हैकर समूह ने युद्धविराम की घोषणा के बाद कहा कि वह अमेरिका पर हमलों को अस्थायी रूप से टाल रहा है, लेकिन इजराइल को निशाना बनाना जारी रखेगा। समूह ने यह भी कहा कि उचित समय आने पर वह अमेरिका के खिलाफ अपनी गतिविधियां फिर शुरू करेगा। फिलिस्तीन और ईरान समर्थक हंदाला नेटवर्क ने अमेरिकी चिकित्सा उपकरण विनिर्माता स्ट्राइकर के कामकाज में बाधा डालने और एफबीआई निदेशक काश पटेल के निजी ईमेल खाते में सेंध लगाने सहित कई साइबर हमलों की जिम्मेदारी ली है। यह समूह ईरान से जुड़े कई प्रॉक्सी हैकर नेटवर्क में से एक है और तेहरान से स्वतंत्र रूप से काम करता है। समूह ने एक्स पर लिखा, हमने यह युद्ध शुरू नहीं किया, लेकिन इसे खत्म हम ही करेंगे।

- अमेरिकी विशेषज्ञों ने दी ईरानी हैकर्स की इस धमकी को गंभीरता से लेने की चेतावनी

काश पटेल का ईमेल खाता कर चुके हैं हैक

फिलिस्तीन और ईरान समर्थक हंदाला नेटवर्क ने अमेरिकी चिकित्सा उपकरण विनिर्माता स्ट्राइकर के कामकाज में बाधा डालने और एफबीआई निदेशक काश पटेल के निजी ईमेल खाते में सेंध लगाने सहित कई साइबर हमलों की जिम्मेदारी ली है। यह समूह ईरान से जुड़े कई प्रॉक्सी हैकर नेटवर्क में से एक है और तेहरान से स्वतंत्र रूप से काम करता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

जरूरत के वक्त साथ नहीं दिया, नाटो पर फिर बरसे ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो महासचिव मार्क रुटे के साथ बंद कमरे में हुई बैठक के बाद सैन्य गठबंधन की पुन: आलोचना करते हुए दोहराया कि जरूरत के समय नाटो अमेरिका के साथ नहीं था। बैठक के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर कैपिटल अक्षरों में लिखा, नाटो हमारे साथ नहीं था जब हमें उसकी जरूरत थी और आगे जरूरत पड़ने पर भी नहीं होगा। व्हाइट हाउस ने इस पर तत्काल कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप नाटो से अलग होने के मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं। ट्रंप और रुटे के बीच यह बैठक अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम पर सहमति के ऐन बाद हुई।

पाकिस्तानी नागरिक यहूदी केंद्र पर हमले की साजिश का दोषी करार

न्यूयॉर्क। एक पाकिस्तानी नागरिक ने 2024 में न्यूयॉर्क के एक यहूदी केंद्र पर आईएसआईएस से प्रेरित हमले की साजिश रचने के मामले में जुर्म स्वीकार किया है। मुहम्मद शाहजेब खान नाम के 21 वर्षीय इस शख्स ने अमेरिका में घुसने और ब्रुकलिन स्थित एक प्रमुख यहूदी धार्मिक केंद्र पर स्वचालित हथियारों से गोलीबारी करने की साजिश रची थी। शाहजेब ने बुधवार को अमेरिकी जिला न्यायाधीश पॉल गार्डेफे के समक्ष अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद से जुड़े अपराध के आरोप में दोष स्वीकार किया, जिसके लिए अधिकतम सजा आजीवन कारावास है। सजा अगस्त में सुनाई जाएगी। शाहजेब कनाडा में रह रहा था।

नेपाल : जमानत पर रिहा हुए केपी ओली और रमेश लेखक

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को बृहस्पतिवार को निजी मुचलके पर जमानत पर रिहा कर दिया गया। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष ओली और नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लेखक को पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन को दबाने में संलिप्तता के लिए पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था। इस आंदोलन के दौरान 76 लोग मारे गये थे। सुप्रीम कोर्ट की एक संयुक्त पीठ ने सोमवार को आदेश दिया कि वे ओली और लेखक के खिलाफ जांच बृहस्पतिवार तक पूरी करें या उन्हें हिरासत से रिहा करें।

बब्बर खालसा के गुर्गों से हैंड ग्रेनेड और आईईडी बरामद

अमृतसर/ गुरदासपुर। पंजाब में पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ संयुक्त अभियान में आईएसआई प्रायोजित बब्बर खालसा इंटरनेशनल आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।इस मामले में गिरफ्तार किए गए दो गुर्गों से जिसमें पांच हैंड ग्रेनेड, दो डेटोनेटर, कोडर और डिकोडर के साथ पीटीटी टाइमर, आईईडी विस्फोटक और वॉकी-टॉकी बरामद किया गया है।

डीजीपी गौरव यादव के मुताबिक गिरफ्तार किए गए गुर्गों की पहचान आकाश मसीह और जब्लौन के रूप में हुई है, दोनों गुरदासपुर जिले के थाना घुमान कलां के अंतर्गत गांव दुल्ला नंगल के निवासी हैं और उनका आपराधिक इतिहास रहा है। यादव ने बताया कि इन दोनों गुर्गों से महत्वपूर्ण बरामदगी हुई है। इससे पता चलता है कि यह मॉड्यूल राज्य में बड़े आतंकी हमलों को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था।

मालदा में न्यायिक अधिकारियों के घेराव के मामले में 12 केस दर्ज

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एसआईआर से संबंधित कार्य के लिए तैनात न्यायिक अधिकारियों के घेराव के मामले में राज्य में चल रही चुनाव प्रक्रिया के बीच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की कार्रवाई जारी है। एनआईए ने इस मामले में 12 मामले दर्ज किए हैं। यह कार्रवाई उच्चतम न्यायालय की ओर से जारी निर्देशों के बाद की गई है।

बुधवार देर रात एजेंसी ने कहा कि उसने मालदा जिले के मोथाबारी पुलिस स्टेशन से सात और कालीचक पुलिस स्टेशन से पांच एफआईआर

एनआईए की कार्रवाई

अपने पास लेकर पुनः मामला दर्ज किया है। ये मामले सुप्रीम कोर्ट के छह अप्रैल के आदेश के अनुरूप न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा संबंधी घटनाओं से जुड़े हैं। एनआईए की टीमें पहले ही मालदा पहुंच चुकी हैं और विस्तृत जांच शुरू कर चुकी हैं। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने केंद्रीय एजेंसी को न्यायिक अधिकारियों के घेराव की जांच करने का निर्देश दिया और चिंता जताई थी कि ऐसी घटनाएं संस्थागत विश्वसनीयता को कम कर रही हैं।

अमेरिका के साथ रक्षा उद्योग, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला संबंध गहरा करने के प्रयास

वाशिंगटन, एजेंसी

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों से यहां मुलाकात की तथा रक्षा एवं व्यापार संबंधों को और गहरा करने को लेकर उनके साथ चर्चा की। इस दौरान उन्होंने हिंद-प्रशांत और पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

अमेरिका की तीन दिन की यात्रा पर आए मिसरी ने अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के अवर सचिवों माइकल डफी और एल्ब्रिज कोल्बी तथा वाणिज्य मंत्रालय के अवर सचिवों जेफरी केसलर और विलियम किमिट से मुलाकात की। अमेरिका में भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, रक्षा क्षेत्र में भारत-अमेरिका के बीच आदान-प्रदान की गति को बनाए रखते हुए विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने युद्ध नीति मामलों के लिए अवर सचिव एल्ब्रिज कोल्बी के साथ पेंटागन में व्यापक बातचीत की जिसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र और पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रम पर चर्चा हुई। कोल्बी ने पिछले महीने भारत का दौरा किया था और नयी दिल्ली में भारत-अमेरिका रक्षा नीति समूह की बैठक के इतर मिसरी से मुलाकात की थी। मिसरी की रक्षा मंत्रालय में अधिग्रहण और अनुरक्षण के लिए अवर सचिव डफी के साथ भी पेंटागन में सार्थक बातचीत हुई।

- वाशिंगटन में वरिष्ठ अधिकारियों से मिले विदेश सचिव विक्रम मिसरी

भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, विदेश सचिव विक्रम मिसरी की पेंटागन में अधिग्रहण और अनुरक्षण के लिए युद्ध विभाग के अवर सचिव माइक डफी के साथ सार्थक बातचीत हुई। दोनों पक्षों ने पिछले वर्ष हस्ताक्षरित द्विपक्षीय प्रमुख रक्षा साझेदारी के ढांचे में तय महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के अनुरूप भारत और अमेरिका के बीच रक्षा उद्योग, प्रौद्योगिकी और आपूर्ति श्रृंखला संबंधों को और गहरा करने के उपायों पर चर्चा की।

मंदिर में वर्ग के आधार पर प्रवेश रोके जाने से हिंदू धर्म बुरी तरह प्रभावित होगा: शीर्ष कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कहा कि यदि मंदिर और मठ पंथ तथा धर्म के भीतर के वर्गों के आधार पर प्रवेश पर रोक लगाते हैं तो इससे हिंदू धर्म बुरी तरह से प्रभावित होगा और समाज बंट जाएगा। नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने वरिष्ठ वकील सी एस वैद्यनाथन की दलीलों का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की।

वैद्यनाथन ने दलील दी थी कि संविधान का अनुच्छेद 26(बी) किसी धार्मिक संप्रदाय को अपने कामकाज का प्रबंधन करने का अधिकार देता है और इसे अनुच्छेद 25(2)(बी) पर वरीयता मिलेगी, जो सरकार को सभी सार्वजनिक हिंदू धार्मिक संस्थानों को आम लोगों के लिए खोलने का अधिकार देता है। वैद्यनाथन केरल के शबरिमला मंदिर के भगवान अयप्पा के भक्तों की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित हुए। शीर्ष कोर्ट की

- शबरिमला मंदिर में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव पर सुनवाई

नौ सदस्यीय पीठ शबरिमला मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई तथा विभिन्न आस्थाओं के लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और विस्तार पर भी विचार कर रही थी।

वैद्यनाथन ने दलील दी कि किसी वर्ग विशेष का मंदिर अन्य व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति दे सकता है और उन्हें पूजा-अर्चना में शामिल कर सकता है या फिर वह इसे केवल अपने वर्ग तक ही सीमित रख सकता है। इस पर, न्यायमूर्ति नागरत्ना ने टिप्पणी की, एक आशंका है। अगर आप प्रवेश के अधिकार की बात करते हैं, खासकर वेंकटरमण देवरू मामले के संदर्भ में, जिसमें कहा गया था कि गौड़ सारस्वत ब्राह्मणों के अलावा किसी और को प्रवेश नहीं मिलेगा, तो इसका हिंदू धर्म पर नकारात्मक असर पड़ेगा।

उन्होंने कहा, प्रत्येक व्यक्ति को हर मंदिर और मठ में प्रवेश का अधिकार होना चाहिए। शबरिमला फैसले (2018) से जुड़े विवाद को एक तरफ रख दें। लेकिन अगर आप यह कहते हैं कि यह एक परंपरा है और यह धर्म का मामला है कि मैं दूसरों को बाहर रखूंगा और केवल मेरे वर्ग, मेरे संप्रदाय के लोग ही मंदिर में प्रवेश कर सकते हैं, कोई और नहीं, तो यह हिंदू धर्म के लिए अच्छा नहीं है। धर्म पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। यह उसके लिए नुकसानदायक ही साबित होगा। न्यायमूर्ति कुमार ने इस पर सहमति जताई।

केंद्र की दलील... शबरिमला संबंधी फैसला पुरुषों के श्रेष्ठ होने की धारणा पर आधारित

नई दिल्ली। केंद्र ने केरल के शबरिमला मंदिर में विशेष आयुवर्ग की महिलाओं के प्रवेश पर पाबंदी का समर्थन करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट का 2018 का फैसला इस धारणा पर आधारित है कि पुरुष श्रेष्ठ हैं और महिलाओं का स्थान उनसे नीचे है। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ से कहा कि उन्होंने लिखित अभ्यावेदन दिया है और ऐसे उदाहरण पेश किए हैं जिनमें पुरुषों को मंदिरों में प्रवेश की अनुमति नहीं है। मेहता ने पीठ से कहा, यह देवी भगवती का मंदिर है, उससे कुछ आस्थाएं और मान्यताएं जुड़ी हैं। केरल में एक मंदिर है, मैंने उसके बारे में पढ़ा है, जहां पुरुष महिलाओं के वेश में जाते हैं। वे ब्यूटी पार्लर जाते हैं और परिवार की महिलाएं उन्हें साड़ी पहनने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा, इसलिए यह पुरुष केंद्रित या महिला केंद्रित धार्मिक मान्यताओं का सवाल नहीं है। मौजूदा मामले में, यह महिला केंद्रित है।

प्रीति सरन यूएन की अहम संस्था में नए कार्यकाल के लिए चुनी गईं

न्यूयॉर्क। वरिष्ठ राजनयिक प्रीति सरन को संयुक्त राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार समिति (सीईएससीआर) के लिए फिर से चुना गया है। उनका नया कार्यकाल 2027 से शुरू होगा और यह तीन साल का होगा।

जटिल वैश्विक सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के बीच, इस वैश्विक संस्था का कुशल नेतृत्व करने में उनकी विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए उन्हें समिति के लिए फिर से चुना गया है। राजदूत सरन वर्तमान में समिति की अध्यक्ष हैं। यह समिति आर्थिक और सामाजिक अधिकारों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय समझौतों को सदस्य देशों द्वारा लागू किए जाने के तरीकों की निगरानी करती है।

समिति संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के तहत संचालित होती है। भारतीय विदेश सेवा में अपने 36 वर्षों के शानदार करियर के दौरान, राजदूत सरन ने भारत में और एशिया, अफ्रीका, यूरोप तथा अमेरिका स्थित भारतीय मिशन में विभिन्न उच्च-स्तरीय पदों पर सेवा दी है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज का दिन उत्साह व निर्णय क्षमता से भरा रहेगा। धन संबंधी स्थितियां संतुलित रहेंगी। कार्यक्षेत्र में अटके हुए मामलों में गति आएगी।

वृष आज का दिन मानसिक स्थिरता की मांग करता है। स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान दें। किसी पुराने परिचित से लाभ का संकेत है।

मिथुन आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। परिवार में कोई छोटा उत्सव हो सकता है। अचानक धन लाभ का भी संकेत है।

कर्क आज भावनात्मक संतुलन बनाए रखें। किसी पुराने मित्र से चर्चा मन हल्का करेगी। नए अवसर मिलने के योग बन रहे हैं।

सिंह आज नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। व्यापार में विस्तार की संभावना है। सरकारी कार्यों में प्रगति होगी। अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है।

कन्या आज आप दक्षता व धैर्य के साथ कार्य करेंगे। कार्यालय में आपके सुझावों की सराहना होगी। किसी यात्रा के योग बन रहे हैं।

तुला आज चंद्रमा के प्रभाव से दिन सकारात्मक रहेगा। मन प्रसन्न रहेगा और मित्रों से सहयोग मिलेगा। आय के नए अवसर मिलने के संकेत हैं।

वृश्चिक आज कर्मठता बढ़ेगी और किसी बड़े निर्णय का समय निकट है। पारिवारिक स्तर पर कोई महत्वपूर्ण बात सामने आ सकती है।

धनु आज भाग्य प्रबल रहेगा। चंद्रमा आपकी राशि में स्थित होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि या नई जिम्मेदारी का योग है।

मकर आज ऑफिस में आपके प्रयासों की प्रशंसा होगी। धन की बचत पर विशेष ध्यान दें। संध्या समय मन प्रसन्न होगा।

कुंभ आज का दिन आपकी योजनाओं को गति देगा। नए लोगों से संपर्क लाभदायक सिद्ध हो सकता है। प्रेम संबंधों में सकारात्मकता आएगी।

मीन आज आपको निवेश से लाभ होगा। नया काम शुरू करने का शुभ समय है। पुराने विवाद भी समाप्त हो सकते हैं।

आज का पंचांग -आचार्य मधुरेंद्र पांडेय astrompandey@gmail.com

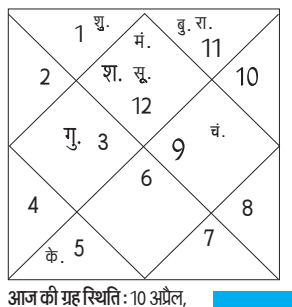

आज की ग्रह स्थिति: 10 अप्रैल, शुक्रवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अष्टमी 23.15 तक तत्पश्चात नवमी।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।

चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र- पूर्वाषाढ़ा 11.28 तक तत्पश्चात उत्तराषाढ़ा।

सुडोकू - 114 का हल

2	6	8	7	9	5	1	4	3
5	3	4	8	6	1	9	7	2
9	1	7	2	3	4	8	6	5
7	5	6	4	1	8	2	3	9
1	2	9	5	7	3	6	8	4
8	4	3	9	2	6	7	5	1
3	9	5	1	8	7	4	2	6
6	7	2	3	4	9	5	1	8
4	8	1	6	5	2	3	9	7

सुडोकू -115

	6					9		2
8		2		1	5			
				2		8		5
		8			3			
		1				6		
9			8			7		
		5		9				
3			5			1		7
2		6					5	

डिजिटल किडनैपिंग

टेक कंपनियों में तैयार किया ऐसा नशा जो आपके दिमाग को मुक्त ही नहीं होने देता

अक्सर ऐसा होता है कि आप बस एक जरूरी मैसेज चेक करने के लिए फोन उठाते हैं, लेकिन अचानक आधे घंटे बाद आपको एहसास होता है कि आप इंस्टाग्राम पर रील देख रहे थे या यूट्यूब पर अनजान वीडियो। यह कोई इत्तफाक नहीं है। दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियां अरबों डॉलर खर्च करके ऐसे एल्गोरिदम बना रही हैं जो आपके दिमाग के डोपामाइन सिस्टम को कंट्रोल करते हैं।

असली खेल क्या है

कंपनियां स्क्रीन पर बिताए आपके हर सेकंड से पैसा कमाती हैं, इसलिए उनका लक्ष्य आपको फोन से चिपकाए रखना है।

डोपामाइन लूप : जब आप फोन पर कोई नोटिफिकेशन देखते हैं या लाइक मिलता है तो आपके दिमाग में डोपामाइन रिलीज होता है, जो खुशी महसूस कराता है। एआई जान जाता है कि आपको क्या कंटेंट दिखाकर यह नशा दिया जा सकता है।

इनफिनिट स्क्रॉल : फेसबुक या इंस्टाग्राम पर नीचे की तरफ खत्म न होने वाला पेज इसलिए बनाया गया है ताकि आपके दिमाग को रुकने और सोचने का मौका ही न मिले। यह ठीक वैसा ही है जैसे जुए की मशीन काम करती है।

अटेंशन इकोनॉमी : आज की दुनिया में आपका ध्यान सबसे महंगी मुद्रा है। इसे भुनाने के लिए एआई आपकी हर कमजोरी को ट्रैक करता है, चाहे वह गुस्सा दिलाने वाली खबरें हों या मनोरंजन ताकि आप स्क्रीन छोड़कर न जाएं।

फैक्ट

क्या आप जानते हैं कि सिलिकॉन वैली के कई बड़े इंजीनियर, जिन्होंने लाइक बटन और स्क्रॉल फीचर बनाया, आज खुद अपने बच्चों को स्मार्टफोन से दूर रखते हैं। एक स्टडी के अनुसार, औसतन एक व्यक्ति दिन में 2,617 बार अपने फोन को टच करता है। डिजिटल डिटॉक्स करने वाले लोगों में फोकस करने की क्षमता सामान्य लोगों से 40% ज्यादा पाई गई है।

आपके लिए जरूरी बातें

डार्क पैटर्न्स : वेबसाइट्स और एप्स ऐसे डिजाइन तैयार करते हैं जो आपको न चाहते हुए भी क्लिक करने पर मजबूर करते हैं। जैसे कि किसी सब्सक्रिप्शन को कैंसिल करने का बटन बहुत छोटा और गहरे रंग में छिपा देना, ताकि आप हार मानकर पैसे देते रहें।

घोस्ट नोटिफिकेशन : क्या कभी आपको महसूस हुआ कि आपकी जेब में फोन वाइब्रेट हुआ, लेकिन चेक करने पर कोई मैसेज नहीं था? इसे 'फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम' कहते हैं। कंपनियों के एल्गोरिदम ने हमारे दिमाग को इस कदर ट्रेन कर दिया है कि हम हर वक्त फोन की तरफ भागने के लिए बेचैन रहते हैं।

चॉइस आर्किटेक्चर : एआई आपको यह महसूस कराता है कि आप अपनी पसंद का वीडियो देख रहे हैं, लेकिन असल में वह आपको वही दिखा रहा होता है जो वह चाहता है। यूपी नेक्स्ट और ऑटो प्ले फीचर्स आपके निर्णय लेने की क्षमता को खत्म कर देते हैं।

स्लीप डिस्टर्बेंस और ब्लू लाइट

रात के समय फोन का इस्तेमाल न केवल आपकी आंखों को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि एआई एल्गोरिदम रात 11 बजे के बाद आपको ज्यादा उत्तेजक कंटेंट दिखाते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि इस समय आपका सेल्फ कंट्रोल सबसे कम होता है।

एक्सपर्ट टिप्स

ग्रे-स्केल मोड
अपने फोन की सेटिंग्स में जाकर स्क्रीन को ब्लैक एंड व्हाइट कर दें। रंगीन-चमकीले आइकन दिमाग को ज्यादा आकर्षित करते हैं, ब्लैक एंड व्हाइट स्क्रीन फोन को नीरस बना देती है जिससे आप कम इस्तेमाल करेंगे।

नोटिफिकेशन फिल्टर
केवल जरूरी एप्स जैसे कॉल या वर्क मैसेज के नोटिफिकेशन ऑन रखें। सोशल मीडिया के लाइक-कमेंट के नोटिफिकेशन बंद करें।

बेडरूम को नो फोन जोन बनाएं
रात को सोते समय फोन को सिरहाने रखने के बजाय दूसरे कमरे में चार्ज करें। अलार्म के लिए फोन नहीं, साधारण घड़ी का उपयोग करें।

20 मिनट का नियम
जब भी एप खोलने की तीव्र इच्छा हो, खुद को कहें कि मैं इसे 20 मिनट बाद देखूंगा। अक्सर वह इच्छा तब तक खत्म हो जाती है।

- भारत में एक औसत व्यक्ति दिन भर में लगभग 4.5 से 5 घंटे मोबाइल फोन पर बिताता है। भारतीय यूजर हर महीने औसतन 31 जीबी डेटा खर्च कर रहे हैं।
- किशोरों-युवाओं के मामले में यह समय 7 से 8 घंटे तक पहुंच जाता है। दुनिया भर में मोबाइल इस्तेमाल के मामले में भारत शीर्ष देशों की सूची में शामिल है।

ये हैं स्वास्थ्य को नुकसान
- लगातार मोबाइल का इस्तेमाल शरीर की बनावट और कार्यक्षमता को प्रभावित करता है।
- गर्दन झुकाकर लंबे समय फोन चलाने से रीढ़ व गर्दन की मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है।
- नीली रोशनी के कारण आंखों में सूखापन, जलन, धुंधली दृष्टि और सिरदर्द की समस्या।

मैं इंपैक्ट सब नियम को युवा खिलाड़ियों के लिए मौके के रूप में देखता हूं। कइयों को यह नियम पसंद नहीं है लेकिन अगर एक बल्लेबाज या गेंदबाज टीम में जुड़ता है तो अधिक जोखिम वाले फैसले लिये जा सकते हैं।
–प्रभसिमरन सिंह

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

राजस्थान रॉयल्स

बनाम

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

समय - शाम 7:30 बजे

ईडन गार्डन्स में लखनऊ का धमाल आखिरी गेंद पर कोलकाता को हराया

आईपीएल-2026 : मुकुल चौधरी के सामने बेबस नजर आए केकेआर के गेंदबाज

कोलकाता, एजेंसी

मुकुल चौधरी (नाबाद 54) और आयुष बदोनी (54) की आतिशी पारियों की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स को तीन विकेट से शिकस्त दी। यह टूर्नामेंट में लखनऊ सुपर जाएंट्स की लगातार दूसरी जीत है।

125 रन पर छह विकेट गंवा चुकी लखनऊ के लिए मुकुल चौधरी संकटमोचन बनकर आए। उन्होंने 27 गेंदों में दो चौके और सात छक्के उड़ाते हुए नाबाद 54 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम का स्कोर सात विकेट पर 182 रन कर तीन विकेट से जीत दिला दी।

182 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए मिचेल मार्श और एडन मारक्रम की सलामी जोड़ी पहले विकेट लिए 41 रन जोड़े। पांचवें ओवर में वैभव अरोड़ा ने एडन मारक्रम 15 गेंदों में (22) और मिचेल मार्श (15) को आउट कर केकेआर को दोहरी सफलता दिलाई। इसके बाद कप्तान ऋषभ पंत और आयुष बदोनी ने पारी को संभालने का प्रयास किया। नौवें ओवर में कमरन ग्रीन ने ऋषभ पंत (10) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। निकोलस पूरन (13), अब्दुल समद (दो) रन बनाकर आउट हुए। 15वें ओवर में अनुकूल राय ने आयुष बदोनी को आउट कर लखनऊ सुपर जायंट्स को बड़ा झटका दिया। आयुष बदोनी ने 34 गेंदों में सात चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 54 रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में सुनील नारायण ने मोहम्मद शमी का शिकार कर लिया। इसके बाद मुकुल ने अकेले दोनों छोरो से तूफानी बल्लेबाजी करते हुए छक्को की झड़ी लगा दी। उन्होंने मैच की आखिरी गेंद पर एक रन लेकर अपनी टीम को जीत दिलाई। केकेआर के लिए वैभव अरोड़ा और अनुकूल रॉय ने दो-दो विकेट लिए। सुनील नारायण, कार्तिक त्यागी और कमरन ग्रीन ने एक-एक विकेट लिया।

इससे पहले आज यहां अंगकृष रघुवंशी (45), कप्तान अजिंक्या रहाणे (41), रोवमन पॉवेल (नाबाद 39) और (कैमरन ग्रीन (नाबाद 32) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ चार विकेट पर 181 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। लखनऊ सुपर जायंट्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स को पहला झटका 15 रन के स्कोर पर फिन ऐलन (नौ) के रूप में लगा। उन्हें प्रिंस यादव ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अंगकृष रघुवंशी ने अजिंक्या रहाणे के साथ दूसरे विकेट के लिए 84 रन जोड़े। 11वें ओवर में दिग्वेश राठी ने अजिंक्या रहाणे को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। रहाणे ने 24 गेंदों में चार चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 41 रन बनाये। अगले ही ओवर में एम सिद्धार्थ ने अंगकृष्ण रघुवंशी का शिकार कर लिया। रघुवंशी ने 33 गेंदों में पांच चौके ओर दो छक्के लगाते हुए 45 रनों की पारी खेली। रिंकू सिंह (चार) को आवेश खान बोल्ड आउट किया। इसके बाद रोवमन पॉवेल और कैमरन ग्रीन के बीच पांचवें विकेट के लिए 70 रनों की अविजित साझेदारी ने कोलकाता नाइट राइडर्स का स्कोर चार विकेट पर 181 रन तक पहुंचा दिया। पॉवेल ने 24 गेंदों में चार चौके और दो छक्के उड़ाते हुए नाबाद 39 रनों की पारी खेली। कैमरन ग्रीन ने 24 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 32 रन बनाये।

शॉट लगाते लखनऊ सुपर जाएंट्स के बल्लेबाज मुकुल चौधरी।

केकेआर

181/4 (20 ओवर)

अजिंक्य रहाणे का शमी बो राठी	41
फिन ऐलन का राठी बो प्रिंस	09
अंगकृष रघुवंशी का मारक्रम बो सिद्धार्थ	45
कैमरुन ग्रीन नाबाद	32
रिंकू सिंह बो आवेश	04
रोवमैन पोवेल नाबाद	39

अतिरिक्त : 11, गेंदबाजी : शमी 4-0-27-0, प्रिंस 4-0-47-1, सिद्धार्थ 3-0-34-1, राठी 4-0-25-1, आवेश 4-0-44-1

एलएसजी

182/7 (20 ओवर)

मिचेल मार्श का रघुवंशी बो वैभव	13
एडेन मारक्रम का पोवेल बो वैभव	22
ऋषभ पंत का त्यागी बो ग्रीन	10
आयुष बडोनी का रिंकू बो अनुकूल	54
निकोलस पूरन का रमनदीप बो त्यागी	13
अब्दुल समद बो अनुकूल	02
मुकुल चौधरी नाबाद	54
मो. शमी का अनुकूल बो नारायण	01
आवेश खान नाबाद	01

अतिरिक्त: 10, **गेंदबाजी** : वैभव 4-0-38-2, अनुकूल 4-0-32-2, सैनी 3-0-37-0, नारायण 4-0-13-1, त्यागी 3-0-31-1, ग्रीन 2-0-28-1

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	राजस्थान रॉयल्स	3	3	0	0	6	2.403
2.	पंजाब किंग्स	3	2	0	1	5	0.637
3.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	2	2	0	0	4	2.501
4.	दिल्ली कैपिटल्स	3	2	1	0	4	0.811
5.	लखनऊ सुपर जाइटंस	3	2	1	0	4	-0.359
6.	सनराइज़र्स हैदराबाद	3	1	2	0	2	0.275
7.	गुजरात टाइटंस	3	1	2	0	2	-0.270
8.	मुंबई इंडियंस	3	1	2	0	2	-0.715
9.	कोलकाता नाइट राइडर्स	4	0	3	1	1	-1.315
10.	चेन्नई सुपर किंग्स	3	0	3	0	0	-2.517

ऑरेंज कैप

यशस्वी जायसवाल
राजस्थान-170 रन
समीर रिजवी
दिल्ली - 160 रन
अंगकृष रघुवंशी
कोलकाता-155 रन

पर्पल कैप

रवि विश्नोई
राजस्थान- 7 विकेट
प्रसिद्ध कृष्णा
गुजरात - 6 विकेट
राशिद खान
गुजरात- 5 विकेट

हाईलाइट

भारत के सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर गोपीनाथ का निधन

चेन्नई। टेस्ट में भारत की पहली जीत दर्ज करने वाली टीम के सदस्य रहे देश के सबसे उम्रदराज अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर सीडी गोपीनाथ का 96 वर्ष की आयु में निधन हो गया। गोपीनाथ ऑस्ट्रेलिया के महान नील हार्वी (97) के बाद दुनिया के दूसरे सबसे उम्रदराज क्रिकेटर थे। उनके निधन के बाद मुंबई के 95 वर्षीय चंद्रकांत पाटणकर अब देश के सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बन गए हैं। पाटणकर ने 1955 में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट खेला था।

आयुष क्वार्टर फाइनल में, सिंधु और प्रणय हारे

निंगबो। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप में पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए लेकिन पी वी सिंधू महिला एकल में हारकर बाहर हो गई। विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर काबिज आयुष ने 20वीं रैंकिंग वाले चीनी ताइपै के चि यू जेन को 21.6, 21.12 से हराया। अब उनका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से होगा। भारत के बाकी खिलाड़ियों के लिये बृहस्पतिवार का दिन निराशाजनक रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को दूसरी वरीयता प्राप्त चीन की वांग झियि ने 46 मिनट तक चले मुकाबले में 21.18, 21.8 से हराया। कंधे की चोट से उबरकर वापसी करने वाले एच एस प्रणय को चीन के वेंग होंग यांग ने 21.12, 21.19 से मात दी।

वैष्णवी व सहजा को शिकस्त दे, इंडोनेशिया ने भारत को हराया

नई दिल्ली। वैष्णवी अडकर और सहजा यमलापल्ली की एकल मुकाबलों तथा अंकिता रैना और ऋतुजा भोसले की जोड़ी की हार से बिली जीन किंग कप के एशिया-ओशियाना ग्रुप-1 मुकाबले में बृहस्पतिवार को यहां इंडोनेशिया ने भारत को 3-0 से करारी शिकस्त दी। इस हार से भारत के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। वैष्णवी ने प्रिस्का मेडेलिन नुग्रोहो को कड़ी चुनौती दी, लेकिन उन्हें दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा, जबकि सहजा विश्व रैंकिंग में 41वें स्थान पर काबिज जेनिस ट्येन के सामने सहज नहीं दिखीं। विश्व रैंकिंग में 391वें पायदान पर काबिज पुणे की वैष्णवी ने मुकाबले में दमखम दिखाया, लेकिन 419वीं रैंकिंग वाली प्रिस्का की चुनौती से पार नहीं पा सकीं।

कोनोली को टाइमिंग और लय पर भरोसा

- पावर हिटिंग के दौर में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज ने संयमित पारी खेल सभी को किया प्रभावित

मुल्लांपुर, एजेंसी

टी20 क्रिकेट में पावर हिटिंग (ताकत वाले शॉट) के इस दौर में पंजाब किंग्स के बल्लेबाज कूपर कोनोली सफलता के लिए टाइमिंग, लय और आत्मविश्वास पर भरोसा करते हैं। ऑस्ट्रेलिया के इस 22 साल के खिलाड़ी ने अपने आईपीएल पदार्पण पर 44 गेंदों पर नाबाद 72 रन की संयमित पारी खेलकर प्रभावित किया।

उनकी इस पारी से पंजाब किंग्स को गुजरात टाइटंस के खिलाफ शुरुआती मैच में तीन विकेट से जीत मिली। इस पारी ने उनके इस विश्वास को मजबूत किया कि क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में दबदबा बनाने के लिए सिर्फ पावर हिटिंग ही जरूरी नहीं है। हर खिलाड़ी की अपनी ताकत होती है और मैं अपनी उन्हीं खूबियों पर कायम रहना चाहता हूं, जिन्होंने अब तक मुझे सफलता दिलाई है। कोनोली ने में कहा बेशक, टी20 क्रिकेट में ताकत (पावर) एक बड़ा हिस्सा बनती जा रही है, लेकिन इसके अलावा भी कई तरीके हैं और मैं उन्हें समझने और सीखने की कोशिश करूंगा। अपनी मौजूदा शैली में सहज कोनोली मानते हैं कि लय पर आधारित उनका खेल उन्हें टीम के लिए सबसे प्रभावी योगदान देने में मदद करता है।

टी-20 में नौ विकेट लेकर कार्डोसा ने रचा इतिहास

ब्रासीलिया, एजेंसी

ब्राजील की तेज गेंदबाज लॉरा कारडोसो ने रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जब वह पुरुषों या महिलाओं के टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक ही पारी में नौ विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं।

कारडोसो ने लेसोथो के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए चार रन देकर नौ विकेट चटकाए जो टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े है। उन्होंने गैबोरोन में बोत्सवाना क्रिकेट संघ ओवल दो मैदान पर बीसीए कालाहारी महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में यह उपलब्धि हासिल की। पिछला रिकॉर्ड भूटान की सोनम येशे के नाम था जिन्होंने 2025 में पुरुषों के टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में म्यांमार के खिलाफ सात रन देकर आठ विकेट लिए थे। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार महिलाओं के टी-20 अंतर्राष्ट्रीय में कारडोसो ने इंडोनेशिया की रोहमालिया के 2024 में मंगोलिया के खिलाफ बिना रन के सात विकेट चटकाने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। बृहस्पतिवार को हुए मैच में ब्राजील ने रॉबर्टा एवरी (35 गेंद पर 48 रन) और मोनिके मचाडो (41 गेंद पर नाबाद 69 रन) की शानदार पारियों की मदद से 202 रन का बड़ा स्कोर बनाया। इसके जवाब में लेसोथो की टीम 6.2 ओवर में सिर्फ 13 रन पर सिमट गई।

आरसीबी-रॉयल्स मैच में नजरें शीर्षक्रम के बल्लेबाजों पर

गुवाहाटी, एजेंसी

यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी से मिल रही आक्रामक शुरुआत के साथ राजस्थान रॉयल्स शुक्रवार को यहां गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आईपीएल के मैच में अपना दबदबा कायम रखना चाहेगी जबकि आरसीबी की उम्मीदें फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल पर टिकी होंगी।

दो साल पहले टी20 क्रिकेट से विदा लेने के बावजूद आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के प्रदर्शन में कमी नहीं आई है। उनके मार्गदर्शन में आरसीबी ने संतुलित शीर्षक्रम तैयार कर लिया है और पिछले मैच में फिल साल्ट ने भी उम्दा पारी खेली थी। तीसरे नंबर पर उतर रहे पडिक्कल ने घरेलू क्रिकेट का अपना फॉर्म कायम रखते हुए संतुलित आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी की है।

आईपीएल में अपने पदार्पण सत्र में आरसीबी के लिए 473 रन बनाने वाले पडिक्कल बाद में राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के साथ उस सफलता को दोहरा नहीं सके थे। पिछले सत्र में वह आरसीबी में लौटे और पहली बार उसे आईपीएल खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस सत्र में भी उन्होंने पहले चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 29 गेंद में 50 और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 26 गेंद में 61 रन बनाए। कप्तान रजत पाटीदार और आस्ट्रेलिया के टिम डेविड मध्यक्रम को मजबूती देते हैं। आरसीबी के गेंदबाजों ने भी इस सत्र में प्रभावित किया है। जैकब डफी ने जोश हेजलवुड की कमी पूरी की है तो बीच के ओवरों में कृणाल पंड्या और सुयश शर्मा ने रन रोके हैं।

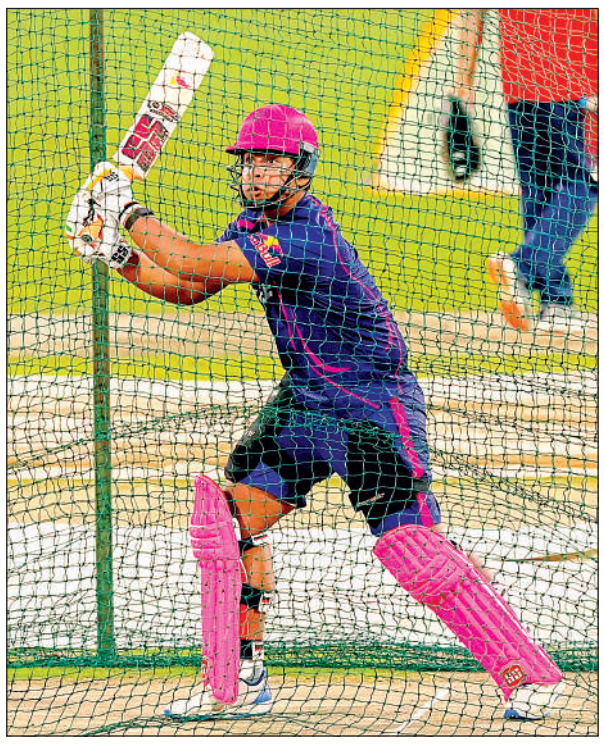

अभ्यास सत्र के दौरान राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी। एजेंसी

टीम

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जयसवाल, रवींद्र जड़ेजा, एडम मिल्ने, ब्रिजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), अभिनंदन सिंह, भुवनेश्वर कुमार, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, सुयश शर्मा, स्वप्निल सिंह, विराट कोहली, वेंकटेश अय्यर, मंगेश यादव, कनिष्क चौहान, विहान मल्होत्रा, विक्की ओस्तवाल, सात्विक देसवाल।

सूर्यवंशी असली सुपरस्टार बन सकते हैं : स्मिथ

नई दिल्ली : बेहद प्रतिभावान वैभव सूर्यवंशी के प्रशंसकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और अब दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ग्रीम स्मिथ ने आईपीएल 2026 में उनके प्रदर्शन के बाद 15 साल के इस भारतीय खिलाड़ी को 'असली सुपरस्टार' बताया है। सूर्यवंशी ने मंगलवार को बारिश से बाधित मैच में राजस्थान रॉयल्स की मुंबई इंडियंस पर 27 रन की जीत के दौरान दुनिया के सबसे अच्छे टी20 गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया। इस युवा खिलाड़ी ने 14 गेंद में 39 रन की पारी के दौरान बुमराह के ओवर में दो छक्के जड़े। स्मिथ ने अपने ब्लॉग में लिखा आईपीएल ठीक वैसे ही शुरू हुआ है जैसा मैंने सोचा था, सपाट पिचों और बड़े स्कोर वाले मुकाबलों के साथ। हमेशा की तरह यह देखना दिलचस्प होगा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे पुराने सुपरस्टार कैसा प्रदर्शन करते हैं लेकिन मुझे लगता है कि राजस्थान रॉयल्स के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी पर शुरुआती कुछ हफ्तों में नजर रखनी होगी।

लिया पक्ष | गुजरात टाइटंस के खिलाफ एक रन न लेने की हो रही आलोचना, मुकाबले में दिल्ली ने गंवा दिया था मैच

डेविड मिलर की मंशा में खोट नहीं निकाल सकते :गावस्कर

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल के रोमांचक मैच में एक रन लेने से इनकार करने वाले दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज डेविड मिलर का बचाव करते हुए कहा कि उनकी मंशा में कमी नहीं निकाल सकते ।

जीत के लिए 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली को दो गेंद में दो रन की जरूरत थी लेकिन आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर मिलर ने एक रन लेने से इनकार कर दिया। वह आखिरी गेंद पर चूके लेकिन एक रन के लिये भागे लेकिन जोस बटलर के थ्रो पर कुलदीप यादव रन आउट हो गए। गावस्कर ने ''जियो हाटस्टार'' से कहा डेविड मिलर बहुत अच्छा खेल रहा था और उसे खुद पर भरोसा था कि वह मैच फिनिश करेगा। उसकी मंशा में कमी नहीं निकाल सकते।

प्रसिद्ध कृष्णा ने एक शानदार धीमा बाउंसर डाला जिसे वह खेल नहीं सका । दबाव के हालात में ऐसा हो जाता है। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने गावस्कर ने कहा कि दबाव के हालात में मैच की स्थिति को लेकर चौकस रहना काफी अहम है जो भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 1986 में टाई रहे मैच में दिखाई थी। चेन्नई में उस मैच में भारत 348 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहा था। शास्त्री ने नाबाद 48 रन बनाये और सही समय पर एक रन लेकर भारत को 347 रन तक पहुंचाया जबकि आखिरी गेंद पर मनिंदर सिंह आउट हो गए। वह मैच ड्रॉ रहा। गावस्कर ने कहा इसी समय पर मैच के हालात को लेकर जागरूक रहना जरूरी है। मुझे इससे रवि शास्त्री का वह एक रन याद आता है जो 1986 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ उसने सही समय पर लेकर स्कोर बराबर कर दिया था।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान की तारीफ की जिन्होंने गुजरात के लिये चार ओवर में 17 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने कहा राशिद खान ने जबर्दस्त गेंदबाजी की । लेकिन एक ईकाई के रूप में गुजरात की गेंदबाजी उतनी अच्छी नहीं थी लेकिन खेल में ऐसा होता है।

अक्षर ने शांति बनाए रखने का किया आग्रह

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने गुजरात टाइटंस के हाथों एक रन की दिल तोड़ने वाली हार के बाद अपनी टीम से शांत रहने और अपना हौसला बनाए रखने की अपील की। अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार को मैच के बाद फ्रेंचाइजी द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में, अक्षर ने ड्रेसिंग रूम में अपने साथियों को संबोधित करते हुए, इस करीबी हार के बावजूद सकारात्मक बने रहने का आग्रह किया। अक्षर ने साथियों से कहा सीजन की शुरुआत में, मैंने कहा था, आप जानते हैं, अपनी भावनाओं पर काबू रखें और किसी भी स्थिति में शांत रहें। सभी, आप जानते हैं, दुखी हैं, बुरा महसूस कर रहे हैं। हम फिर भी मुस्कुरा सकते हैं, यह ठीक है। यह एक लंबा टूर्नामेंट है। मुझे लगता है कि अगर उसने वे छक्के नहीं मारे होते, तो मुझे नहीं लगता कि हम, आप जानते हैं, खेल में बने रहते। हम चेन्नई जाएंगे और फिर से शुरुआत करेंगे।

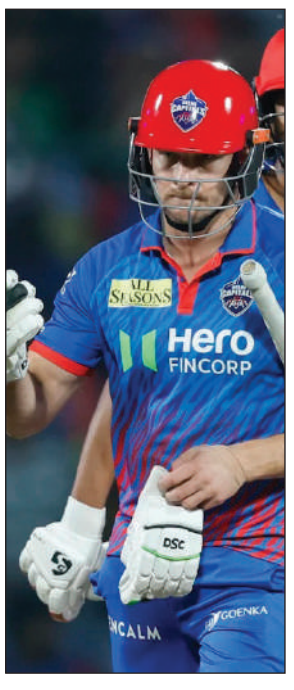

प्रीति, मीनाक्षी के नेतृत्व में भारत की स्वर्णिम सफलता

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप

उलानबटोर (मंगोलिया), एजेंसी

मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा और एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार के नेतृत्व में भारत ने बृहस्पतिवार को एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदकों की झड़ी लगा दी।

मीनाक्षी (48 किग्रा) और प्रीति (54 किग्रा) के अलावा प्रिया घंघास (60 किग्रा) और 'वर्ल्ड बॉक्सिंग कप' की स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) ने भी फाइनल जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किए। भारत को सबसे बड़ा झटका 57 किग्रा वर्ग में लगा, जहां मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया को थाईलैंड की दो बार की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पुनरावी रूएनरोस (पूर्व नाम जुतामास जितपोंग) से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारत को एक और रजत पदक अल्फिया पठान (80+ किग्रा) के रूप में मिला, जो फाइनल में कजाखस्तान की दीना इस्लामबेकोवा से 0-5 से हारकर उपविजेता रहीं। फाइनल में पहुंचने के साथ ही भारतीय मुक्केबाजों ने इस वर्ष होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए भी क्वालीफाई कर लिया, जो भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) की चयन नीति के अनुरूप है।

पदकों के साथ भारतीय मुक्केबाज। एजेंसी